हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

7 मार्च, 1991

खण्ड 1, अंक 5

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 7 मार्च, 1991

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(5)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(5)20
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(5)24
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव– भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी के निवास स्थान पर हरियाणा सी0आई0डी0 कर्मचारियों द्वारा निगरानी करने की घटना से उत्पन्न स्थिति सम्बन्धी	(5)25
वाक आउटस	(5)58
वक्तव्य– खाद्य एवं पूर्ति मंत्री द्वारा राज्य में डीजल और पैट्रोल आदि की कमी सम्बन्धी	(5)60
बिजैनसे ऐडवाईजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट पे ा करना	(5)64

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव– सरकारी कार्य को करने के लिए गेर सरकारी दिन को बदलने सम्बन्धी	(5)67
वाक आउटस	(5)70
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव– कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने सम्बन्धी	(5)70
वर्श 1990–91 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस पर चर्चा तथा मतदान– (1) राज्य के राजस्व पर प्रभारित व्यव के अनुमानों पर चर्चा (2) अनुपूरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान	(5)72 (5)72
बैठक का समय बढाना	(5)80
वर्श 1990–91 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(5)80

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 7 मार्च, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Anti Reservation Agitation

***1229. Sh. Ram Bilas Sharma, Sh. Muni Lal:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether any police officer has been held responsible for the burning of Govt. vehicles, buses and the buildings during the Anti-Reservation agitation in the State ?

प्रो0 सम्पत सिंह (गृह मंत्री): नहीं, श्रीमान जी।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्षम महोदय, इस सदन में इस सरकार द्वारा यह स्वीकार किया जा चुका है कि पीछे हुए दंगों में प्रदे ा को लगभग्र 42.6 करोड रूपये का नुकसान हुआ है और आज अपने जवाब में कह रहे हैं कि आरक्षण विरोधी आन्दोलन के दौरान सरकारी वाहनों, बसों और इमारतों के जलाने के सम्बन्ध में कोई पुलिस अधिकारी जिम्मेवार नहीं ठहराया गया है। इसका मतलब तो यह हुआ कि नुकसान तो जरूर हुआ है। तो मैं यह

जानना चाहता हूं कि इनका पहले वाला जवाब गलत था या यह गलत है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, न पहले वाला गलत था और न आज वाला गलत है और जहां तक हानि की बात है, हानि आज भी हुई है। इन्होंने यह पूछा था कि राज्य में आरक्षण विरोधी आन्दोलन के दौरान सरकारी वाहनों, बसों और इमारतों को जलाने के सम्बन्ध में कोई पुलिस अधिकारी जिम्मेवार ठहराया गया है कि नहीं। मैंने कहा है नहीं।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पहले सदन में कहा है कि 42.6 करोड रूपये की हानि हुई है। यह कोई छोटी मोटी रकम नहीं है। आर्य साहब का साफ सवाल था कि क्या यह सब कुछ पुलिस अधिकारियों की देख रेख में हुआ है या नहीं, क्या कोई इसके लिए पुलिस अधिकारी जिम्मेवार है ?

श्री अध्यक्षः भार्मा जी, इन्होंने कहा है नहीं। आप इसको इलेबोरेट ही कर रहे हैं। आप अपना सप्लीमैंटरी पूछें।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, यहां पर कई साथियों ने कहा कि विपक्ष के नेता के घर को अम्बाला में जलाया गया। उस वक्त जो पुलिस अधिकारी वहां पर मौजूद थे, क्या वे जिम्मेवार नहीं थे ? क्या सरकार उनको दोशी नहीं मानती ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं रिपीटिडली कह चुका हूं कि नुकसान हुआ है। सवाल करते वक्त कम से कम मैम्बर

साहेबान को इस बात का ध्यान रखना चाहिए था कि वे चाहते क्या हैं ? स्पश्ट तौर पर बताना चाहिए था। बार बार वहीं भाशणबाजी इन्होंने भुरू कर दी। अगर वे सीधा सवाल पूछेंगे तो सीधा व स्पश्ट जवाब भी दिया जाएगा। मैंने कहा कि बाकायदा 42.6 करोड रूपए का नुकसान हुआ है।

डा0 हरनाम सिंहः अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब ने कहा कि बाकायदा नुकसान हुआ है। मैं उनसे यह जानना चाहता हूं कि वह कौन सा ऐसा कायदा है जिस कायदे के मुताबिक नुकसान हुआ है ? इन्होंने स्पै ाली बाकायदा भाब्द का इस्तेमाल किया है। जरा क्लीयर कर दें।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा मतलब यह है कि नुकसान हुआ है।

श्री मुनी लालः अध्यक्ष महोदय, स्टुडैंटस अनरैस्ट का जो आन्दोलन पीछे चल रहा था या दूसरे कोई लोग आन्दोलन कर रहे थे तो यह सब डिस्ट्रिक्ट ऐडमिनिस्ट्रे ान के सामने ही सब कुछ हो रहा था लेकिन मन्त्री जी कह रहे हैं कि आफिसर रिसपान्सीबल नहीं थे। आखिर वे लोग भी तो जिम्मेवार ठहराये जा सकते हैं जिनके सामने यह आन्दोलन चल रहा था।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हर डिस्ट्रिक्ट के अन्दर वहां की एडमिनिस्ट्रे ान की तरफ से पुलिस अधिकारियों की डयूटी लगी हुई होती है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, अभी मन्त्री महोदय ने अपने रिटन रिप्लाई में बताया कि किसी पुलिस अधिकारी को जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता, न ही किसी अधिकारी ने कुछ जलाया है। अध्यक्ष महोदय, जलाने से ही नुकसान नहीं होता। रिसपान्सीबल अफसर जिसके सामने यह सब कुछ हुआ है, वह भी इस के लिये जिम्मेवार है। क्या इनके पास कोई ऐसा सबूत है जिससे यह जाहिर हो सके कि पुलिस अधिकारी इसके लिए जिम्मेवार नहीं हैं ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा यह कहना है कि केसिज अव य दर्ज हुए हैं और लोगों को गिरफतार भी किया गया है। जैसे जैसे केसिज आगे चलेंगे, दोशी लोगों को चालान भी होगा और बाकायदा कोर्ट उन्हें सजा भी देगी। जहां तक पुलिस अफसरों की डयूटी का सवाल है। स्पीकर साहब, हो सकता है कि जहां पर पुलिस अफसर तैनात हुए हों, उन से परे, कहीं दूर ऐसी वारदात हो गई हो जिसको उन्हें देर से पता चला हो। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि एक तरफ तो दे ा के अन्दर आग लग रही थी और दूसरी तरफ अलग अलग राजनीतिक दल लोगों को भडकाने में लगे हुए थे और बचाव के लिये जो मिल्ट्री की गाडियां सरकार ने लगाई थीं, उन लोगों के ऊपर ये लोग पत्थर मार रहे थे।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, अभी गृह मंत्री जी ने कहा कि जिन लोगों के सामने गलत काम हुए थे या जिन्होंने

जलाने का काम किया था उनके प्रति केस दर्ज हुए हैं। मैं जानना चाहती हूं कि क्या किसी पुलिस अधिकारी के प्रति भी केस दर्ज हुआ है ?

श्री अध्यक्षः इसका जवाब आ चुका है।

श्रीमती कमला वर्माः जब अपोजी ान के नेता ने यह कहा है कि पुलिस अधिकारी के सामने उनका घर जलवाया गया तो उसके खिलाफ एक ान क्यों नहीं लिया गया ?

श्री अध्यक्षः इसके बारे में तो मिनिस्टर साहब ने कह दिया था कि इस सै ान में वे जवाब देंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि आरक्षण विरोधी मामले में कितने लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हुए और उनमें से कितने गिरफ्तार हुए ? क्या उस समय ग्रीन ब्रिगेड के लोगों के खिलाफ भी कोई ि ाकायत आई ?

Mr. Speaker: This question relates to the police officers. Please do not generalise it.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं इनकी बात का जवाब दे देता हूं। ऐसे नुकसान के सिलसिले में 477 केस दर्ज हुए थे और 833 लोग गिरफ्तार हुए थे। जहां तक ग्रीन ब्रिगेड की बात है, उसको बदनाम करने की इन्होने पूरी कोि ा ा की। उसका इसके साथ कोई मतलब नहीं है। वह तो दे ा भक्ति का

काम करती है और भाान्ति कायम करने का काम करती है। ऐसा काम तो इनके लोग ही करते होंगे।

श्री अनिल कुमार विजः स्पीकर साहब, यह तो वास्तविकता है कि उस दौरान इतने करोड रूपए की हमें हानि हुई। क्या उसके लिए किसी पुलिस अधिकारी या दूसरे अधिकारी की कोताही रही, क्या इस बात को जानने के लिए जांच करवाई गई ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, कोताही या नैगलीजैंस अलग चीज है और जिम्मेदारी ठहराना अलग चीज है। जैसे मैंने पहले बताया था कि एक एस0पी0 और एक ए0एस0पी0 को नैगलीजैंस की वजह से हमने बाकायदा सस्पैंड किया। उस मामले की इन्क्वायरी कमि ानर रोहतक डिविजन कर रहे हैं।

श्री वीरन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी गृह मंत्री जी एक सप्लीमैंटरी के जवाब में बता रहे थे कि चूंकि जो ग्रीन ब्रिगेड है, वह बडा दे ा भक्ति का काम कर रही है और दे ा की बडी भारी सेवा कर रही है। पिछले दिनों एक अखबार में श्री जय प्रका ा उप मंत्री पैट्रोलियम एंड कैमिकल्ज का बयान आया था कि हरियाणा के अन्दर ग्रीन ब्रिगेड नाम की कोई चीज नहीं है। अभी मंत्री जी ने जिस ग्रीन ब्रिगेड के बारे में कहा है, वह कौन सी ग्रीन ब्रिगेड है और उसका मुखिया कौन है, वह किस पार्टी के साथ काम कर रही है ? उस बारे में जरा सरकार रो ानी डाले।

इसके साथ साथ मैं इसी संबंध में दूसरा सवाल पूछना चाहता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि बी0जे0पी के लोगों ने मिल्ट्री की गाडियों पर पथराव किया। मैं इनसे जानना चाहूंगा कि मिल्ट्री की गाडियों पर पथराव करने वाले कौन लोग थे, क्या उनको आईडैंटीफाई कर लिया गया है, क्या उनको गिरफ्तार कर लिया है; यदि गिरफ्तार कर लिया गया है तो उनको बी0जे0पी0 के साथ किस प्रकार का संबंध है और उसके बारे में सरकार के पास क्या कोई सबूत मौजूद हैं ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने ग्रीन ब्रिगेड का जिकर किया। मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि ग्रीन ब्रिगेड कोई रजिस्टर्ड बौडी नहीं है। यह जिस ग्रीन ब्रिगेड के बारे में जानना चाहते हैं, अगर वह नहीं होती तो खुद इनके नेता वी0पी0 सिंह इलाहाबाद से चुनाव नहीं जीत सकते थे। इलाहाबाद के अन्दर डैमोक्रेसी बिल्कुल खत्म हो जाती। अगर वह ग्रीन ब्रिगेड नहीं होती तो इलाहाबाद में इनके नेता वी0पी0 सिंह को कांग्रेस पार्टी चुनाव नहीं लडने देती, लेकिन उसी ग्रीन ब्रिगेड के लोगों ने उनको वहां से डैमोक्रेटिकली चुनाव लडाया था जिनकी तरफ आज चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी का इ ाारा है, वरना वह वहां से चुनाव नहीं जीत सकते थे। कांग्रेस वाले उनको वहां से चुनाव नहीं जीतने देते। वहां पर अगर वह नहीं होते तो कांग्रेस रीगिंग करती, बूथ कैपचरिंग करती। उन लोगों ने वहां पर डैमोक्रेसी को बचाया था। उन्हीं लोगों ने इलाहाबाद में जाकर डैमोक्रेसी को बचाया था,

वरना वी0पी0 सिंह वहां से चुनाव नहीं लड सकते थे। उन्हीं लोगों के कारण उनका चुनाव जीतना सम्भव हो सका था। इसके अलावा, माननीय सदस्य ने बी0जे0पी0 के बारे में कहा है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जिस वक्त मिल्ट्री का फ्लैग मार्च हो रहा था, तो उस फ्लैग मार्च के वक्त में अम्बाला के अन्दर एक पोलिटीकल जलसा करके इनके विधायक जलसे को ऐड्रैस कर रहे थे। जिस गैदरिंग को ये ऐड्रैस कर रहे थे, इन्होंने उस गैदरिंग को प्रोवोक किया और मिल्ट्री की गाडियों पर पत्थर बरसाए। वे कौन कौन लोग थे, किस पोलिटीकल पार्टी के थे, उनको लेबल क्या था ? उस बारे में केस दर्ज है, लोग गिरफ्तार भी हुए हैं। इन्वैस्टीगे ान चल रही है। अपने आप पता लग जाएगा कि उसमें कौन कौन भाामिल थे।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, जब भी आप समय देते हैं, हम सवाल करते हैं और उनको लिखित जवाब आता है। जब हम सप्लीमैंटरी करते हैं तो गृह मंत्री जी को यह आदत सी लग गई है कि ये हमें डांटने लग जाते हैं क्योंकि इनके पास पुलिस विभाग है। इन्होंने एक सवाल का उत्तर देते हुए कहा था कि किसी पुलिस अधिकारी की कोई जिम्मेदारी नहीं, कोई केस रजिस्टर नहीं हुआ लेकिन फिर भी सम्पति जली है। तो क्या उस समय सरकार काम कर रही थी ? न तो किसी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी ठहराई, न किसी व्यक्ति की जिम्मेदारी ठहराई, तो सरकारी सम्पति कैसे जल गई ? उस समय सरकार क्या कर रही

थी ? इतना नुकसान क्यों हुआ ? गृह मंत्री जी इस बारे में जवाब दें, केवल गालियां देने से आपकी जान नहीं बचेगी। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने कोई गाली नहीं दी और न ही गाली देने की मेरी आदत है। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः नहीं, ताडने की आपकी आदत बन गई है। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः गालियां देने की आदत आपकी होगी मेरी नहीं है। स्पीकर साहब, यह बहुत अच्छी बात है, प्र न करना चाहिए चाहे हमें वह प्र न बुरा लगे लेकिन उसका जवाब सुनने का मादा भी इनके अन्दर होना चाहिए। मैंने बाकायदा इनके हर प्र न का जवाब दिया है, कोई भी ताडने की बात नहीं कही। स्पीकर साहब, आप यहां हाउस में बैठे हैं, अगर हमारी तरफ से कोई ताडने की बात कही जाएगी तो आप ही उसके लिए इजाजत नहीं देंगे और आफ फौरन एक्सप्लेने ान काल कर लेंगे। यदि हमारी तरफ से कोई जवाब ठीक नहीं दिया जाता तो आप उसी वक्त कह सकते हैं कि आपका जवाब ठीक नहीं है। लेकिन हमने सभी सवालों के जवाब सही दिए हैं इसलिए इनको दर्द होता है कि जवाब सही कैसे आ रहे हैं ? स्पीकर साहब, मैंने सारे हाउस के सामने यह कहा है कि बाकायदा उस बारे में केस दर्ज किए गए हैं। लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। माननीय सदस्य यह बात कैसे कह सकते हैं कि कोई जिम्मेदार नहीं ठहराया गया ?

बाकायदा हमने जिम्मेदार भी ठहराए हैं। फिर ये कैसे कह सकते हैं कि पुलिस ने जिम्मेदारी से काम नहीं किया ? (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः अब तो आप कह रहे हैं लेकिन लिखित जवाब में तो आप नहीं में जवाब दे रहे हैं। (ाोर)

(At this stage, many members rose to speak)

Mr. Speaker: Everybody should take his seat, please. (Interruptions) I would not proceed further unless and until you are satisfied.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने पहले ही सवाल के जवाब में कहा है कि अपराधियों के खिलाफ केस रजिस्टर्ड हुए हैं और कुछ लोग गिरफ्तार भी हुए हैं। अब ये कैसे कह सकते हैं कि पुलिस ने कुछ नहीं किया ? (ाोर) मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि जयपुर में कम्यूनल रायटस के दौरान कितने लोग मारे गए, हिमाचल में कितने मारे गए ? (ाोर) क्या ये अपने गिरेबान में मुंह डालकर बताएंगे ? (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, यहां पर राजस्थान का सवाल कहां से आ गया ?

श्री सीता राम सिंगलाः अध्यक्ष महोदय, आजकल हरियाणा सरकार की सी0आई0डी0 बहुत जोरों से काम कर रही है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जिस समय बसें जलाई जा रही थीं और वहां के डी0सी0 ने उनको

रोकने की कोि ा ा की तो उस समय किसी पुलिस अधिकारी ने डी0सी0 को यह कहा था कि हमें आदे ा आए हैं कि यह धुंआ दिल्ली तक वी0पी0 सिंह को दिखाया जाये। क्या इस प्रकार की कोई सी0आई0डी0 की रिपोर्ट सरकार के पास आई है ?

Prof. Sampat Singh: It is all political stunt. स्पीकर साहब, हमारे पास इस किस्म की सी0आई0डी0 की कोई रिपोर्ट नहीं आई और न ही कोई आदे ा किसी की तरफ से दिए गए थे।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने जब इनकी दुखती नस को पकड लिया तो इनको करंट लग गया और ये एकदम उछल पडे और अब उधर इनको कल सैंटर में झटका लग गय है। इन्हौंने कांग्रेस भाासन के दौरान बूथ कैपचरिंग के जो एलीगे ान्ज लगाये हैं, मैं इस बारे इन्हें बताना चाहूंगा कि अगर कांग्रेस पार्टी बूथ कैपचरिंग करती तो कांग्रेस 1977 और 1987 में इनको हकूमत न देती।

Mr. Speaker: Please put relevant question. This question has already taken 18 minutes.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं इन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि जब लोक सभा के इलैक ान हुए थे तो क्या इन्होंने बूथ कैपचरिंग नहीं की थी जिसके परिणामस्वरूप इलैक ान कमी ान ने फरीदाबाद में 162 बूथों पर दोबारा वोट डालने के आदे ा दिये थे। (ाोर)

Mr. Speaker: This is no supplementary. Please take your seat. (Interruptions) I would not permit you to go irrelevant on this question.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं टू दा प्वायंट इनसे यह पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार के पास ऐसी कोई ि ाकायत आई कि जब आरक्षण के दौरान नुकसान हो रहा था तो इन्होंने बी0पी0 सिंह को पंक्चर करने के लिए और ताऊ ने अपनी अहमीयत दिखाने के लिए यह सब कुछ करने की कोि ा ा तो नहीं की ? क्या इतने सारे नुकसान के पीछे यही एक कारण तो नहीं था ? (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह कोई सप्लीमैंटरी नहीं है क्योंकि यह पुलिस अफसर से सम्बंधित नहीं है। आप कृपया बैठें।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, मुझे यह कहते हुए बहुत अफसोस हो रहा है कि होम मिनिस्टर हाउस में एक बहुत ही जिम्मेवारी की पोस्ट पर बैठे हुए हैं लेकिन इसके बावजूद ये बहुत ही गैर जिम्मेदाराना बात करके हाउस में गडबडी फैलाने की कोि ा ा करते हैं। इन्होंने कहा कि अ ाोक कुमार विज एम0एल0ए0 ने अम्बाला कैंट में जनता को ऐड्रैस करके प्रोवोक किया।

Mr. Speaker: Please put the question.

Sh. Suraj Bhan: Sir, I want to put the record straigt. मैं गुजारि ा करूंगा कि जो गलत बातें रिकार्ड पर आई हैं, उन्हें रिकार्ड से निकाल दिया जाना चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। मनीराम जी, आप भी कृपा करके अपनी सीट पर बैठें।

डा0 रघुबीर सिंह कादयनः स्पीकर साहब, दुर्भाग्य से इस प्रदे ा में तकरीबन एक महीने तक पथराव और आगजनी का कंटीन्यूअस प्रोसैस चलता रहा है। मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इस दौरान 400 करोड रूपये का नुकसान हुआ है, क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि इस अर्से में कितने टीयर गैस के गोले छोडे गए हैं और कितने लाठीचार्ज किए गए हैं।

Mr. Speaker: I do not think, it will be possible to reply.

श्री हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि आरक्षण विरोधी आन्दोलन का समर्थन कौन कौन सी राजनैतिक पार्टियां कर रही थीं, क्या सरकार को इसका पता चला ? यदि नहीं तो क्या इस हाउस की कमेटी बना कर इसकी इन्क्वायरी करने का फैसला सरकार करेगी।

Mr. Speaker: This question does not relate to the main question. Please take your seat. Next question please.

Welfare Schemes for downtrodden people

***1221. Sh. Rattan Lal Kataria, Sh. Suraj Bhan:**Will the Minister of State for Tourism and Welfare be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to celebrate the next Birth Day of Bharat Rattan Dr. B.R. Ambedkar at the State level; and

(b) whether there is also any proposal under consideration of the Government to introduce welfare schemws for the down trodden people of the State during this year; if so, the details thereof ?

पर्यटन राज्य मंत्री (श्री श्रीकृश्ण हुड्डा):

(क) हां।

(ख) अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को आवास कम व्यवसायिक प्लाट के खरीदने तथा बनाने के लिए ऋण तथा अनुदान देने की योजना सरकार के विचाराधीन है। इस स्कीम का पूरा ब्यौरा अभी तैयार किया जाना है।

श्री रतन लाल कटारिया: स्पीकर साहब, यह वर्श डा0 अम्बेदकर भाताब्दी वर्श है। मैं मन्त्री महोदय से आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि क्या नारायणगढ में डा0 अम्बेदकर की प्रतिमा को तोडा गया है ? मैं यह भी जानना चाहूंगा कि रोहतक में जो डा0 अम्बेदकर की प्रतिमा को तोडा गया है, क्या सरकार उस प्रतिमा को फिर से बनवाएगी ?

श्री श्रीकृश्ण हुड्डाः ....

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी का जवाब औब्जैक ानेबल है।

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, दरअसल बात यह है कि यह हमारी बात सुनना नहीं चाहते। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यह बाबा साहब भीमराव अम्बेदकर जी का जयन्ती वर्श है, इसको ध्यान में रखते हुए क्या सरकार उनकी जीवनी को पाठयक्रम में भाामिल करने पर विचार करेगी और जल्दी ही इस बारे में निर्णय लेगी ?

श्री श्रीकृश्ण हुड्डाः यह सरकार के विचाराधीन है।

श्री कृपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, बाबा साहेब का यह वर्श 14 अप्रैल 1990 से भाुरू होकर 14 अप्रैल 1991 तक का सैंचरी सैलीब्रे ान्ज का वर्श है। क्या इस बात को ध्यान में रखते हुए कोई योजना इसके लिये तैयार हुई है; और अगर नहीं हुई है तो कितना समय और लगेगा ? केवल एक महीना तो बाकी रह गया है, यह एनीवर्सरी खत्म होने वाली है।

श्री श्रीकृश्ण हुड्डाः यह मामला सरकार के विचाराधीन चल रहा है। मैं कुछ एक बातें तफसील में आपको बता दूं जो सरकार इस बारे में कर रही है। बाबा साहब की जयन्ती के

उपलक्ष्य में जो योजना बनाई गयी है, उसके अन्तर्गत समारोह किये जायेंगे, प्रद र्शनियां लगाई जायेंगी ..... (व्यवधान एवं भाोर)

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, आज से लगभग 6 महीने पहले मैंने मुख्य मंत्री महोदय को एक पत्र लिखा था कि इस भाताब्दी वर्श को मनाने के लिये, जिस तरह से हिन्दुस्तान में और सभी प्रदे ा की सरकारों द्वारा एक कमेटी बनायी गई है, उसी तरह यहां पर भी बनाई जाये लेकिन आज तक मुझे उस पत्र का जवाब नहीं आया है और न ही कोई कमेटी इसके लिये बनाई गयी है।

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, इसके लिये कमेटी तो बनायी गयी है। (व्यवधान)

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, मैं एक छोटा सा सवाल पूछना चाहता हूं। बाबा साहेब की जन्म भाताब्दी के सिलसिले में क्या हरियाणा सरकार आठवीं पंच वर्शीय योजना को बाबा साहेब केग नाम डैडीकेट करके यहां पर गरीब और दरम्याने तबके के लोगों का उत्थान करने की कोि ा ा करेगी ?

श्री श्रीकृश्ण हुड्डाः स्पीकर साहब, इसके लिये सैपरेट नोटिस दिया जाये।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, सबको यह पता होगा कि डाक्टर भीमराव अम्बेदकर के नाम गांवों में जो हरिजन चौपालें

बनी हुई हैं। उनका नाम अब अम्बेदकर भवन रख दिया गया है। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि अब तक कितने प्रति ात गांवों में यह अम्बेदकर भवन बना दिये गये हैं और बाकी के गांवों में इन भवनों को बनाने के लिये, क्या कोई टाईम बाउन्ड प्रोग्राम चलाया जायेगा ?

श्री श्रीकृश्ण हुड्डाः स्पीकर साहब, सरकार की यह योजना है और जल्दी ही हरेक गांव में अम्बेदकर भवन बना दिये जायेंगे। (व्यवधान)

श्री रतन लाल कटारियाः .....

Mr. Speaker: This is not to be recorded.

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, एक बात माननीय मंत्री जी ने कही है कि बाबा साहेब की प्रतिमा को रोहतक के अन्दर तोडा गया। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जब इस महान पुरूश की प्रतिमा को तोडा गया तो क्या उसके बाद किसी को गिरफ्तार किया गया है या नहीं ?

श्री श्रीकृश्ण हुड्डाः सरकार इसकी अभी इंक्वायरी कर रही है।

10.00 बजे।

श्री कृपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, बाबा अम्बेदकर सैनटैनरी सैलीब्रे ांज एक साल पहले यानी अप्रैल 1990 में भारू

की गई थी और ये सैलीब्रे ांज एक साल चलनी हैं। इनको चलते हुए ग्यारह महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक इस सरकार ने हरिजनों के लिए कोई नई योजना आरम्भ नहीं की। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इतनी भारी कोताही सरकार के पार्ट पर क्यों है ? दूसरा सवाल यह है कि क्या इन सेलीब्रे ांज के दौरान हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के बच्चों के लिए सरकारी नौकरियों में जो बैकलौग है, उसको पूरा किया जाएगा ?

श्री श्रीकृश्ण हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, हरिजन तथा बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिए जो कोटा फिक्स है उसको पूरा करने के लिए सरकार वचनबद्ध है और उसको पूरा किया जायेगा ?

श्री परमानन्दः अध्यक्ष महोदय, सरकार बता रही है कि अप्रैल 1990 से हम बाबा अम्बेदकर की सौवीं जन्म भाताब्दी मना रहे हैं और इसके लिए एक कमेटी बनाई हुई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वर्श 1990–91 के दौरान जब एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड में भर्ती की गई, इसी तरह से इंस्पैक्टर्ज की भर्ती एक्साइज एंड टैक्सै ान विभाग में की गई और पटवारियों की भर्ती की गई, क्या उस कमेटी ने यह देखने की कोि ा ा की कि इन सभी भर्तियों में ि ाडयूल्ड कास्टस की वैकेन्सीज पूरी की गई है या जो बैकलौग है उसको पूरा किया गया है ?

श्री श्रीकृश्ण हुडडा: स्पीकर साहब, जो हुकम सिंह की सरकार है वह बैकवर्ड क्लासिज तथा हरिजनों के हित की सरकार है और हमारी सरकार इनकी तरफ पूरा ध्यान दे रही है।

Construction of Roads in Tohana Constituency

***1244. Comrade Harpal Singh:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following roads in the Tohana Constituency :-

1. Hindalwala, Lakhuwali Dhani road to Dhani Telan;

2. Budanpur to Jamalpur Shekhan;

3. Chamar Khera to Kandool;

4. Sahu to Saniyana;

5. Indachhoi to Kulan Dharsul Mandi;

6. Fatehpuri to Chander Kalan Mandi;

7. Diwana to Murpur Dhani'

8. Udaipur to Jakhal Mandi;

9. Bus Stand to Government High School, Samian; and

(b) if so, the total amount allocated for the construction of the above said Roads together with the time by which these are likely to be completed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) क्रमांक संख्या 1 से 4 पर अंकित सडकों के निर्माण का प्रस्ताव है। क्रम संख्या 9 पर अंकित सडक पहले ही बनी हुई हैं। भोश सडकें क्रमांक 2, 3, व 5 से 8 तक का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ब) धन के अभाव के कारण क्रमांक 1 से 4 पर अंकित प्र ाासकीय अनुमोदित सडकों के निर्माण के लिये रा ि ा की अलाटमैंट नहीं की जा सकी। इन अनुमोदित सडकों के निर्माण का कार्य धन की उपलब्धि पर आरम्भ कर दिया जायेगा। इसलिये उपरोक्त दो स्वीकृत सडकों के निर्माण के लिये समय सीमा नि ि चत नहीं की जा सकती। चूंकि भोश सडकों के निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है, इसलिये बजट आबंटन का प्र न ही पैदा नहीं होता।

कामरेड हरपाल सिंह: मन्त्री महोदय ने बताया है कि क्रमांक 1 व 4 पर अंकित सडकों के निर्माण का प्रस्ताव है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन दोनों सडकों के लिए जमीन कब ऐक्वायर की गई थी, इनके लिए कब पैसा दिया गया और इन पर कब मिटटी डाली गई तथा अर्थ वर्क किस स्टेज पर है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, क्रमांक 1 और 4 पर जो सडकें हैं, उनमें पहली सडक हिन्दलवाला, लखुवाली ढाणी सडक से ढाणी टेलन तक है। इस सडक पर अर्थ वर्क हो चुका है और 64 हजार रूपया खर्च आया है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने बताया है कि इस सडक पर अर्थ वर्क हो चुका है। स्पीकर साहब, इस सडक पर कोई अर्थ वर्क नहीं हुआ है। मेरा ख्याल है कि अर्थ वर्क केवल फाइलों पर ही हुआ है। अफसर लोग फाइलों पर अर्थ वर्क दिखा देते हैं। पहले नम्बर पर जो सडक है उस पर कोई मिटटी नहीं डाली गई है और क्रमांक 4 पर जो सडक है, उस पर छः साल पहले मिटटी डाली गई थी। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इनकी जो इंफरमे ान है, वह किन सूत्रों से मन्त्री महोदय ने प्राप्त की है और ये दोनों सडकें कब तक पूरी कर दी जाएंगी ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, मैं मैम्बर साहब को यह बताना चाहता हूं कि साहू से सनियाना की रोड जो कि 3–4 किलोमीटर तक सैन्क ान हो चुकी थी, उस पर 3 किलोमीटर तक मिटटी का काम हो चुका है और 1 लाख 99 हजार रूपया खर्च हो चुका है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय मेरे सवाल का उत्तर देने में टालमटोल कर रहे हैं मैंने यह पूछा था

कि उस सडक पर अगर अर्थ वर्क हुआ है तो वह कौन से सन में हुआ है ?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, इन सडकों पर काम चल रहा है। जब जब सरकार के पास पैसा आता है तब तब वहां पर काम करवा दिया जाता है लेकिन इस समय उस सडक पर काम भाुरू नहीं है लेकिन टोहाना की सडकों पर काफी काम हो रहा है। स्पै ाल रिपेयर के ऊपर लगभग 43.96 हजार रूपया खर्च किया गया है।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत यह जानना चाहता हूं कि हर बार हाउस में ऐसे सवाल पूछते वक्त सरकार की ओर से यह क्यों कह दिया जाता है कि फण्डज की कमी के कारण फलां फलां काम नहीं करवाये जा सकते ? क्या ये बताएंगे कि ऐसी रोडज की कोई प्रिआरिटी लिस्ट सरकार की तरफ से बनाई गई है कि इस इस सडक पर सबसे पहले काम करवाया जाएगा ? काम भाुरू करने से पहले इन बातों का ध्यान क्यों नहीं रखा जाता ?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मन्जूर ाुदा सडकों के ऊपर लगभग 61 करोड रूपये का खर्चा है लेकिन सरकार की ओर से केवल सडकों की रिपेयर के लिए 6 करोड ही मिला है और इस पैसे को 90 के 90 हल्कों में बांटने की कोि ा ा की जानी थी क्योंकि थोडा थोडा पैसा हरेक हल्के को अलौट किया जाना

अनिवार्य था। अब ये खुद देख लें कि इतने थोडे फण्ड में से कितना काम हो सकता है ?

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि आज तक हरियाणा सरकार ने कितनी सडकों की प्र ाासनिक स्वीकृति दी है और उनमें से कितनी सडकें अधूरी पडी हैं जिन पर काम भुरू नहीं हुआ है ? इनके बाद में जो सडकें स्वीकृत हुई हैं, उनमें से कितनी सडकों पर काम भुरू हो चुका है ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, अभी कामरेड हरपाल सिंह जी ने सवाल किया था कि नम्बर 1 और 4 सडकों पर कितना अर्थ वर्क हो चुका है तो मन्त्री महोदय ने यह उत्तर दिया कि इन दोनों सडकों पर काम हो चुका है। लेकिन हरपाल सिंह जी का कहना है कि नम्बर 4 सडक पर आज से 6 साल पहले अर्थ वर्क हुआ था लेकिन नम्बर 1 सडक पर अभी कोई काम नहीं हुआ है। तो मैं मन्त्री महोदय से आपके द्वारा यह जानना चाहता हूं कि इन दोनों में से कौन गलत बोल रहा है और कौन सच बोल रहा है ? यह सब कुछसदन के सामने आना चाहिए। मन्त्री महोदय इसकी क्लैरीफिके ान दें। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Kataria Ji, please be seated. This is a very important matter. Therefore, I want to get it clarified first. जगन नाथ जी सवाल यह है कि इलाके का एम0एल0ए0 तो कहता है कि वह सडक अभी तक भ्रारू नहीं हुई और आपने कहा है कि वह बन चुकी है।

श्री जगन नाथः मैंने यह नहीं कहा कि वह बन चुकी है, वह बन रही है।

श्री अध्यक्षः चलो आपने कहा होगा कि वह बन रही है। क्या आप इस बात की जांच करवाने के लिए तैयार हैं कि आपकी बात में वजन है या इनकी में ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, नम्बर एक सडक के बारे में मैंने यह कहा था कि 64 हजार रूपए का अर्थ वर्क हो चुका है। नम्बर चार सडक चार किलोमीटर की सैंक ान है जिसमें से तीन किलोमीटर पर मिटटी का काम हुआ है और इस पर 1 लाख 99 हजार रूपये खर्च हो चुके हैं। मेरी तरफ से तो यह सच्चाई है कि इन पर इतना काम हो चुका है और उनकी सच्चाई यह है कि वे सडकें अभी पूरी नहीं हुई।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मन्त्री जी बता रहे हैं कि जो साहू से सनियाना सडक है, उस पर 1 लाख 99 हजार रूपए का खर्चा हुआ है। मैं उनसे यह जानना चाहता हूं कि यह खर्च कौन से साल में हुआ था ?

श्री जगन नाथः यह सूचना इस समय मेरे पास नहीं है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, आपने बहुत अच्छा आबजरवे ान किया है। मन्त्री महोदय बाकी कामों में तो माहिर हैं परन्तु जो जवाब इन्होंने दिया है उसमें कह दिया कि धन के अभाव के कारण क्रमांक 1 व 4 पर अंकित प्र ाासकीय अनुमोदित सडकों के निर्माण के लिए रा ि ा की अलाटमैंट नहीं की जा सकी। अब कह रहे थे नम्बर 4 सडक पर 1 लाख 99 हजार रूपए खर्च किए हैं। इनमें से कौन सी बात सही है ? (ाोर) यह ..... से जवाब दे रहे हैं।

श्री अध्यक्षः ये भाब्द रिकार्ड न किए जाएं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, एक बहुत ही दुखदायक बात है। हमारे दे ा की परम्परा है कि हम नारी का बहुत सम्मान करते हैं। परन्तु पता नहीं भाई जगन नाथ तो क्या हो रहा है, जब भी बहिन कमला वर्मा जी सवाल पूछने के लिए खडी होती हैं तो ये ऐसी वैसी बात कर देते हैं। (ाोर)

श्री जगन नाथः मैंने यह कहा था कि इस साल इन सडकों के लिए प्रावधान नहीं हो सका। पीछे एक सडक बनी थी (विघ्न) स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जेल से माफी मांग कर आया था (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिए।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी जेल से माफी मांग कर आए थे। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपकी इजाजत से कहना चाहूंगा कि ये कह रहे हैं कि मैं जेल से माफी मांग कर आया था, यदि इस बारे में इनके पास कोई सबूत हैं तो ये बताएं और मैं इसी वक्त अपना इस्तीफा दे दूंगा। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, उस समय माफी देने वाला मैं था और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कोई माफी नहीं मांगी। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। नैक्सट क्वै चन प्लीज।

Arm Licences

***1237. Sh. Mohammad Aslam Khan:** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state-

(a) the districtwise number of persons to whom Pistols/Revolvers/Rifles/Gun and Carbine licences were issued during the period from June 1987 to 31st Dec. 1990 in the State, separately; and

(b) the districtwise number of bogus arm licences seized from the anti social elements in the State during the period as referred to in part (a) above ?

Home Minister (Prof. Sampat Singh): A statement is placed on the Table of the House.

Statement

Arm Licences issued during the period 1-6-1987 to 31-12-1990

Sr. No.	District	Pistols	Revolvers	Rifle	Gun	Total	Bogus licences Seized / Consfis cated
1	Ambala		203	44	295	542	Nil
2	Bhiwani		155	11	257	423	
3	Faridabad	Break up not readily available.				663	
4	Gurgaon		362	50	382	794	
5	Hisar		365	103	880	1348	
6	Jind		379	114	1024	1517	
7	Karnal	2	85	33	217	237	
8	Kaithal		113	140	603	856	
9	Kurukshetra		39	63	310	412	

10	Narnaul		70	2	51	123	
11	Panipat						
12	Rohtak		324	36	343	703	
13	Rewari	9	12	4	47	72	
14	Sonipat	Break up not readily available.				516	2
15	Sirsa		281	171	1169	1621	
16	Yamunnagar		53	28	98	179	
G. Total						10106	

NOTE: Licences for carbines/Semi automatic weapons are not issued at the State level.

श्री मोहम्मद असलम खां: स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हिसार, जींद और सिरसा में इतने ज्यादा लाइसैंस क्यों दिए गए और अम्बाला तथा यमुनानगर जिलों में बहुत कम लाइसैंस क्यों दिए गए इसकी क्या वजह रही है ? गवर्नमैंट के पास अम्बाला और यमुनानगर जिले के बहुत लोगों की दरख्वास्तें लाइसैंस के लिए पैंडिंग पडी हुई हैं उनको कब तक लाइसैंस दे दिए जाएंगे ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पिस्टल या रिवालवर का लाइसैंस लेने के लिए बाकायदा एप्लीके ान देनी पडती है। उसके बाद पुलिस उस लाइसैंस लेने वाले की बैरीफिके ान करती है। यदि वैरीफिके ान के मुताबिक लाइसैंस लेने वाला आदमी अमन भाांति रखने वाला पाया जाता है तो उसको लाइसैंस दे दिया जाता है। हो सकता है उन जिलों में पुलिस वैरीफिके ान पूरी नहीं हुई होगी इसलिए वहां पर कम लाइसैंस दिए गए होंगे। इसके अलावा, उन जिलों में यह भी हो सकता है कि लाइसैंस की डिमांड कम हो।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हिसार, जींद और सिरसा के अन्दर कारबाईन और ए0के0 47 राइफल के लाइसैंस किस आधार पर दिए गए और किसकी सिफारि ा पर दिए गए ? लाइसैंस देने का क्राइटेरिया क्या है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यदि माननीय सदस्य मेन सवाल के जवाब में लगी हुई स्टेटमैंट पढ लेते तो यह सप्लीमैंटरी नहीं करते। स्टेटमैंट के अन्दर यह साफ लिखा है कि कारबाईन/सेमी आटोमैटिक हथियारों के लाइसैंस स्टेट गवर्नमैंट नहीं देती। ऐसा किसी को कोई लाइसैंस नहीं दिया गया।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी से मेन सवाल के भाग ख में यह पूछा गया था कि जिलावार नाजायज

हथियार कितने पकडे गए इनकी संख्या बताई जाए। भाायद मंत्री जी यह बताना नहीं चाहते थे। इसलिए नाजायज हथियारों की जगह नाजायज लाइसैंस भाब्द लिख दिया। स्पीकर साहब, नाजायज लाइसैंस नहीं होते नाजायज हथियार होते हैं। मेरे पास दो नाजायज बंदूकों के नम्बर हैं जो आतंकवादी कार्यवाही में पकडे गए थे। पुलिस ने इन्कवारी करते समय जब उनसे पूछताछ की तो उन्होंने कहा कि ये हमें जे0पी0 साहब ने दिए हैं। (ोम भोम की आवाजें)

Mr. Speaker: Please put the supplementary.

Comrade Harpal Singh: I am asking supplementary.

मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वे हथियार उनके पास कहां से आए ? किन लोगों से बरामद हुए और उनके खिलाफ क्या कार्यवाही हुई ? मैं उन दोनों बंदूकों के नम्बर बता देता हूं। एक बन्दूक का नम्बर 28670 है और यह भारत स्माल आर्म्ज प्राइवेट लि0 की बनी हुई है। दूसरी बन्दूक का नम्बर 9152 है और यह बन्दूक न्यू लाइट आर्म वर्क्स एक प्राइवेट फैक्टरी की बनी हुई है। इसके अलावा, उनसे 28 कारतूस भी मिले थे। जिनसे वह बंदूकें पकडी गई उन्होंने यह कहा था कि ये हमें जे0पी0 साहब ने दी थी। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, कामरेड हरपाल सिंह हो सकता है। पूछना कुछ और चाहते हों और पूछ बैठे कुछ और।

जो मेन सवाल पूछा गया है उसका मैंने बाकायदा जवाब दिया है। मेन सवाल में पूछा गया है कि बोगस आर्म्ज लाइसैंस कितने पकडे गए ? उनका मैंने जवाब दिया है कि दो बोगस लाइसेंस पकडे गए थें लाइसेंस आर्म अलग चीज है और लाइसैंस अलग चीज है। इसके अलावा, माननीय सदस्य ने यह भी कहा है कि दो नाजायज बंदूके पकडी गई थीं और पुलिस द्वारा पूछताछ करते समय उन्होंने जे0पी0 का नाम लिया था। स्पीकर साहब, ऐसे मामलों में जिस किसी का नाम लिया जाता है उसके खिलाफ कार्यवाही करते हैं। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया होगा। आप इस तरह के सवाल करके पोलिटिकली कुछ न कुछ निकालना चाहते हैं कामरेडों ने कहीं वांटे होंगे, जब इस पर कार्यवाही होगी तब पता चलेगा। (ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय की जानकारी में लाना चाहता हूं कि प्रदे ा में जो राजनीतिक अपराधीकरण हो रहा है और जिसका प्रबल सबूत लोकसभा चुनाव के दौरान भिवानी कान्स्टीच्यूएंसी में सामने आया ..... (ाोर)

Mr. Speaker: I am very sorry, Arya Ji, you are going out of the track.

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि अनअथोराइज्ड लाईसेंसों की जो प्रद ार्नी हुई थी, वे कितने लोगों के पकडे हुए हथियार थे और इस केस

में कितने लोगों को पकडा गया था और जो लोग पकडे गए थे उनके खिलाफ क्या कोई केस दर्ज हुआ है ?

Mr. Speaker: This is no supplementary.

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में हथियारों की संख्या बताई है कि सिरसा जिले में 1621, हिसार जिले में 1348, जींद जिले में 1517 और रिवाडी में केवल 72 हथियार दिए गए हैं मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि इन तीन जिलों में अधिक हथियार क्यों दिए गए ? दूसरा मेरा सवाल यह है कि ऐसे हथियार देने का क्या क्राइटेरिया है क्योंकि हथियारों की जिलेवाईज संख्या देखने से ऐसा लगता है कि इन्होंने अपने अपने लोगों को ही ये हथियार दिए हैं ?

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मैं अपने सदस्य साथी को सबसे पहले यह बताना चाहता हूं कि यह सवाल हथियारों का नहीं है बल्कि हथियारों के लाईसेंस दिए जाने का है। लाईसेंस लेना अलग बात है और आर्म्ज लेना अलग बात है। लाईसेंसी के लिए जरूरी नहीं कि वह हथियार जरूर लें। हर इलाके के जिन लोगों की डिमांड आती है, उसी हिसाब से ये लाईसेंस दिए जाते हैं। जहां तक रिवाडी जिले का सवाल है, यह अभी नया नया जिला बना है और बहुत छोटा है। इसलिए यहां पर इनकी संख्या कम होना स्वाभाविक ही है। दूसरे, जिन तीन जिलों का जिकर किया गया है, इस बारे में मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि ये बडे जिले हैं और यहां पर बहुत सारे बडे बडे लैण्ड लार्ड लोग रहते

हैं। उनकी अपनी जरूरत होती है इसलिए वे लाईसेंस लेते रहते हैं। उनके लाईसेंस लेने का एक कारण यह भी है कि ये लोग आवस में झगडते रहते हैं और इसी आपसी दु मनी के कारण ये लाईसेंस और हथियार लेते रहते हैं। ऐसे केसिज में अपने और पराये की कोई बात नहीं है। ऐसे लाईसेंस इ ू करने का काम डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट का है और वही अपने लेवल पर इ ू करते हैं।

श्री रण सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि स्टेट गवर्नमैट ने जिले वाईज कार्बाइन और सेमी एटोमैटिक हथियार लेने के लिए कितने लोगों की एप्लीके ान सेन्टर गवर्नमैंट को भेजी हैं ?

प्रो0 सम्पत सिंहः हमारी गवर्नमैंट ने ऐसे हथियार लेने के लिए एक दो लोगों की एप्लीके ांज को रिकमैंड किया था लेकिन गवर्नमैंट आफ इण्डिया ने कह दिया कि स्टेट गवर्नमैंट ऐसी कोई रिकमैण्डे ान्ज गवर्नमैंअ आफ इण्डिया को नहीं करेगी और गवर्नमैंट आफ इण्डिया ने कम्पलीट बैन लगा दिया है, इसलिए स्टेट गवर्नमैंट आफ इण्डिया को ऐसी एप्लीके ान को रिकमैंड करना छोड दिया है।

श्री सतबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, क्या कारण है कि पानीपत जिले में एक भी आर्म्ज का लाईसैंस इ ू नहीं

किया गया ? क्या जान बूझ कर वहां पर ये लाईसेंस इ ू नहीं किए गए या जवाब देने में गलती रह गई ?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, पानीपत के लोग बडे भाान्तिप्रिय हैं, इसलिए उनकी तरफ से कोई मांग नहीं आई जिसकी वजह से वहां पर ये लाईसेंस इ ू नहीं किए गए। अगर डिमांड आएगी तो वहां पर भी लाईसेंस इ ू कर देंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हिसार जिले में 1348 लाईसेंस इ ू किए गए हैं। क्या मंत्री महोदय इन 1348 लाइसैंसों की संख्या कान्स्टीच्यूएंसीवाईज बताने का कश्ट करेंगें ताकि पता लग सके कि कौन सी कान्स्टीच्यूएंसी में कितने कितने लाईसेंस दिए गए हैं ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इस समय कान्स्टीच्यूऐंसीवाईज इन्फर्मे ान देना संभव नहीं है। ये बडे सीनियर साथी हैं यदि ये सूचना कान्स्टीच्यूऐंसी वाईज लेना ही चाहेंगें यह इनको घर भेर दी जाएगी।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, जिस संख्या में लाईसैंस दिए गए हैं, उनके बारे में मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि डिस्ट्रिक्टवाईज लाईसेंस लेने के लिए कितनी एप्लीके ांज आई, कितने लोगों को लाईसेंस दिए जा चुके हैं और उनमें से कितनी एप्लीके ांज पैंडिग पडी हैं ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह सूचना भी डिस्ट्रिक्टवाईज बताना इस समय संभव नहीं है। लेकिन मै इतना बता देता हूं कि इन तीन सालों में करीब 10 हजार लाईसैंस दिये गये हैं इससे पहले कि 2 सालों में यानि 1965–86 तथा 1986–1987 में तकरीबन 15 हजार लाईसैंस इ ा हुए हैं इसके बाद के तीन साल में करीब 10 हजार लाईसेंस जारी हुए हैं जो पिछले दो साल के वक्त से काफी कम हैं।

श्री सीताराम सिंगलाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जो आर्म्ड लाईसेंस हरियाणा में दिए गए हैं, इनके अलावा उत्तर प्रदे ा या राजस्थान के लोगों द्वारा बोगस एड्रैस दे कर भी हरियाणा से लाईसेंस लिए गए हैं, यदि हां तो क्या इस बारे में कोई जांच की गई है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः आज तक ऐसी कोई ि ाकायत नहीं आई; अगर कोई ि ाकायत आएगी तो इस बारे जांच करवाएंगे।

Construction of Roads by the Market Committee, Narnaul

***1255. Sh. Kailash Chand Sharma:** Will the Minister for Agriculgure be pleased to state-

(a) the number of roads in kilometer, if any, constructed by the Market Committee. Narnaul during the year 1990-91; and

(b) whether the Govt. has received any scheme from Market Committee, Narnaul to drain out the water from the

Narnaul Mandi during the period referred to in part (a) above; if so, the details thereof ?

कृशि मंत्री (श्री कि ान सिंह सांगवान):

(क) हरियाणा राज्य कृशि विपणन मण्डल द्वारा मंडी समिति नारनौल के कार्यक्षेत्र में दो सडकों, अर्थात कोजिन्दा से कोजिन्दा की ढाणी तक (0.6 कि0मी0) और नगल स्यालू से मांडी तक (2.5 कि0मी0) के निम्रण का अनुमोदन किया हुआ है। इन दोनों सडकों का कार्य अलाट किया जा चुका है तथा दूसरी सडक पर कार्य आरम्भ हो गया है।

(ख) मंडी समिति नारनौल से हरियाणा राज्य कृशि विपणन मण्डल द्वारा एक योजना प्राप्त हो चुकी है। इस योजना को जन स्वासयि विभाग द्वारा दो भागों में तैयार किया गया है। प्रथम भाग का सम्बंध पानी एकत्रित करने हेतु टैंक तथा पम्प चैम्बर के निर्माण से है। इस भाग के लिए बोर्ड द्वारा 386000/– रूपये की रा ि ा के लिए 7.2.91 को प्र ाासकीय अनुमोदन किया जा चुका है। 133000/– रूपये की निहित रा ि ा से नाले से पानी के निकास से सम्बंधित दूसरा भाग बोर्ड के विचाराधीन है। इस योजना के जन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से 31.12.1991 तक सम्पन्न होने की सम्भावना है।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने कोजिन्दा से कोजिन्दा ढाणी और गांव नंगल स्यालू से मांडी तक की दो सडकों का जिक्र किया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी

से यह जानना चाहता हूं कि इन सडकों के लिए कितनी रा ि ा ऐलोट की गई है, इनके ठेकेदार कोन हैं और इन सडकों के कब तक बनने की संभावना है ?

श्री कि ान सिंह सांगवानः ठेकेदार या ऐजैन्सी का नाम तो इस समय नहीं बताया जा सकता। इस काम के लिए कितनी एमांउंट ऐलोट की गई है, यह बाकायदा लिखी हुई है।

डा0 हरनाम सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से सम्बंधित एक सवाल पूछना चाहता हूं। उन्होंने मार्किटिंग एग्रीकल्चरल बोर्ड की सडकों को बनाने का आर्डर किया है। 23 फरवरी के ट्रिब्यून में छपा है कि 1400 किलोमीटर सडकों को बनाने के लिए पैसा दिया, 300 किलोमीटर सडक बनी और 1034 किलोमीटर सडक का अर्थवर्क हुआ। इसके अतिरिक्त 4 करोड रूपये इन्जीनियरों से रिकवरी का आदे ा दिया है, जो उनके रि तेदार थे उनको ठेके दिए गए। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से आदरणीय मुख्य मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि यह जो पैसा 3 साल से मार्किटिंग बोर्ड का पडा है, इस पैसे से सडकें कब तक बना दी जाएंगी ?

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): सारे हरियाणा में सडकों का काम चल रहा है, कहीं बन्द नहीं हुआ है। कौन सी सडक का ठेका किस ठेकेदार को दिया गया है, यह बताना तो इस समय

संभव नहीं है। कामरेड साहब, अखबार न दिखाएं, अगर कोई ि ाकायत आएगी तो जांच करवाई जाएगी।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मार्किटिंग कमेटीज के पास बहुत पैसा है। मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या कारण है कि इनको सडकें बनाने में इतनी देरी होती है ? कई मार्किटिंग कमेटियां ऐसी हैं जहां बिल्कुल काम नहीं हुआ है। मैं मन्त्री जी से यह भी जानना चाहूंगा कि क्या इन सडकों को पी0डब्ल्यू0डी0 से बनवाने बारे विचार किया जाएगा ?

श्री कि ान सिंह सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि जो सडकें एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड द्वारा बनाई जाती हैं, यह जल्दी बनती हैं। मैं यह बात माननीय सदस्य के नोटिस में लाना चाहूंगा कि यदि इन सडकों को पी0डब्ल्यू0डी0 के माध्यम से बनवाया गया तो इसमें और भी देर लगेगी।

Mr. Spekaer: Questions hour is over please.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित

प्र नों के लिखित उत्तर

Karnal Oil Refinery

***1291. Sh. Lachhman Dass Bajaj:** Will the Chief Minister be pleased to state the present stage of the construction of Karnal Oil Refinery ?

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): करनाल तेल भाोधक कारखाने के लिए गांव बहोली जिला करनाल (अब जिला पानीपत) में इंडियन ऑयल कारपोरे ान द्वारा 2080 एकड भूमि अधिग्रहण कर ली गई है। निर्माण कार्य अभी भाुरू नहीं हुआ है।

Construction of Roads

***1361. Sh. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) the number of Link Roads constructed in District Yamuna Nagar during the year 1990-91; and

(b) whether there is any proposal under consideration of teh Govt. to construct new link roads in Jagadhri Constituency during the year 1991-92; if so, the details thereof ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन्नाथ):

(क) तीन।

(ख) जी नहीं।

Construction of Bridge

***1411. Sh. Bhag Mal:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a bridge on Nabipur Sangrani Road (near Naraingarh); and

(b) if so, the time by which the aforesaid bridge is likely to be constructed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न उत्पन्न नहीं होता।

Bus Stand at Siwan

***1404. Sh. Buta Singh:** Will the Minister of State for Transport be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a Bus Stand at Siwan; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Bus Stand is likely to be constructed ?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री वेद सिंह मलिक):

(क) जी हां।

(ख) बस स्टैंड के लिए भूमि अधिग्रहण की जा रही है। भूमि अधिग्रहण करने के प चात बस स्टैंड के निर्माण का कार्य फण्डज की उपलब्धि अनुसार भुरू किया जाएगा।

Examption of Electricity Bills having Motors of 7½ H.P.

***1273. Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to exempt the electricity bills of tubewells having a motor of 7½ H.P. to the farmers in the State; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to materialize ?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(क) नहीं श्रीमान जी।

(ख) उपरोक्त (क) के संदर्भ में प्र न ही उत्पन्न नहीं होता।

Digging of Palri Minor and Badhwan Sub Minor

***1231. Sh. Ran Singh Mann:** Will the Minister of State for Home be pleased to state-

(a) whether ther is any scheme under consideration of the Govt. to emanate the Palri Minor and Sadhwana Sub Minor out of the Satnali Feeder; and

(b) if so, the time by which the construction of the said minors are likely to be started/completed ?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(क) नहीं।

(ख) प्र न नहीं उठता।

Damage caused to Haryana Roadways Buses

***1225. Sh. Hira Nand Arya, Sh. Mohammad Aslam Khan, Capt. Ajay Singh Yadav, Sh. Ram Bilas Sharma, Sh. Muni Lal, Sh. Brij Mohan Gupta, Sh. Yogesh Chand Sharma:** Will the Minister of State for Transport be pleased to state-

(a) the depotwise number of buses of Haryana Roadways damaged during the anti-reservation agitation in the State togetherwith the details/amount of loss sufferred on that account in each depot separately; and

(b) the steps taken or proposed to be taken to replace the damaged buses of Haryana Roadways ?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री वेद सिंह मलिक):

(क) आव यक सूचना अनुबन्ध सी पर सभा पटल पर रखी जाती है।

(ख) (1) अधिकां ा बसें जिनकी मुरम्मत होनी थी या जिनको दोबारा बनाना था, मुरम्मत करके व दोबारा बाडी बना कर मार्ग पर चला दी गई हैं।

(2) पूरी तरह जली बसों के बदलाव की कोि ा ा जल्दी की जाएगी, ब ार्ते रा ि ा उपलबध हो।

अनुबन्ध – 'सी'

क्र0 सं0	डिपो का नाम	नुकसान हुई बसों की संख्या	नुकसान की राि ा
1	अम्बाला	43	245088
2	जीन्द	90	2972330
3	कैथल	13	1279556
4	सोनीपत	141	41921484
5	चण्डीगढ	65	3014330
6	करनाल	224	1327398
7	यमुनानगर	13	306791
8	कुरूक्षेत्र	6	3370000
9	गुड़गांव	127	815884
10	रिवाड़ी	93	1373868
11	भिवानी	44	1469750
12	फरीदाबाद	90	7950650

13	रोहतक	121	7058561
14	हिसार	4	1340000
15	सिरसा	93	825985
16	दिल्ली	54	2671170
17	फतेहाबाद	44	961818
	कुल	1265	78904663

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हमारा एक रूल 84 का मो ान था। उसका क्या बना ?

श्री अध्यक्षः आप बैठिए, उसके बारे में मैं अभी बताऊंगा।

श्री उदय भानः सर, मैंने भी एक काल अटैं ान मो ान करनाल में 4 करोड के घोटाले के बारे में दिया है। तीन दिन के अन्दर इतना पैसा खर्च हुआ है और अब बरसात का मौसम भी आ रहा है। वहां का सारा काम अफैक्टिड है। अगर उस बारे में सरकार कोई बयान देना चाहे तो दे दे क्योंकि यह एक बहुत ही सैंसेटिव मैटर है। (Noise & interruptions)

Mr. Spekaer: That has been disallowed. Please take your seat.

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, आज के देनिक ट्रिब्यून में छपा है कि एक मंत्री ने थानेदार को थप्पड मारा है जो कि सरकारी मुलाजिम है। वह कौन सा मंत्री है जिसने ऐसा किया है, गृह मंत्री जी जरा बता दें।

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): ऐसी खबरें तो आप ही छपवाते रहते हो। (ाोर)

श्री सूरज भानः क्या हमने छपवाया है ? यह बिल्कुल गलत हैं आप इसको कन्ट्राडिक्ट कर दो।

Mr. Speaker: Suraj Bhan Ji, please take your seat (Interruptions)

(At this stage many members rose to speak)

Mr. Speaker: I would request everybody except Sh. B.D. Gupta to take his seat.

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव–

भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी के निवास स्थान पर हरियाणा सी0आई0डी0 कर्मचारियों द्वारा निगरानी करने की घटना से उत्पन्न

स्थिति सम्बन्धी

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, हम यह जानना चाहते हैं कि दिल्ली में भारत के भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव

गांधी के निवास स्थान पर हरियाणा के सी0आई0डी0 कर्मचारियों द्वारा निगरानी करने की घटना से उत्पन्न स्थिति से सम्बंधित रूल 84 के तहत जो मो ान कल आपके सामने प्रस्तुत किया गया था, उसके ऊपर आपने क्या निर्णय किया है ?

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि इस संबंध में मेरे पास तीन चीजें आई थीं। सबसे पहले मेरे पास कालिंग अटैं ान मो ान आई थी जिसके बारे में मैंने कहा था कि वे आज के लिए ऐडमिटिड हैं। उसके बाद रूल 84 के तहत सूरज भान जी की एक मो ान आई। उसके बाद कई दूसरे एम0एल0एज0 की तरफ से रूल 84 के तहत मो ान्ज आई। फिर ऐडजर्नमैंट मो ान आई। मैंनें कालिंग अटैं ान मो ान्ज ऐडजर्नमैंट मो ान्ज और रूल 84 के तहत आई मो ान्ज को क्लब कर दिया है तथा रूल 84 के तहत डिस्क ान अलाऊ कर रहा हूं। परन्तु अब हमारे सामने आज के लिए दो ई ाूज हैं। एक तो श्री कटारिया जी के काल अटैं ान मो ान पर फूड एण्ड सप्लाई मिनिस्टर ने स्टेटमैंट देनी है और दूसरा यह ई ा है। अगर हाउस पहले वह लेना चाहे तो भी मैं तैयार हूं और अगर यह ई ा पहले लेना है, तो भी मैं तैयार हूं। लेकिन इसके लिए मेरी एक प्रार्थना है कि अगर रूल 84 वाली मो ान पहले लेनी है तो इसके लिए एक घंटा अपोजी ान को मिलेगा। उसके बाद गवर्नमैंट का जवाब होगा। इस एक घंटे में दो जनता दल के, दो बी0जे0पी के, एक कांग्रेस आई पार्टी का

और एक कामरेड बोल सकेगा। इस तरह से छः आदमी बोल सकेंगे। इससे ज्यादा नहीं बोल सकेंगे।

(At this stage Capt. Ajay Singh Yadav rose to speak)

Mr. Speaker: I would not permit you now. This is not the way. You always creat trouble (Interruptions)

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, आपने हमारी पार्टी को 10 मिनट का समय दिया है। हम 5–5 मिनट दोनों बोल लेंगे।

Mr. Speaker: Capt. Sahab, I would not permit more than one member from your party. I have said that I would permit two members of B.J.P., two members of Janata Dal, one member from Cong. (I) Party and one comrade. Not more than this.

Hon'ble members, I have received a notice of motion under rule 84 from Sh. Suraj Bhan and some other M.L.As. regarding situation created by the incident of surveillance by C.I.D. employees of Haryana at the residence of Sh. Rajiv Gandhi ex-Prime Minister of India etc. at Delhi. मैं इसे एडमिट करता हूं। सूरज भान जी अपना नोटिस पढ दें।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, जिन मैम्बर्ज के काल अटैं ान मो ान्ज सबसे पहले ऐडमिट हुए थे, क्या उनको बोलने का मौका मिलेगा या नहीं। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः इस बात का आप आपस में फैसला कर लें कि कौन बोलेगा। मुझे कोई ऐतराज नहीं। आपकी पार्टी अगर आपको न बोलने दे, तो मैं कुछ नहीं कर सकता। (व्यवधान व भाोर) सूरजभान जी, आप अपना मो ान मूव करें।

(इस समय कई सदस्य अध्यक्ष महोदय से इस प्रस्ताव पर बोलने के लिए अलाऊ करने हेतु खडे हुए।)

Mr. Speaker: Sorry, I would not budge an inch from my decision. Whatever I have said, I have said after thorough consideration.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः माननीय सदस्य कह रहे हैं कि इन्होंने भी कालिंग अटैं ान मो ांज दी हैं और आपने सब मो ांज को रूल 84 में कन्वर्ट कर दिया है। इसलिए उनका भी बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्षः आप न बोलिए, उनको बोलने दें। (ाोर एवं व्यवधान)

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हम दोनों को टाईम मिलना चाहिए।

Mr. Speaker: I would not permit you. I have permitted only one from you and I am not going to change my decision.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, आप हमारी पार्टी के एक की बजाए दो मैम्बर्ज को टाईम दे दीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, जिनकी काल अटैन्न ान मो ांज रूल 84 के तहत कंवर्ट की गई हैं, उनको भी टाईम मिलना चाहिए।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना तो आप मान ही लीजिए।

श्री अध्यक्षः कामरेड साहब, अगर आप एडजस्ट कर सकें तो पांच पांच मिनट दोनों बोल लें।

कामरेड हरपाल सिंहः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः सूरज भान जी आप अपना मो ान मूव करें।

Sh. Suraj Bhan (Mullana S.C.): Sir, I beg to move-

That the situation arisen due to the functioning of Haryana C.I.D. (Intelligence) office at Delhi and recent arrest of two Haryana C.I.D. officials at the residence of Sh. Rajiv Gandhi, former Prime Minister in Delhi by the Delhi Police, be discussed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the situation arisen due to the functioning of Haryana C.I.D. (Intelligence) office at Delhi and recent arrest of two Haryana C.I.D. officials at the residence of Sh. Rajiv Gandhi, former Prime Minister in Delhi by the Delhi Police, be discussed.

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, पिछला भानिचरवार वास्तव में भानिचर ग्रह हिन्दुस्तान पर चढ गया। हरियाणा के दो सी0आई0डी0 औफिसियलज जिनके नाम राज सिंह और प्रेम सिंह हैं, जो हैड कांस्टेबल हैं और जिनमें से एक की पोस्टिंग रोहतक में और दूसरे की पोस्टिंग नारनौल में बताई गई है। वे देहली में श्री राजीव गांधी के मकान की निगरानी करते पकडे गए। अध्यक्ष महोदय, किसी हैड कांस्टेबल की यह हिम्मत नहीं हो सकती कि वह एक भूतपूर्व प्रधान मन्त्री के घर पर अपनी मर्जी से निगरानी करे। उन्होंने बताया है कि इंस्पैक्टर अमीर सिंह राणा के कहने पर वे निगरानी कर रहे थे। (**इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए**) उपाध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं और मुझ पूरा यकीन है कि इसके पीछे कोई ऊपर का आदमी है। वह बडा औफिसर हो सकता है या कोई पौलिटी ायन हो सकता है इनमें से कोई भी पर्दे के पीछे हो सकता है लेकिन इन दोनों को बलि का बकरा बनाया गया है। मैं यह जानता हूं कि इन दोनों हैड कांस्टेबल्ज की हिम्मत नहीं हो सकती कि एक महेन्द्रगढ से आकर और दूसरा रोहतक से आकर अपने आप वहां निगरानी करें। उपाध्यक्ष महोदय, देहली में हरियाणा भवन से कोई सौ गज पर सिकन्दरा रोड पर नाभा हाउस है। वहां पर सी0आई0डी0 का दफ्तर है जिसमें एक सौ

पचास आदमी काम करते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि यह दफ्तर कब बना ? किसके हुकम से यह दफतर बना ? उस दफ्तर को वहां बनाने की क्या जरूरत थी ? अगर जरूरत थी तो क्या इसके लिए केन्द्रीय सरकार की इजाजत लेने की जरूरत होती है ? अगर जरूरत होती है तो क्या केन्द्रीय सरकार की इजाजत ली गई ? उस दफतर पर आज तक कितना खर्च हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं पूछना चाहता हूं कि वहां इस दफतर का क्या काम है ? वहां पर एक सौ पचास आदमी क्या काम करते हैं और किन लोगों की निगरानी करते हैं ? उपाध्यक्ष महोदय, मोटे तौर पर तो यह समझा जा सकता है कि विरोधी दल के लोगों की निगरानी तो जरूरत करते होंगे। आज के जनसत्ता में छपा है कि ये लोग वी0पी0 सिंह की निगरानी करते थे और इस वक्त जो प्रधान मंत्री हैं, उनका हरियाणा में भौंडसी में फार्म है, उनकी भी निगरानी करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे तो भाक है, कि कहीं हमारे मुख्य मंत्री की भी सी0आई0डी0 तो नहीं कर रहे हैं .....

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): मेरी तो सारी जिन्दगी सी0आई0डी0 होती रही है।

श्री सूरजभानः पहले की जिन्दगी से हमें कोई वास्ता नहीं है। हमें तो अब की स्थिति से वास्ता है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा भवन सी0आई0डी0 का अडडा बना हुआ है। जैसा कि अखबार में छपा है वहां कुछ खास खास कमरों में कुछ यन्त्र रखे हुए हैं और कुछ औफीसर्ज के नाम भी दिए हैं। डिप्टी स्पीकर

साहब, उन कमरों की जब सफाई होती है तो वहां तैनात अफसर अपने सामने सफाई करवाते हैं ताकि वहां के जो यंत्र हैं, वे किसी के नोटिस में न आ जाएं। यह बहुत ही अलोकतांत्रिक और अनैतिक बात है कि हरियाणा भवन और दिल्ली में दूसरी जगहों पर ऐसा हो रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमें टेलीफोन दिये गये हैं पर हमें बिल्कुल नहीं पता कि हमारे टेलीफोन टेप हो रहे हैं कि नहीं ? मुख्य मंत्री जी यह बताएं कि हरियाणा के अन्दर किस किस के टेलीफोन टेप हो रहे हैं ? जो होना नहीं चाहिये, वह हो रहा है। फिर कल मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि सी0आई0डी0 का विभाग हमारे पास है लेकिन हमने किसी को कोई हुकम नहीं दिया था कि राजीव गांधी जी पर निगरानी की जाये। इसका मतलब तो यह हुआ कि यह एक अन कांस्टीटयू ानल अथौरिटी ही है जो अपने लैवल पर हुकम देकर यह सब कुछ करवा रही है। मैंने कल भी कहा था और आज भी कह रहा हूं कि प्रोफेसर सम्पत सिंह जी बडे ही ऐफी ाीऐन्ट मिनिस्टर हैं। पता नहीं वे दिल्ली और दिल्ली से बाहर के प्रदे ाों में भी सी0आई0डी0 करवाते होंगे। क्या वे इसको ओन करते हैं कि मैंने उनको भेजा था ? अगर वे ओन करते हैं तो उन्हें रिजाइन कर देना चाहिये। अगर वे ओन नहीं कर रहे हैं और जैसा कि अखबारों में छपा है कि चौधरी भजन लाल यह सब कुछ करवा रहे हैं तो मैं यह कह सकता हूं कि फिर वे मोस्ट इन ऐफी ाीऐन्ट हैं और फिर भी उन्हें रिजाइन कर देना चाहिये। उनको यहां बैठने का कोई अधिकार नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, केवल मन गढन्त बातें इन सभी को

कवर अप करने के लिये यहां पर कही जा रही हैं कि वे अफसर छुटटी पर थे लेकिन छुटटी पर रहते हुए वे यह काम कैसे कर सकते हैं ? (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, इस समय सै ान चल रहा है और अगर कोई जरूरी इंफर्मे ान सरकार ने कहीं बाहर भेजनी हो तो उस बारे में पहले हाउस को पूरी जानकारी देनी चाहिये लेकिन सरकार ने बिना इस हाउस को इन्फार्म किये सैन्ट्रल सरकार को सूचना भेज दी जिस बारे में हमें तो अखबारों से जानकारी मिली। अध्यक्ष महोदय, मैं यह मानता हूं कि सूचना देने से सरकार इन्कार नहीं कर सकती। मेरा तो केवल इतना ही कहना है कि अगर इन्होंने कोई जरूरी सूचना बाहर भेजी थी तो कम से कम परसों हाउस में बता देते तो हाउस में इतना हंगामा न होता परन्तु इन्होंने ऐसा न करके हाउस को गुमराह किया है। यह हाउस की कनटैम्ट है कि हाउस को बताये बगैर इंफर्मे ान बाहर भेजी गयी है। मैं यह कहना चाहता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री महोदय व गृह मंत्री महोदय इस बात का साफ साफ उत्तर दें कि इस तरह क्यों किया गया है ? इस हाउस की एक स्पै ाल कमेटी गठित की जाये और उस कमेटी का अध्यक्ष विपक्ष की आरे से हो जो इस बात का न्याय करे ताकि दूध का दूध और पानी का पानी अलग हो जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि जो मुददे मैंने उठाये हैं, मुख्य मंत्री उनका जवाब दे और हकीकत का पता लगाएं कि किन कारणों से ऐसा हुआ जिसकी वजह से आज सारा हिन्दुस्तान हिल गया है। इसकी सारी

जिम्मेवारी हरियाणा सरकार की है। इस सारी बात की जांच हो और जो सच्चाई हो, वह यहां सदन के सामने लाई जाए।

श्री बनारसी दास गुप्ता (भिवानी): उपाध्यक्ष महोदय, अभी अभी अध्यक्ष महोदय ने हमारा प्रस्ताव स्वीकार करते हुए एक घंटे का समय हमें बोलने के लिए अलाट किया है। हम कोि ा ा करेंगे कि उस एक घंटे के अन्दर अन्दर सभी अपनी अपनी बात समाप्त कर लें, चाहे हम दो सदस्य बोलें, तीन बोलें या चार बोले। मैं यह प्रार्थना करना चाहता हूं जैसे अभी चौधरी सूरज भान जी ने बताया कि हरियाणा पुलिस और हरियाणा सी0आई0डी0 की दिल्ली के अन्दर कोई जुरिसडिक ान नहीं है लेकिन वहां जासूसी की जाती है। उसका सबसे बडा प्रमाण अब यह पकडा गया है। अगर ये दो सिपाही गिरफतार न होते तो भाायद इस जासूसी कांड का भंडा फोउ न होता। जासूसी भी की है तो एक बहुत उच्च कोटि के राजनीतिज्ञ के घर पर, चाहे वह किसी भी पार्टी से संबंध रखता है। स्वयं चौधरी देवी लाल जी का दो दिन पहले वक्तव्य आया था कि इस प्रकार की जासूसी अनैतिक और अलोकतांन्त्रिक है और किसी के यहां भी ऐसी जासूसी नहीं होनी चाहिए। चौधरी देवी लाल इसको कंडैम करते हैं और मुख्य मंत्री जी ने भी कल सदन में यह कहा कि सी0आई0डी0 का विभाग मेरे पास है और मैंने कोई ऐसा आर्डर नहीं दिया।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस सरकार से यह जानना चाहता हूं कि आदे ा किसका चलता है ? किसके आदे ा से वह दोनौं कांस्टेबल वहां गए ? यह हो नहीं सकता कि सरकार के आदे ा के बिना कोई कांस्टेबल या हैड कांस्टेबल वहां पर जाए। सारा दे ा उसको कंडैम करता है, सारी पार्टियों के नेता कंडैम करते हैं। उनको श्री राजीव गांधी की कोठी पर जाने के आदे ा जरूर किसी उच्च अधिकारी ने दिए हैं और उच्च अधिकारी को भी किसी पोलिटि ियन की जासूसी करने हेतु ऐसे आदे ा दे ने की क्या जरूरत पडी। इसमें जरूर किसी बडे पोलिटि ियन का हाथ है। यह कौन बताए कि वह पोलिटि ियन कोन है ? यह काम सरकार है और सरकार इस बारे में जांच करे। जंाच करके पता लगाए कि वह पोलिटि ियन कौन हो सकता है जिसके आदे ा से वे दोनों सी0आई0डी0 के कर्मचारी वहां पर गए। वहा चाहे कोई भी व्यक्ति हो, उसको सार्वजनिक रूप से कंडेम किया जाए और सजा दी जाए। उपाध्यक्ष महोदय, यह कोई साधारण बात नहीं है। इस बात से हरियाणा प्रदे ा की सारे दे ा में बदनामी हुई है आप सारे हिन्दुस्तान के समाचार पत्रों को उठा कर देखें, उनके अन्दर हरियाणा प्रदे ा के बारे में क्या चर्चाएं हुई हैं। वैसे तो यह बात ठीक है, जैसा पाप इन्होंने किया था, वैसा फल भुगत लें। इन्होंने जैसा औरों के साथ किया था, वैसा इनके साथ भी हो गया। उपाध्यक्ष महोदय, आज उधर जो भाोर भाराबा सुनाई दे रहा है, यह एक बुझते हुए दिये की तरह है। जैसे बुझता हुआ दिया टिम टिम करता है, उसी तरह से यह सरकार कर रही है। अब इस

सरकार का दिया बुझने वाला है। जैसे मरता हुआ कोई आदमी सम्भाला लेता है उसी तरह से यह सरकार सम्भाला ले रही है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा के अन्दर कितने ही जघन्य कांड हुए, कितने ही पाप हुए, कितने ही हीनियस क्राइम हुए, उनकी आज तक कोई जांच नहीं हुई। अगर जांच हुई तो उनका कोई परिणाम नहीं निकला। कोई रिपोर्ट नहीं आई। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में जितने जघन्य कांड हुए, उनकी जासूसी क्यों नहीं की गई ? गुप्तचर विभाग यहां काम क्यों नहीं करता ? अपनी स्टेट का काम छोड कर वह दिल्ली में सी0आई0डी0 करने के लिए जाए और अनाधिकार चेश्टा करे और उसका कोई एक ान न लिया जाए यह कितनी गलत बात है। मुख्य मंत्री का जवाब एक ऐसा जवाब है जो किसी को कंविन्स नहीं कर सकता। मुख्य मंत्री जी ने स्पश्ट तौर पर इनकार कर दिया। मैं इनसे पूछता हूं कि मुख्य मंत्री जी आप क्या करते हैं, किस लिए यहां बैठे हैं ? सी0आई0डी0 की रिपोर्ट डेली मुख्य मंत्री के पास आती है। मैं भी दो बार मुख्य मंत्री रह चुका हूं इसलिए मुझे पता है। अगर सी0आई0डी0 की रिपोर्ट मुख्य मंत्री के पास नहीं आती तो किसके पास जाती है ? अगर इनके पास सी0आई0डी0 की रिपोर्ट आती है तो अभी तक वह रिपोर्ट इनके पास क्यों नहीं आई ? अगर इनके पास उस बारे में रिपोर्ट आई थी तो इन्होंने उसकी परवाह क्यों नहीं की ? अगर परवाह नहीं की तो इनको यहां बैठने का कोई अधिकार नहीं है। मैं मुख्य मंत्री जी पर कोई व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाना चाहता लेकिन चूंकि ये मुख्य मंत्री हैं इसलिए इनका

यह कर्त्तव्य बन जाता है कि जब प्रदे ा के अन्दर कोई इस प्रकार की गतिविधि होती है तो उसका इनको पता है क्योंकि यह सदन के सामने जवाबदेह हैं। मुख्य मंत्री जी का यह कहना कि मुझे उस बारे में मालूम ही नहीं है, उसके कोई आदे ा दिए गए या नहीं दिए गए बहुत गलत बात है। इसलिए यह सदन इस सरकार से और मुख्य मंत्री से इस्तीफ की मांग करता है। इतने इनएफि िाएंट मुख्य मंत्री को यहां बैठने का कोई अधिकार नहीं है।

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, आप मुख्य मंत्री जी के अधिकार की बात पर न जाएं। आपको बोलने के लिए समय मिला है आप उसी विशय पर बोलें जो इस समय डिस्कस हो रहा है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मैं जानता हूं कि मुझे क्या बोलना चाहिए। आप हमें इस तरह पढा नहीं सकते। (ाोर) हमें पता है कि हम क्या बोलेंगे। क्या नहीं बोलना, वह भी मैं जानता हूं। मेरा अधिकार क्षेत्र क्या है और उसकी क्या मर्यादा है, उसको मैं अच्छी तरह से जानता हूं। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, पढाने वाली बात नहीं है, लेकिन आप जितना भी बोलें, मर्यादा में रह कर ही बोलें। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मैं कोई बात मर्यादा से बाहर जा कर नहीं कह रहा। किसी का इस्तीफा मांगना कोई मर्यादा से बाहर की बात नहीं है। लोक तंत्र में तो प्रधान मंत्री तक का इस्तीफा मांगा जाता है। किसी का इस्तीफा मांगना

मर्यादा भंग नहीं है। आप मुझे मर्यादा मत बताइए। (ाोर) मैं मर्यादा खूब जानता हूं, मैं अपनी मर्यादा से बाहर नहीं जाऊंगा। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, आप मेरी बात तो सुनिए। मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि आपको जो समय मिला है, उसमें अपनी बात जल्दी से जल्दी कहिए। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, इतने जघन्य कांड हों और उसके बाद भी किसी काण्ड की सरकार इन्कवायरी न करवाये और किसी को सजा न दे तो यह कहां का इन्साफ हुआ ? इसके विपरीत दिल्ली में जाकर सी0आई0डी0 करे, यह कोई अच्छी बात नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, (ाोर) मैं यह कह रहा था कि किसी का इस्तीफा मांगना मर्यादा से बाहर की कोई बात नहीं है। चीफ मिनिस्टर से हमारी कोई निजी दु मनी नहीं है। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः आप मेरी बात सुनिए। मैं यह कह रहा हूं कि आप मर्यादा में रह कर ही बोलें। यह एक महान सदन है इसलिए आप सदन को डांटने की कोि ा ा मत करिए। (ाोर) आप बडे आराम से अपनी बात कहिए। आपको बोलने के लिए पूरा समय मिला है। आपको बोलते हुए पहले ही 11 मिनट हो चुके हैं। इसलिए आप इधर उधर की बातों में जाने की बजाये अपनी बात कहिए। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, आप न्याय के आसन पर बैठें हैं। इसलिए इस न्याय की कुर्सी पर बैठते हुए आप मुझ पर यह आरोप मत लगाइए कि मैं सदन को डांट रहा हूं। (ाोर)

प ुपालन राज्य मंत्री (श्री कुलबीर सिंह मलिक): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। उपाध्यक्ष महोदय, जिस ढंग से गुप्ता जी बोल रहे हैं, यह बडे दुख की बात है। यह एक महान सदन है। महान सदन की कुछ परम्पराएं होती हैं। कुछ रूल होते हैं और कुछ अपने ढंग होते हैं। हमारे सी0एम0 साहब ने अपोजी ान को अपनी बात कहने का पूरा समय दिया है और यहां तक कहा है कि मुझे खु ाी होगी अगर मेरा कोई क्रिटिसिजम करता है। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, क्रिटीसिजम हैल्दी होना चाहिए। यह नहीं होना चाहिए कि कोई कानून अपने हाथ में ले ले। (ाोर) अपोजी ान की तरफ जो भाई बैठे हैं, उनमें एक भूतपूर्व मुख्य मंत्री है और दूसरी तरफ कई भूतपूर्व कैबिनेट स्तर के मंत्री भी बैठे हुए हैं। (ाोर) उपाध्यक्ष महोदय, ये आपकी कुर्सी को चैलेंज कर रहे हैं। (ाोर) मैं यह कहना चाहता हूं कि कल भी इन्होंने काफी भाोर किया था लेकिन इनकी जबरदस्ती यहां नहीं चलेगी। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, ये उपाध्यक्ष रह चुके हैं, लेकिन इनको अभी तक यह नहीं पता कि प्वायंट आफ आर्डर क्या होता है। (ाोर)

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः गुप्ता जी, मैं जानता हूं कि प्वायंट आफ आर्डर क्या होता है। मैं सब कुछ जानता हूं। (ाोर) मैं आपको भी पढा सकता हूं। बाकी अब आपको जनता तो पढा ही देगी। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। उपाध्यक्ष महोदय, परसों ही आपका चुनाव हुआ है। विपक्ष के नाते हमने अपना कैण्डीडेट खडा किया था। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः प्वायंट आफ आर्डर में चुनाव कहां से आ गया ? यह कोई प्वायंट औफ आर्डर नहीं है।

11.00 बजे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आप ही बता दीजिए कि प्वायंट आफ आर्डर क्या होता है ? मेहरबानी करके आप हमें डिक्टेट न करें। न तो हम स्टुडैंटस हैं और न ही आप टीचर हैं। हमें डिक्टेट मत कीजिए। (विघ्न एवं भाोर)

श्री उपाध्यक्षः मैं डिक्टेट नहीं कर रहा। मैं तो यह चाह रहा हूं कि हाउस की कार्यवाही बडे आराम से चलनी चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष जी, कार्यवाही आराम से कैसे चलेगी ? हमने परसों माननीय मुख्य मंत्री जी से अपील की थी कि इस मौके पर एक दूसरे के खिलाफ मिथ्या आरोप न लगाए जाएं हम नहीं बोले लेकिन मुख्य मंत्री जी ही स्वयं बोले ओर कहा कि

गुप्ता जी दल बदलू हैं। इन्होंने यह भी कहा कि ये बनारसी दास जी की जय बोला करते थे। (विघ्न एवं भाोर) मैं मुख्य मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि हाउस का कीमती टाईम बरबाद न हो, इसलिए अपने साथियों को टोका टोकी से रोकें। हम में से कोई गलत नहीं बोलेगा। अगर ये इनकी बात नहीं मानते तो फिर ये जानें और हम जानें। (विघ्न एवं भाोर) (**इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए**)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं विनम्र भाब्दों के साथ अपनी बात कह रहा था मगर बीच बीच में इन्ट्रप ान्ज हो रही हैं।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः मैं सारे हाऊस से प्रार्थना करता हूं कि बीच बीच में इन्ट्रप ान्ज न करें, जो आनरेबल मैम्बर बोल रहा है, वे भी इस ढंग से बोलें कि किसी के सम्मान और भावना को कोई चोट न लगे। अपनी बात सोच विचार कर कहें। मैं यह बात एक आदमी के लिए नहीं कह रहा बल्कि सारे हाउस के लिए कह रहा हूं। मैं पिछले 18 मिनट से सुन रहा हूं कि बीच में टोका टोकी हो रही है। मैं एक बार फिर सब की सेवा में कहता हूं कि बीच में टोका टोकी न करें।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अखरने वाली बात तभी होती जब किसी के खिलाफ व्यक्तिगत आरोप लगाए जाते हैं। मैंने किसी भी माननीय मन्त्रीगण या किसी सम्मानित

सदस्य के विरूद्ध कोई आरोप नहीं लगाया। जब मैं बोलने के लिए खडा हुआ तो यहां बैठे बैठे कहा गया कि एक करोड की कोठी खरीद ली। ये भाब्द किसने कहे, एक मंत्री जी ने, जिसके साथ 'मन्त्री' भाब्द लगा है। इस किस्म के आरोप तो ये लोग लगाते हैं और कहा हमें जाता है कि हम ऐसा करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह अर्ज कर रहा था कि यह सरकार इन ऐफि ायेन्ट है और अपना कर्त्तव्य निर्वा करने में सक्षम नहीं हैं। अगर यह सरकार सक्षम होती तो हरियाणा में मेहम जैसे जघन्य काण्ड नहीं हुए होते। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह बात इससे ताल्लुक नहीं रखती। गुप्ता जी, यह एक स्पैसिफिक ई ा है और आप इसी ई ा पर बोलें।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जासूस और गुप्तचर विभाग हरियाणा में तो अपनी डयूटी निभा नहीं सकते और वे दिल्ली में जाकर श्री राजीव गांधी के घर की सी0आई0डी0 करते हैं। यह बात कहां तक मुनासिब है ? फिर यह कहां तक उचित है कि मुख्य मंत्री के पास यह महकमा होते हुए, बिना उसकी इजाजत के ऐसा हो गया हो ? यदि उन्होंने ऐसा कोई आदे ा नहीं दिया तो फिर किसने ऐसा आदे ा दिया ? (विघ्न) सी0आई0डी0 के आदमी वहां पर क्या करने गए ? (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं अगर कोई गलत बात कहूं तो आप मुझे टोक देना और बता देना।

श्री अध्यक्षः मैं तो यह कह रहा हूं कि आप का टाईम खत्म हो रहा है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं कन्कल्यूड ही कर रहा था, अगर यह बीच में भाोर न करते।

श्री अध्यक्षः आप कन्कल्यूड करें।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं अन्त में यही कहना चाहता हूं कि यह सरकार अपना कर्त्तव्य निभाने में समक्ष नहीं है। इसको त्याग पत्र दे देना चाहिए। नहीं तो जैसे कि इस प्रस्ताव के मूवर विपक्ष के नेता चौधरी सूरज भान जी ने जो सुझाव दिया है कि हाउस की एक कमेटी बना दी जाये जो इस सारे मामले की जांच करेगी कि इस जासूसी का काम करने का आदे ा देने वाला इस प्रदे ा में कौन था, वह मान लिया जाए। (व्यवधान व भाोर)

श्री राम बिलास भार्म (महेन्द्रगढ़): अध्यक्ष महोदय, अभी परसों ही मुख्य मंत्री महोदय ने गवर्नर एड्रैस का जवाब देते हुए एक बहुत अच्छी बात कही कि लोक तन्त्र के अन्दर हम स्वस्थ आलोचना का स्वागत करते हैं। अध्यक्ष महोदय, पिछले तीन चार दिनों से सारे दे ा की राजनीति में हरियाणा सरकार की चर्चा है। इसका कारण यह है कि भारत जो दुनिया का सबसे बडा लोकतन्त्र है, इसके प्रधान मंत्री को इस्तीफा देना पडा है। जो लोग संवेदन ाील हैं, जो लोग राजनीति में अपनी जिम्मेवारी महसूस

करते हैं, उनके लिये भाायद इस तरह की घटना एक बहुत बडी दुखद घटना है। इस दे ा की राजनीति में ऐस भी नेता हुए हैं जो अपनी जिम्मेवारी के प्रति काफी संवेदन ाील थे। श्रीमान लाल बहादुर भाास्त्री जी जब रेल मंत्री थी, उनके समय में रेल की एक दुर्घटना हो गयी और विदन इन एन आवर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने यह कहा कि मेरी नालायकी के कारण ऐसा हुआ है। मैं रेलों का संचालन ठीक ढंग से नहीं कर सका। निर्दोश लोगों की जो जानें गयी हैं, उनके लिये सीधी जिम्मेवारी मेरी है। किसी रेलवे के ड्राईवर की या उसके गार्ड की कोई जिम्मेवारी नहीं है। उसकी सीधी जिम्मेवारी मेरी है क्योंकि मैं इस महकमे का सबसे बडा व्यक्ति हूं। तीन आदमी जो सस्पैंड किये गये हैं, वे तो बेचारे कसूरवार ही नहीं थे। किसी अफसर को अपनी नालायकी के कारण कठघरे में खडा कर दो, यह बहुत ही गलत बात है। हम विपक्ष के नेता जब कहीं बोलते हैं तो सी0आई0डी0 वाले कहां होते हैं हम आरोप लगाते हैं इसलिये सी0आई0डी0 वहां पर रहती है। हम पे ााब कहां पर करते हैं, खाना कहां पर खाते हैं, ठहरते कहां पर हैं, ठीक है, इन सब की सरकार को जानकारी होनी चाहिये। स्पीकर साहब, हम दे ाद्रोही नहीं हैं। हम जो कुछ कर हरे हैं। जो कुछ कह रहे हैं, वह इस दे ा और हरियाणा प्रदे ा के हित में ही तो कह रहे हैं। जिन लोगों ने इनको चुनकर भेजा है, उन्हीं लोगों ने हमें भी चुन कर भेजा है। यह बात दूसरी है कि ये लोगों की समस्या को अपनी सरकार के माध्यम से सुलझाते हैं लेकिन हम उनकी समस्याओं को

उजागर करते हैं। हमारे घर जला दिये जायें, हमारे साथ ज्यादती की जाये लेकिन क्या हम कहें भी नहीं ? यह तीन आदमी जो सस्पैंड किये गये हैं, यह तो कसूरवार ही नहीं हैं हमारे मुख्य मंत्री महोदय तो बेचारे इनते भारीफ और भले आदमी हैं कि कल जब उनको यह बताया गया कि दैनिक ट्रिब्यून और दे ा के सारे अखबारों में यह बात छपी हुई है कि सी0आई0डी0 के तीन आदमी सस्पैंड कर दिये गये हैं तो गृह मंत्री महोदय ने मुख्य मंत्री के पास जाकर उनके कान में यह बताया था कि सी0आई0डी0 तो आप के पास है। इसलिये बात मेरे ऊपर नहीं आती, बात आपके ऊपर आती है। .....

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): यह भी कोई बात है ? अध्यक्ष महोदय, यह कैसी बात कर रहे हैं, क्या इनको यह भाोभा देता है ? (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाये।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, यह इतना इम्पौर्टैंट इतना अहम और राजनैतिक मुददा है जिसका सीधा असर हरियाणा पर पडता है। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्ष : आप रैलवैन्ट बोलें।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, अगर आप स्वयं संतुश्ट न हों तो आप मुझे बता दें अन्यथा मुझे बोलने दें।

श्री अध्यक्ष : अगर आप इस तरह से बात करते रहे तो प्वायंट पर आने के बाद आप कहेंगे कि अभी मुझे और बोलने दिया जाए।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, हम प्रजातन्त्र के लिए जीवन का बलिदान भी कर सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : भार्मा साहब, यहां पर जीवन का बलिदान करने की जरूरत नहीं है। आप प्वायंट पर आइए।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा था कि हम उस जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। सदन चला रहा है। तीन कर्मचारी सस्पैंड हो गए। केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट भेज दी गई। आज अखबारों में बस बातों की चर्चा है। कम से कम सरकार को रिपोर्ट भेज दी गई। आज अखबारों में सब बातों की चर्चा है। कम से कम सरकार को अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए। गलती स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है। गलती स्वीकार करने से कोई छोटा नहीं हो जाता। छोटे से परिवार चलाने वालों में से अगर किसी से कोई गलती हो जाती है तो वह आदमी अपनी गलत मान लेता है। गलती को स्वीकार करने वाला बहादुर आदमी होता है। परन्तु गलती करते जाना और उसको न मानना और अगर कोई उस गलती को बताए तो उस पर आरोप लगाते जाना कोई अच्छी बात नहीं है। स्पीकर साहब, कल के समाचार पत्रों ने एक जिम्मेदार प्रैस ने बहुत बडा आर्टिकल छापा

था कि दिल्ली में गुप्तचर विभाग पर लाखों रूपया खर्च हो रहा है। स्पीकर साहब, गुप्तचर विभाग हर सरकार का होता है और यह सी0आई0डी0 करता हैं लेकिन यह नहीं होता कि किसी सिपाही को मरवा दिया जाए किसी छोटे कर्मचारी को सस्पैंड कर दिया जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह घटना बहुत छोटी सी है, लेकिन छोटी से घटना हरियाणा के मौजूदा प्र ाासन पर एक बहुत बडा दाग लगा गई है। पिछले डेढ साल से जो चल रहा था, उससे हरियाणा का कीर्तिमान गिरा है। लोगों का कत्ल हो रहा है। उसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं हैं। मेहम में आठ लोग मारे गए, उसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। अमीर सिंह मारा जाए, उसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। दूसरे और लोग मारे जाएं, किसी की कोई जिम्मेदारी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, उस समय जो गृह मन्त्री थे, उनके खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज है। उस पर कोई ऐक ान नहीं। हरियाणा के उस समय के मुख्य मंत्री के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज है लेकिन कोई ऐक ान नहीं हुआ। पुलिस पर हरियाणा में बडा भारी खर्च हो रहा है। हमारी पुलिस में बहुत अच्छे औफिसर्ज हैं, बहुत अच्दे बहादुर सिपाही हैं लेकिन हमारी पुलिस में बडा असंतोश है। स्पीकर साहब, 28 फरवरी को मेहम में गृह मन्त्री का घेराव किया गया। दिलावर सिंह का बयान है कि हम से गलत डयूटी करवाई जाती हैं। स्पीकर साहब, अगर कोई अपनी जिम्मेदारी समझे, तभी उसे गलत और सही बात का पता लगता है। अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रधान मंत्री ने इस जघन्य वारदात के लिए और इसकी

जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते हुए, दे ा की मर्यादा रखते हुए, अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मैं तो कहता हूं कि इनको भी अपना कसूर स्वीकार करना चाहिए। स्पीकर साहब, जब हम इस्तीफा की बात करते हैं, तो इनको बडी तकलीफ होती है लेकिन हम किसी से दबेंगे नहीं।

श्री अध्यक्ष : भार्मा साहब, यहां दबने दबाने की तो कोई बात नहीं है।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि इस कांड की ज्यादा जिम्मेदारी तो सरकार पर है और इस सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। स्पीकर साहब, इससे बडा अपराध हिन्दुस्तान की राजनीति में कोई नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, मैं इतना ही कहकर अपना स्थान लेता हूं।

श्री हीरा नन्द आर्य (लोहारू): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत धन्यवाद। वैसे देखा जाए तो यह गुप्तचरी का काम दिल्ली में बहुत पहले से हो रहा है। केवल हरियाणा ही यह काम नहीं करता बल्कि दूसरे राज्यों के गुप्तचर विभाग भी यह काम करते हैं। बहुत पहले बहुगुणा जी के घर भी कुछ लोग पकडे गए थे। इन्दिरा गांधी के घर भी कुछ लोग पकडे गए थे और इस बारे में अखबारों में भी चर्चा आई थी। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह आज का सबसे ताजा उदाहरण है कि राजीव गांधी के निवास स्थान पर गुप्तचार विभाग के दो आदमियों को देखा

गया। मैं तो यह कहूंगा कि गुप्तचर विभाग का काम केवल हरियाणा तक ही सीमित नहीं रह गया है, मन्त्रियों के साथ जो गनमैंन सी0आई0डी0 के तैनात होते हैं, घरों में वे भी जासूसी का काम करते होंगे। अध्यक्ष महोदय, आपने भी भाायद देखा होगा कि जब गवर्नर महोदय इस सदन में अपना अभिभाशण पढने आये थे, तो ए0डी0सी0 के स्थान पर डी0आई0जी0 (सी0आई0डी0) विराजमान थे। तो मैं यह कह सकता हूं कि यह सदन भी जासूसी से नहीं बचा हुआ है जो कि बहुत ही गंभीर मामला है।

अध्यक्ष महोदय, जब दिल्ली में इस प्रकार का अमला तैयार किया गया, उस वक्त दो तीन कर्मचारी सी0आई0डी0 के पकडे गए, इस बात से मुख्य मंत्री महोदय इन्कार नहीं कर सकते और न ही वे इस बात से बरी हो सकते हैं। वे अपने आपको लोहियावादी कहते हैं, बडे भारी समाजवादी कहलाते हैं। श्री गुलजारी लाल नन्दा, श्री लाल बहादुर भाास्त्री व श्री चन्द्र ोखर जी भी समाजवादी थे, उन्होंने भी नैतिकता के आधार पर अपनी गल्ती को माना था और अपने पद से त्याग पत्र दे दिया था क्योंकि उन्होंने सभी प्रकार की जिम्मेवारी अपने ऊपर ले ली थीं इसी प्रकार से अगर मुख्य मंत्री महोदय को इस सारे कांड की जानकारी नहीं थी तो वे गुनाहगार हैं इसलिए इस सूरत में उन्हें अपने पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। समाजवादी होने के नाते उन्हें अपने आप ही एक मिनट में अपने पद से त्याग पत्र दे देना चाहिए। अगर उनको जानकारी थी और

वे कुछ कर नहीं सके तो वे अयोग्य हैं। इस आधार पर भी उन्हें त्याग पत्र दे देना चाहिये। अगर वे अपने आप त्याग पत्र न दें तो राज्यपाल महोदय को उन्हें बर्खास्त कर देना चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं क्या बताऊं कि सी0आई0डी0 और पुलिस जो है, वह राजनीति का अपराधीकरण करने का एक संगठन बना हुआ है। जो असली अपराधी होता है, उसको पुलिस हाथ नहीं लगाती। मैं आपको मेहम और भिवानी में हुए कत्लों की याद दिलाना चाहता हूं। मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता पर इतना अव य कहूंगा कि जिन बडे लोगों का नाम धारा 302 के तहत कतल के मुकदमों में एफ0आई0आर0 में दर्ज है, उनको आज तक पुलिस ने कुछ नहीं कहा है। वे राज कर रहे हैं। अगर हम उन केसिज में जांच की बात कहते हैं तो सरकार कह देती है कि हां जांच करेंगें। इनको तो तब पता चलेगा जब ये लोग चुनाव के दिनों में लोगों के सामने जाएंगे।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी जिनको हम दे ा व प्रदे ा के नेता मानते हैं, उन्होंने भी कहा कि यह सारा काम चौधरी भजन लाल का ही है। वहीं यह काम करवा रहा है। चौधरी देवी लाल जी की बात तो मुख्य मंत्री महोदय, व गृह मंत्री महोदय मानते होंगे, वे तो गैर जिम्मेवारी की बात नहीं कर सकते। अगर इस बात का भी चौधरी हुकम सिंह जी को पता नीं तो भी उन्हें नैतिकता के आधार पर अपने पद से त्याग पत्र दे देना चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान) मिनट भी उन्हें अपने पद पर नहीं रहना

चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान) भारीफ तो ..... भी होती है जिधर मरजी हांक लो। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह भाब्द रिकार्ड न किया जाए।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं उस बारे में नहीं कह रहा। हमारे मुख्य मंत्री जो बहुत भले आदमी हैं और गऊ जैसे आदमी हैं, इसमें कोई झगडे की बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे प्रार्थना करना चाहूंगा कि हेगडे साहब जब कर्नाटक के मुख्य मंत्री थे, उस वक्त टैलीफोन टेप करने का मामला आया था। वह मामला साबित हुआ या न हुआ लेकिन उन्होंने उसी वक्त इस्तीफा दे दिया था। मैं इनकी एक बात को ध्यान में लाना चाहता हूं कि इनको यहां पर कोई डी0जी0पी0 नहीं मिला और दूसरे प्रदे ा से लाना पडा। इनको अपनी पुलिस और एडमिनिस्ट्रे ान पर इतना अवि वास हो गया है कि हरियाणा सर्विसिज के आदमी को नहीं लगा सके। अगर इनको उन पर इतना अवि वास हो गया है तो उनकी यहां से छुटटी कर देनी चाहिए। यह प्रजातन्त्र में एक बहुत जघन्य अपराध है। जिस किसी ने भी ऐसा किया है उसकी जिम्मेदारी या मुख्यमंत्री की है या गृह मन्त्री की है। इसलिए मैं इनसे कहूंगा कि ये चुपचाप चले जाएं तो इसी में इनका भला है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार के इस भार्मनाक कार्य का तीन दिन से

दे ा में भाोर मचा हुआ है और हरियाणा विधान सभा में भी पिछले दो दिन से इतना क्षोभ और आक्रो ा है कि कोई कार्यवाही संभव नहीं हो सकी, इस भार्मनामक कार्य के कारण। अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना यह है कि मैं कल लगभग सारा दिन ही सदन में उपस्थित था लेकिन मेरे जाने के कुछ देर बाद एक आरोप मेरे ऊपर लगाया गया। सत्ता पक्ष की एक सुनियोजित साजि ा है कि विपक्ष के एक एक आदमी के खिलाफ आरोप लगाये जायें। राम बिलास भार्मा जी के खिलाफ आरोप लगाये गये। विपक्ष के नेता चौधरी सूरज भान जी के खिलाफ आरोप लगाये गये। इसी प्रकार से चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी के खिलाफ भी आरोप लगाये गये।

मैं अपनी बात पर ही आ रहा हूं। मैं यह कहता हूं कि मेरे बारे में जो कुछ इन्होंने कहा है, यह बिल्कुल निराधार है, गलत है, और बेबुनियाद है कि किसी व्यक्ति से पैसे लेकर मैंने लाईसैंस दिया ही। दूसरी बात मैं एक और कहना चाहता हूं। मैं इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि वे एक इंक्वायरी कमी ान बिठा दें। जब से यह सरकार बनी है तब से लेकर आज तक के सारे कालोनाईजे ान के और सारे हुडडा के मामले की वह थोरो इंक्वायरी करे। उसमें जो जो भी दोशी पाया जाये, उसके खिलाफ आप कार्यवाही करें। मैं इस बात का चैलेंज स्वीकार करता हूं। दूसरी बात मैं एक और कहता हूं। मुख्य मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं इनका चुनाव घोशणा पत्र जो है, उसके

अनुसार ये लोकायुक्त द्वारा जांच की घोशणा कर दें। मेरे मामले भी और दूसरे सारे मामले भी सारे इसके सुपुर्द कर दें और यह देखें कि इस हमाम में कौन कौन नंगे हैं। इस किस्म के झूठे और निराधार आरोप लगा कर यह हमारी जुबान को बन्द करना चाहते हैं। यह जांच की घोशणा कर दें। लोकायुक्त नियुक्त कर दें। इसके अन्दर सारे मामले वीरेन्द्र सिंह जी का मामला सूरजभान जी का मामला भी और सारे मामले लोकायुक्त को सुपुर्द करें और देखें कि कौन कितने पानी में है। यह सारा पता लग जायेगा। (व्यवधान व भाोर)

अभी गुप्ता जी ने अपनी स्थिति स्पश्ट करने की कोि ा ा की है या तो कहते कि मैंने वह लाईसैंस नहीं दिया या फिर अपनी इस बारे में स्थिति स्पश्ट करते, लेकिन इस तरह से इन्होंने नहीं किया। आज भी वह ऐलीगे ान स्टैण्ड करता है जिसको हम सही मानते हैं। जैसे इन्होंने स्थिति स्पश्ट की है, उससे कुछ स्पश्ट नहीं हो पाया है। (व्यवधान व भाोर) फरीदाबाद डिस्ट्रिक्ट में किसी कालोनी के वि ोश आदमी को इन्होंने 450 एकड जमीन के लाईसैंस की रिन्युअल दी। ये खुद कहें कि मैंने रिन्युअल नहीं दी। स्पीकर साहब, इंक्वायरी की कोई जरूरत नहीं है। ये एक दफा अपनी जबान से कहें कि मैंने रिन्यूअल नहीं दी। (ाोर एवं व्यवधान)

यह सारा केस फाइल पर मौजूद है। अध्यक्ष महोदय, जिसको भी लाईसैंस दिया गया है वह सारा मामला फाइल पर

मौजूद है। सारा रिकार्ड इनके पास है। ये खुद इसकी इंक्वायरी कर लें और इंक्वायरी करने के बाद ये खुद बता दें। (ाोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, मैं कल कह रहा था कि सरकार इस बारे में स्पश्टीकरण दे। मैंने यह कहा था कि अनंगपुर गांव में एक व्यक्ति जिसका नाम आर0 कान्त है को, मुझे पता नहीं कि उस व्यक्ति का गुप्ता जी सरकार से क्या संबंध रहा था, 400 एकड जमीन पर कब्जा कराया था। उपाध्यक्ष महोदय, एक नम्बर पर कहा गया कि हरियाणा में श्री जैन द्वारा प्रस्तावित मनोरंजन पार्क की लागत लगभग 100—150 करोड रूपए की होगी। यह पार्क वि व विख्यात डिजनी लैंउ अमरीका की तरह का होगा। (विघ्न) आप एक मिनट सुनने की कृपा करें आपकी पार्टी भी इसमें आएगी। मैं रिकार्ड की बात बता रहा हूं आप सुनने की कृपा करें। यह सीरियस मैटर है, चौधरी बंसी लाल जी ने डिनाई किया है। फिर सी में कहते हैं कि इस तरह के प्रोजेक्ट के लिए 500 एकड जमीन देने के लिए यू0पी0 सरकार से अनुरोध किया गया था और यू0पी0 सरकार ने उन्हें इतनी जमीन दिल्ली यू0पी0 बौर्डर के पास रिजर्व भी कर दी है। फिर आगे डी में क्या कहते हैं ? श्री जैन ने इस विशय में भारत सरकार से भी विचार विम र्ा किया है तथा भारत सरकार के पर्यटन सचिव ने इस प्रोजैक्ट को लगाने के लिए सभी सम्भव सहायता देने की इच्छा व्यक्त की है। श्री बनारसी दास जी ने जाने से एक दिन पहले उस कालोनाईजर को लाईसैंस

दिया। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, टर्म्ज एण्ड कंडी ान दो साल की थी लेकिन उनको बदल कर गुप्ता जी ने पांच साल किया जबकि वह केस कोर्ट में है।

मेरा व्यवस्था का प्र न है जिस पर हरेक को बोलने की इजाजत दी जाती है। उन्होंने यह भी स्पश्ट किया कि इस प्रोजैक्ट के लिए विदे ाी सेवा प्राप्त करने के लिए विचार विम र्ा चल रहा है जिसको सम्भवतः भीघ्र ही अन्तिम रूप दे दिया जाएगा। आगे श्री जैन ने यह भी अनुरोध किया कि वे इस प्रोजैक्ट को हरियाणा में फरीदाबाद के निकट लगाना चाहेंगे जिसके लिए उनके पुत्र नरेन्द्र जैन ने एक प्रस्ताव औपचारिक तौर से सचिव पर्यटन को पहले ही भेज दिया है। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हूं कि अगर सारे मामले की जांच करवा दें तो बहुत कलई खुल जाएगी। अगर इन हालात में इलैक ान हुए तो दे ा की आम जनता पर बहुत बोझ पडेगा और दे ा की आर्थिक व्यवस्था गडबडा जाएगी।

श्री महा सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। उपाध्यक्ष महोदय, कुछ समय पहले तो इनके नेता यह कह रहे थे कि दे ा में चुनाव का माहौल नहीं है और अब ये कह रहे हैं कि चुनाव करा लिए जाएं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः मैं यह कह रहा था कि उस समय दे ा में चुनाव का माहौल नहीं था। अगर चुनाव होते तो दे ा की आर्थिक व्यवस्था बिगड जाती (ाोर) पिछले एक डेढ साल का जो समय है, उसमें महंगाई पहले से डेढ गुना बढी है, हमारी सरकार ने ि ाक्षा के मामले में सचमुच में सराहनीय कार्य किया है और कर रही है। इसमें बहुत कानूनी पहलू हैं। मु तरका मालिकान की जमीन पंचायत के नाम से ट्रांसफर करवा दी और वह जमीन पंचायत से आगे बिक गई। क्या हुआ क्या नहीं हुआ इस बात की तह में जाएंगे।

स्पीकर साहब, सदन में इस बात का भी जिक्र आया कि स्कूलों में अध्यापक नहीं हैं। अध्यापकों के पांच हजार पद खाली पडे हैं। मैं हाउस को वि वास दिलाता हूं कि हम अध्यापकों के खाली पडे पदों को बहुत जल्दी भरेंगे। जिस स्कूल में भी टीचर्ज की कमी है उस कमी को पूरा कर देंगे। एक बात स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में कही गई। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार जाते जाते एक बडी भारी गलत बात कर गई। बजट में पैसा नहीं है। बहुत मामूली पैसा है। उस सरकार ने वोट लेने के लिए स्कूल अपग्रेड कर दिए। पिछली सरकार ने जाते जाते 350 स्कूल अपग्रेड करने के आर्डर कर दिए। वह आर्डर हमें आकर रदद करने पडे। उस सरकार ने यह नहीं देखा कि बिल्डिंग है या नहीं है। जब कोई स्कूल अपग्रेड किया जाता है तो वह नौर्म्ज के मुताबिक अपग्रेड किया जाता है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि इन स्कूलों को

अपग्रेड करके इन्हें सीनियर सैकेण्डरी स्कूल बनाया जाए। इसके साथ साथ मैं टैक्नीकल ि ाक्षा के बारे में कुछ बातें कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने भी नौर्म्ज के मुताबिक ही स्कूल अपग्रेड किए थे और वह आर्डर लागू भी हो गए थे। मैं इस सरकार से कहता हूं कि पिछली सरकार ने जो कोई स्कीम बनाई उसको मिटाओ नहीं। आपने तो आते ही मलियामेट कर दिया। आपने पिछली सरकार की स्कीमों के बारे में यह फैसला कर लिया है कि उन सभी स्कीमों को मिटा दो। मैं जानना चाहता हूं कि जो इंजीनियरिंग कालेज गुडगांव में खुलना था उसे कब तक खोलने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इनके पद पर रहते हुए सही जांच की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। इसलिए मेरा सरकार को फिर सुझाव है कि वह अपने दायित्व को समझते हुए त्याग पत्र दे। इतनी बात कहते हुए अध्यक्ष महोदय, मैं अपना स्थान लेता हूं।

कामरेड हरपाल सिंह (टोहाना): स्पीकर साहब, इस महत्वपूर्ण सवाल पर कल से जोरों से चर्चा चल रही है। स्पीकर साहब, हिन्दुस्तान की आजादी के बाद और चुनावों के बाद कुछ परम्पराएं खडी की गई हैं, चाहे वे विधान सभाओं में खडी की गई हों या पार्लियामैंट में खडी की गई हैं, चाहे न्यायपालिका साईड में या कार्यपालिका साईड में खडी की हों मेरे कहने का मतलब यह है कि हर क्षेत्र में अच्छी अच्छी परम्पराएं खडी की गई हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा कृशि उद्योग निगम तथा हैफेड द्वारा

बनाई गई आईसोप्रोटूरान खरपतवार ना ाक दवाई किसानों को प्राथमिक कृशि सहकारी समितियों (मिनी बैंकों) हरियाणा भूमि सुधार निगम, हरियाणा बीज विकास निगम, हरियाणा कृशि उद्योग निगम और सहकारी विपणन समितियों के द्वारा अनुदान पर बेची गई। कुल 900 मी0 टन आईसोप्रोटूरान संस्थागत समितियों व खुले बाजार के माध्यम से वितरित की गई। इस प्रकार इस वर्श खरपतवार ना ाक दवाई की कोई कमी नहीं आई।

बनाई गई खरपतवार ना ाक दवाई की गुणवता को बनाये रखने के लिये हरियाणा कृशि उद्योग निगम ने 690 नमूने और हैफेड ने 430 नमूने लेकर अपनी प्रयोग ााला में इनको वि लेशण किया। कृशि विभाग ने भी हरियाणा कृशि उद्योग निगम व हैफेड की फैक्ट्रीयों से 28 नमूने (हरियाणा कृशि उद्योग निगम से 15 व हैफेड से 13) लिये। इन दोनो संस्थाओं के सभी नमूने सही पाये गये। इसके अतिरिक्त कृशि विभाग ने एक अभियान चलाकर 122 नमूने सहकारी समितियों व प्राईवेट ट्रेड के द्वारा भण्डारण की गई खरपतवार ना ाक दवाई में से लिये गये। हैफैड और हरियाणा कृशि उद्योग निगम की फैक्ट्रीयों से लिये गये सभी नमूने सही पाये गये, केवल प्राईवेट ट्रेड के 6 नमूने निम्न स्तर के पाये गये। दोशी पाई गई सभी पार्टियों के खिलाफ मुकदमें दायर करने की कार्यवाही आरम्भ की जा रही है।

हरियाणा कृशि उद्योग निगम द्वारा बनाई गई खरपतवार ना ाक दवाई की कम क्रिया ीलता के बारे में अम्बाला, करनला,

कुरूक्षेत्र तथा कैथल जिलों के किसानों से केवल 8 ि ाकायतें प्राप्त हुई थी। इन ि ाकायतों को कृशि विभाग और हरियाणा कृशि उद्योग निगम के अधिकारियों द्वारा मौके पर देखे जाने पर पाया कि खरपतवार ना ाक दवाई की क्रिया ीलता गुणवत्ता की कमी से नहीं, बल्कि इस खरपतवार ना ाक दवाई की तकनीकी ढंग से प्रयोग न करने के कारण हैं कुछ केसों में खरपतरवार ना ाक दवाई को कम मात्रा में डाला गया व कुछ केसों में खरपतवार ना ाक दवाई को सूखे खेतों में प्रयोग किया गया व कुछ खेतों में धान की पराली को जलाये जाने के बाद इस्तेमाल किया गया।

अतः यह सही नहीं है कि खरपतवार का सही ढंग से नियन्त्रण नहीं हुआ है, और इसका गेहूं की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। मैं इस महान सदन को यह वि वास दिलाना चाहता हूं कि सरकार के प्रयत्नों से सभी जरूरी कृशि सामग्री जैसे उन्नत किस्म के बीज, उर्वरक, खरपतवार ना ाक दवाई व बिजली व नहर के पानी की समय पर आपूर्ति किये जाने से इस वर्श हरियाणा के किसानों द्वारा गेहूं की रिकार्ड उपज लेने की सम्भावना है। यही कारण है कि वे दवाओं का सही उपयोग नहीं कर पाते। मैं आदरणीय मन्त्री जी से आपके द्वारा यह जानना चाहूंगा कि क्या सरकार इस ओर तवज्जो दे रही है और किसानों को कोई ट्रेनिंग वगैरा दी जा रही है जिससे कि इस प्रकार की समस्या पैदा न हो और किसानों को दवाई की सही जानकारी

मिल सके और वे उसकी तकनीक भी जान सकें कि किस समय किस दवाई का उपयोग किया जाना चाहिए ? जब भी कोई नमूना फेल पाया जाता है तो प्रोसिक्यू ान की इजाजत ली जाती है और हम इजाजत देते हैं फील्ड अफसरों को कि केस प्रोसिक्यूट करें। जिन लोगों के नमूने फेल हुए हैं उनमें से कुछ के खिलाफ कार्यवाही की गई है और कुछ के विरूद्ध कार्यवाही हो जाएगी। किसी को छोडा नहीं जाएगा। स्पीकर साहब, यह बडे अफसोस की बात है कि इस प्रकार की घटनाएं हरियाणा प्रदे ा में हो रही हैं। पिछले 3 दिन से सी0आई0डी0 के मामले को लेकर विपक्ष काफी भाोर मचा रहा है। पता नहीं कब से किन किन लोगों की सी0आई0डी0 करवाई जा रही होगी ? (विघ्न) हमारे वित्त मंत्री महोदय ने जो कर रहित बजट पे ा किया है उसके लिए मैं इन्हें मुबारकवाद देता हूं। हमारी सरकार ने जो काम किए हैं उसके बारे में हाउस के सभी साथी अच्छी प्रकार से जानते हैं। कांग्रेस के समय में बिजली की क्या हालत थी और अब क्या हालत है इसका भी सभी को अच्छी तरह से पता है। इस समय किसानों को 24 घंटे बिजली मिल रही है। सरकार की जो सही बात है उसे सभी को मान लेना चाहिए। अगर किसी बात पर कोई कमी सरकार की तरफ से रह गई है तो उसे भी सरकार ठीक करने के लिए तैयार है। बिजली के मामले में आज हमारे गांवों की हालत पहले की अपेक्षा बहुत अधिक अच्छी है। अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय नेता चौधरी देवी लाल जी ने कर्जा माफी करने की घोशणा करके एक मिसाल सारे हिन्दुस्तान में कायम की और 266

करोड रूपये के कर्जे करीब 10.50 लाख लोगों के माफ हुए। इसी तरह से हमारी सरकार ने लोगों को बुढापा पैं ान देना भुरू किया है और किसानों की जिन्सों के भाव पहले से अधिक दिए हैं। हरिजन महिलाओं को पहला और दूसरा बच्चा होने पर 300 रूपये की सहायता दी जाती है। इसी प्रकार से हरिजन चौपालें हर गांव में बनाई जा रही हैं और लडकों के स्कूलों के लिये डबल मैचिंग ग्रान्ट और लडकियों के स्कूलों के लिये तीन गुणा मैंचिंग ग्रान्ट सरकार की तरफ से दी जाती है। इसी प्रकार से सरकार इस बात के लिये भी प्र ांसा की पात्र है कि ओला वृश्टि से हुए नुकसान का मुआवजा अब किसानों को मिलने लगा है। यह काम आज से पहले किसी सरकार ने भुरू नहीं किया था। इस सारे काम का श्रेय चौधरी देवी लाल जी को जाता है। जो भी काम हुए हैं मैं समझता हूं कि उसका ठीक प्रकार से प्रचार नहीं हुआ और सरकार को जो य ा अपने कामों का मिलना चाहिए था वह नहीं मिल रहा। या तो पब्लिक रिले ान डिपार्टमैंट की तरफ से ठीक प्रचार नहीं हुआ या हमारी आपसी तालमेल की कमी रही है। जिसकी वजह से हमारी सारी स्कीमों की जानकारी आम लोगों तक नहीं पहुंच पाई हैं। हम जो पब्लिक के नुमाइन्दे हैं अगर हम सभी पब्लिक के साथ इन टच रहे तो अच्छा है।

Mr. Speaker: Comrade Sahib, this is not the way. You please take your seat.

कामरेड हरपाल सिंहः यह थोडा समय कल ले लेंगे।

Mr. Speaker: Comrade Sahib, I am very sorry, I would not permit you to speak like this. Please take your seat. I have already called upon Dr. Harnam Singh. He may please proceed.

डा0 हरनाम सिंह (ाहबाद): स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार द्वारा श्री राजीव गांधी की जासूसी का मामला जो नोटिस में आया है, उस मामले में तीन आदमियों को सस्पैंड किया गया है। स्पीकर साहब, मैं इस बारे में अपनी बात कहने के लिए खडा हुआ हूं। मैं पहली बात यह कहना चाहता हूं कि इस प्वायंट पर कोई डिस्प्यूट नहीं है स्पीकर साहब जहां आठ लाख लोगों को पैन ान मिल रही हो, जहां इतने लोगों की संख्या इनवौल्व हो, वहां तो आप खुद जानते हैं कि अगर एक परसैंट भी ऐरर मानेंगे तो उसमें भी कितने आदमी आ जाते हैं लेकिन सरकार बाकायदा हर साल उसकी इन्कवारी करवाती थी और जब ऐसे नामों का सबूत मिल जाता था तो उनका नाम डिलीट भी किया जाता था। ऐसी कोई बात नहीं कि हम कोई नई बात कर रहे हैं, इतने लाखों लोगों में गल्तियां रह जाती हैं। यदि कोई अफसर गलती कर देता था या कोई दूसरा कर्मचारी गलती कर देता था तो नोटिस में आने के बाद गलत आदमी का नाम डिलीट कर देते थे।

सवाल तो नीयत का है, गलती तो हो सकती है। मेरे से भी हो सकती है और आपसे भी हो सकती है। सवात तो यह है कि इनकी नीयत कैसी थी, मरे हुए लोगों की पैन ान लेते रहे

हैं। गलती से तो एक बार कोई दूसरा आदमी ले जा सकता है लेकिन तीन साल लगातार लेते रहे।

यह तो मरे हुए की बात बता कर मैंने एक जगह की मिसाल दी है। इसके अलावा कितने कम उमर के लोग पैन् ान ले रहे हैं और जो सही पात्र हैं उनको मिलती नहीं है। हम भाानदार तरीके से एक सही सिस्टम बनाएंगे जिससे कि पैन् ान के हकदार को ही पैन् ान मिलें। आपने उमर के हिसाब से कहा कि हमने सब को पैन् ान दे दी। तो क्या उनको मिलनी चाहिए ? मेरे कहने का मतलब यह है कि क्या हमको पैन् ान मिलनी चाहिए ? पैन् ान गरीब आदमियों को मिलनी चाहिए जिनके पास साधन नहीं हैं जो जरूरत मन्द हैं और जिनका कोई हीला नहीं है। गरीब आदमी हरिजन हैं, बैकवर्ड हैं और दूसरे भाई छोटे छोटे जमींदार हैं। गरीब आदमी को पैन् ान मिलनी चाहिए। क्या बडे आदमी उस पैन् ान को लेंगे ? हम दोबारा से ऐप्लीके ांज इनवाइट करेंगे और लोगों के घरों पर फार्म पहुंचाएंगे। कोई प्रौबलम नहीं होने देंगे और पिछली की हम जांच करेंगे। जिस अधिकारी ने गलत पैन् ान दी है उसके खिलाफ कार्यवाही करेंगे। गलत पैं ान को काट कर सही आदमी को देंगे। उसकी एक पौलिसी और नौर्म बनाएंगे। जिनको यह मिलनी चाहिये उनको देंगे ताकि आम आदमी और गरीब आदमी की पैन् ान मिल सके।

हाउस के लीडर कह रहे हैं कि हम आर्थिक आधार पर पेन् ान करने जा रहे हैं। स्पीकर साहब, एक आदमी जो 60, 65

या 70 साल का हो चुका है और कहीं अगर ये उसकी पैन् ान को उसके परिवार का आर्थिक आधार करेंगे तो यह उसके साथ ना इन्साफी होगी। (विघ्न) उसकी अपनी इंडिविजुअल इंकम को यदि आधार मानोगे तब तो ठीक है वरना चाहे कोई आई0ए0एस0 क्यों न हो, कोई इंडस्ट्रियलिस्ट क्यों ने हो उसका बाप भी अगर अपने तौर पर ऐलीजीबल है तो उसको पैन् ान देनी चाहिए। स्पीकर साहब, सवाल सम्मान देने का है। आज कल ऐसी फैमिलीज भी हैं जिनके पेरैंटस अलग हैं। तो उन बूढों का इंडिविजुअल आधार मानना चाहिए न कि उसके परिवार वालों का। हम 60 साल की आयु के बुजुर्ग को पैं ान देंगे और उसको तब तक पैं ान देंगे जब तक वह बुजुर्ग जिन्दा रहेगा। हम 100 रूपया महीना देंगे और चौधरी देवी लाल की तरह 10 परसैंट वापिस नहीं लेंगे। क्या ऐसा भी हो सकता है कि कोई सरकार आम आदमी को दी गई पैं ान का 10 परसैंट सरकारी खजाने का पैसा वापिस ले ले ? चौधरी देवी लाल कहते थे कि मैं आपके पास 100 रूपये भेज रहा हूं इसमें से 10 रूपए आप मेरे पास भेज देना। यह बात आपके सामने है कोई गलत बात तो है नहीं। क्या सरकारी खजाने से कोई आदमी इस तरह से पैसा ले सकता है ? कोई आदमी पार्टी का पैसा दे करके तो कह सकता है भाई यह पार्टी का पैसा है पार्टी को वापिस करना है। यदि यह इतना आसान काम होता तो इन्होंने 8 महीने क्यों गुजारे ? हम इसको दोबारा से देखेंगे और हर महीने की 7 तारीख को पैं ान देंगे। जो आदमी पैं ान का हकदार है, पात्र है उसी को देंगे। अगर पिछली पैं ान बकाया

रहती है तो वह भी देंगे लेकिन हम सही तरीके से जांच करेंगे कि जो आदमी पैं ान ले रहा है वह जिन्दा है या नहीं है या 60 साल की आयु का है या नहीं है। यह जांच तो हम करेंगे

अन्त में मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार के मुख्य मंत्री की अयोग्यता सिछ हो गई हैं इसलिए इनको इस सवाल पर इस्तीफा दे देना चाहिए। धन्यवाद।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हिसार में कुछ गुण्डों द्वारा हमारी पार्टी के औफिस पर हमला हुआ है और इस बारे में मैंने कालिंग अटैं ान मो ान का नोटिस दिया था, उसका क्या बना ? (विघ्न)

Mr. Speaker: I have not received it as yet. जब वह मेरे पास आएगी मैं तभी उस पर कोई फैसला दूंगा।

कामरेड हरपाल सिंहः मैंने वह सुबह ही दी है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः हरपाल जी, वह लेबरर्ज से सम्बन्धित है, पार्टी के औफिस पर हमले के बारे में नहीं है। (विघ्न) That is not the case. Do not twist the matter and take your seat please.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, कृपया मेरी बात भी सुन लीजिए।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, क्या आप बजट पर बोलना चाहते हैं ?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी प्रार्थना तो सुनिये। मैंने बजट पर बोलना है या नहीं बोलना है, इसे आप छोडिये। (विघ्न एवं भाोर)

श्री उदय भानः गुप्ता जी, आप बैठिये मैं सारी बात स्पश्ट कर दूंगा।

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरे साथ यह बहुत ज्यादती हैं मेरे खिलाफ पहले भी आरोप लगाए गए थे लेकिन आपने मुझे बोलने का मौका नहीं दिया अब फिर मेरे खिलाफ आरोप लगाए गए हैं लेकिन आप मुझे पर्सनल ऐक्सप्लेने ौन के लिए समय नहीं दे रहे हैं।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, दुख की बात तो यह है कि आप मेरी बात को समझ नहीं रहे। Would you please tell me whether you are speaking on budget or not ?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मैं बजट पर नहीं बोल रहा हूं। (विघ्न एवं भाोर)

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, आप मेरी बात भी तो सुनिये। (विघ्न)

Mr. Speaker: Comrade Sahib,k I would not permit you. It is altogether irrelevant. You please take your seat. (Interruptions).

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, भटटा मजदूरों की स्ट्राईक के बारे में हमने एक कालिंग अटैं ान मो ान दी थी जिसकी वजह से जैसा हरपाल सिंह जी ने कहा है कि सी0पी0एम0 के औफिस पर हमला हुआ है। क्या आप बताएंगे कि हमारे उस ध्यानाकर्शण प्रस्ताव का क्या बना ? (विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Arya Ji, this is not the way. Please take your seat. I would not permit you to speak like this and I cannot run the House in this manner.

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरी एक रिक्वैस्ट है।

Mr. Speaker: There is no question of request. You are addressing me and seeing towards the press gallery. There is only one issue regarding unrest and beating of labourers which is under my consideration. No other issue is pending with me.

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इस बारे में मुझे अभी टेलीग्राम मिला है और मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं।

Mr. Speaker: If you have received a telegram just now, you give a notice. It is most irrelevant to raise a matter like this. Please take your seat.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरे साथ यह बडा भारी अन्याय है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी भी यहां

पर विराजमान हैं। इन लोगों ने जब इल्जाम लगाए हैं तो उसका जवाब भी तो सुनें। (विघ्न)

जन स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्री भागी राम): स्पीकर साहब, इन्होंने भी तो हम पर इल्जाम लगाए हैं।

श्री बनारसी दास गुप्ता: मैंने अगर कोई आरोप लगाया है तो उसका जवाब दें ताकि स्थिति स्पश्ट हो। इनको कौन रोकता है ? (व्यवधान व भाोर) समय देने वाले तो स्पीकर साहब, आप हैं। मैं तो नहीं हूं। मेरी प्रार्थना यह है कि पहले तो यह कोई प्र न ही उत्पन्न नहीं होता कि मैं बजट पर बोलूंगा या नहीं बोलूंगा क्योंकि पर्सनल ऐक्सप्लेने ान के लिए अलग से प्रावधान है। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: I am not going to hear it. I want to say that you can clarify your position in your budget speech and if you have not to speak on the budget then you can clarify it now.

श्री बनारसी दास गुप्ता: क्या यह पाबन्दी है ?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर सर, यह तो चेयर को चैलैंज करने की बात है।

श्री बनारसी दास गुप्ता: स्पीकर साहब, अगर आप मेरे ऊपर पाबन्दी लगाते हैं तो मैं बजट पर नहीं बोलूंगा।

श्री अध्यक्षः यह पाबन्दी तो नहीं है। मेरा मतलब यह था कि अगर आपने बजट पर बोलना है तो you can clarify your position in your speech.

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, बजट पर तो बजट की ही बातें होती हैं। यह सारी बातें नहीं हीती हैं। लेकिन मैं बजट पर नहीं बोलूंगा। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: All right. Please finish it within two minutes. (Interruptions & Noise)

श्री बनारसी दास गुप्ता (भिवानी): स्पीकर साहब, औन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान। मेरी प्रार्थना यह है कि मैं कल लगभग सारा दिन ही सदन में उपस्थित था लेकिन मेरे जाने के कुछ देर बाद एक आरोप मेरे ऊपर लगाया गया। सत्ता पक्ष की एक सुनियोजित साजि ा है कि विपक्ष के एक एक आदमी के खिलाफ आरोप लगाये जायें। राम बिलास भार्मा जी के खिलाफ आरोप लगाये गये। विपक्ष के नेता चौधरी सूरज भान जी के खिलाफ आरोप लगाये गये। इसी प्रकार से चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी के खिलाफ भी आरोप लगाये गये।

Mr. Speaker: This is not the way and I won't permit it. आप केवल अपनी बात करें!

श्री बनारसी दास गुप्ता : स्पीकर साहब, मैं अपनी बात पर ही आ रहा हूं। मैं यह कहता हूं कि मेरे बारे में जो कुछ इन्होंने कहा है, यह बिल्कुल निराधार है, गलत है, और बेबुनियाद

है कि किसी व्यक्ति से पैसे लेकर मैंने लाईसैंस दिया ही। दूसरी बात मैं एक और कहना चाहता हूं। मैं इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि वे एक इंक्वायरी कमी ान बिठा दें। जब से यह सरकार बनी है तब से लेकर आज तक के सारे कालोनाईजे ान के और सारे हुडडा के मामले की वह थोरो इंक्वायरी करे। उसमें जो जो भी दोशी पाया जाये, उसके खिलाफ आप कार्यवाही करें। मैं इस बात का चैलेंज स्वीकार करता हूं। दूसरी बात मैं एक और कहता हूं। मुख्य मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं इनका चुनाव घोशणा पत्र जो है, उसके अनुसार ये लोकायुक्त द्वारा जांच की घोशणा कर दें। मेरे मामले भी और दूसरे सारे मामले भी सारे इसके सुपुर्द कर दें और यह देखें कि इस हमाम में कौन कौन नंगे हैं। इस किस्म के झूठे और निराधार आरोप लगा कर यह हमारी जुबान को बन्द करना चाहते हैं। यह जांच की घोशणा कर दें। लोकायुक्त नियुक्त कर दें। इसके अन्दर सारे मामले वीरेन्द्र सिंह जी का मामला सूरजभान जी का मामला भी और सारे मामले लोकायुक्त को सुपुर्द करें और देखें कि कौन कितने पानी में है। यह सारा पता लग जायेगा। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: Gupta Ji, this is not the way and I won't permit it.

श्री बनारसी दास गुप्ता : स्पीकर साहब, आप इनको सलाह दें कि ये कांच के मकान में बैठकर दूसरों के ऊपर पत्थर न फैंकें।

Mr. Speaker: Gupta Ji, please take your seat. You wanted to explain your position which you have done. (Interruptions).

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह) : स्पीकर साहब, अभी गुप्ता जी ने अपनी स्थिति स्पश्ट करने की कोि ा ा की है या तो कहते कि मैंने वह लाईसैंस नहीं दिया या फिर अपनी इस बारे में स्थिति स्पश्ट करते, लेकिन इस तरह से इन्होंने नहीं किया। आज भी वह ऐलीगे ान स्टैण्ड करता है जिसको हम सही मानते हैं। जैसे इन्होंने स्थिति स्पश्ट की है, उससे कुछ स्पश्ट नहीं हो पाया है। (व्यवधान व भाोर) फरीदाबाद डिस्ट्रिक्ट में किसी कालोनी के वि ोश आदमी को इन्होंने 450 एकड जमीन के लाईसैंस की रिन्युअल दी। ये खुद कहें कि मैंने रिन्युअल नहीं दी। स्पीकर साहब, इंक्वायरी की कोई जरूरत नहीं है। ये एक दफा अपनी जबान से कहें कि मैंने रिन्यूअल नहीं दी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बनारसी दास गुप्ता : स्पीकर साहब, यह सारा केस फाइल पर मौजूद है। अध्यक्ष महोदय, जिसको भी लाईसैंस दिया गया है वह सारा मामला फाइल पर मौजूद है। सारा रिकार्ड इनके पास है। ये खुद इसकी इंक्वायरी कर लें और इंक्वायरी करने के बाद ये खुद बता दें। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हम इनकी जबान से सुनना चाहते हैं कि इन्होंने अस्तीफा देने से एक दिन पहले रिन्युअल दी या नहीं दी ? ये खुद बताएं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बनारसी दास गुप्ता : आप इंक्वायरी करवा लें, सारी स्थिति स्पश्ट हो जाएगी।

श्री अध्यक्ष : अब आप बैठें। अब 1991–92 के बजट पर जनरल डिस्क ान रिज्यूम होगी। कल हाउस ऐडजर्न होने के समय श्री उदयभान जी बोल रहे थे। वे कृपया कंटिन्यू करें।

श्री उदय भान : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद वाली जमीन के बारे में जो कुछ मैंने कहा था मैं उसको दोहराना चाहता हूं क्योंकि जिस समय मैंने यह बात कही थी उस समय आप यहां नहीं थे। (ाोर एवं व्यवधान) (**इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए**) उपाध्यक्ष महोदय, मैं कल कह रहा था कि सरकार इस बारे में स्पश्टीकरण दे। मैंने यह कहा था कि अनंगपुर गांव में एक व्यक्ति जिसका नाम आर0 कान्त है को, मुझे पता नहीं कि उस व्यक्ति का गुप्ता जी सरकार से क्या संबंध रहा था, 400 एकड जमीन पर कब्जा कराया था। उपाध्यक्ष महोदय, एक नम्बर पर कहा गया कि हरियाणा में श्री जैन द्वारा प्रस्तावित मनोरंजन पार्क की लागत लगभग 100–150 करोड रूपए की होगी। यह पार्क वि व विख्यात डिजनी लैंउ अमरीका की तरह का होगा। (विघ्न) आप एक मिनट सुनने की कृपा करें आपकी पार्टी भी इसमें आएगी। मैं रिकार्ड की बात बता रहा हूं आप सुनने की कृपा करें। यह सीरियस मैटर है, चौधरी बंसी लाल जी ने डिनाई किया है। फिर सी में कहते हैं कि इस तरह के प्रोजेक्ट के लिए 500 एकड जमीन देने के लिए यू0पी0 सरकार से अनुरोध किया गया था और

यू0पी0 सरकार ने उन्हें इतनी जमीन दिल्ली यू0पी0 बौर्डर के पास रिजर्व भी कर दी है। फिर आगे डी में क्या कहते हैं ? श्री जैन ने इस विशय में भारत सरकार से भी विचार विम र्ा किया है तथा भारत सरकार के पर्यटन सचिव ने इस प्रोजैक्ट को लगाने के लिए सभी सम्भव सहायता देने की इच्छा व्यक्त की है। श्री बनारसी दास जी ने जाने से एक दिन पहले उस कालोनाईजर को लाईसैंस दिया। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, टर्म्ज एण्ड कंडी ान दो साल की थी लेकिन उनको बदल कर गुप्ता जी ने पांच साल किया जबकि वह केस कोर्ट में है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न है जिस पर हरेक को बोलने की इजाजत दी जाती है। उन्होंने यह भी स्पश्ट किया कि इस प्रोजैक्ट के लिए विदे ाी सेवा प्राप्त करने के लिए विचार विम र्ा चल रहा है जिसको सम्भवतः भीघ्र ही अन्तिम रूप दे दिया जाएगा। आगे श्री जैन ने यह भी अनुरोध किया कि वे इस प्रोजैक्ट को हरियाणा में फरीदाबाद के निकट लगाना चाहेंगे जिसके लिए उनके पुत्र नरेन्द्र जैन ने एक प्रस्ताव औपचारिक तौर से सचिव पर्यटन को पहले ही भेज दिया है। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हूं कि अगर सारे मामले की जांच करवा दें तो बहुत कलई खुल जाएगी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः साहेबान, मैं सबसे यह रिक्वैस्ट करूंगा कि इस हाउस की गरिमा को बनाये रखने के लिए भाान्ति रखें।

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन नाथ): उपाध्यक्ष महोदय, भिवानी के अंदर वै य हाई स्कूल में मास्टर ने पढाते हुए बच्चों से पूछा कि बच्चो बताओ कि गुप्ता काल का अन्त क्यों हुआ था ? इस पत्र में सरकार की सहमति देते हुए कहा गया कि सरकार अव य इस प्रकार के अम्यूजमैंट पार्क बनाने में रूचि लेगी जिसका आपने जिक्र किया है। तो इस प्रकार की इनकी छवित लोगों में है। (ाोर)

श्री उदय भानः उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने ि ाक्षा के मामले में सचमुच में सराहनीय कार्य किया है और कर रही है। इसमें बहुत कानूनी पहलू हैं। मु तरका मालिकान की जमीन पंचायत के नाम से ट्रांसफर करवा दी और वह जमीन पंचायत से आगे बिक गई। क्या हुआ क्या नहीं हुआ इस बात की तह में जाएंगे।

स्पीकर साहब, सदन में इस बात का भी जिक्र आया कि स्कूलों में अध्यापक नहीं हैं। अध्यापकों के पांच हजार पद खाली पडे हैं। मैं हाउस को वि वास दिलाता हूं कि हम अध्यापकों के खाली पडे पदों को बहुत जल्दी भरेंगे। जिस स्कूल में भी टीचर्ज की कमी है उस कमी को पूरा कर देंगे। एक बात स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में कही गई। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार जाते जाते एक बडी भारी गलत बात कर गई। बजट में पैसा नहीं है। बहुत मामूली पैसा है। उस सरकार ने वोट लेने के लिए स्कूल अपग्रेड कर दिए। पिछली सरकार ने जाते जाते 350 स्कूल अपग्रेड

करने के आर्डर कर दिए। वह आर्डर हमें आकर रदद करने पडे। उस सरकार ने यह नहीं देखा कि बिल्डिंग है या नहीं है। जब कोई स्कूल अपग्रेड किया जाता है तो वह नौर्म्ज के मुताबिक अपग्रेड किया जाता है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि इन स्कूलों को अपग्रेड करके इन्हें सीनियर सैकेण्डरी स्कूल बनाया जाए। इसके साथ साथ मैं टैक्नीकल ि ाक्षा के बारे में कुछ बातें कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने भी नौर्म्ज के मुताबिक ही स्कूल अपग्रेड किए थे और वह आर्डर लागू भी हो गए थे। मैं इस सरकार से कहता हूं कि पिछली सरकार ने जो कोई स्कीम बनाई उसको मिटाओ नहीं। आपने तो आते ही मलियामेट कर दिया। आपने पिछली सरकार की स्कीमों के बारे में यह फैसला कर लिया है कि उन सभी स्कीमों को मिटा दो। मैं जानना चाहता हूं कि जो इंजीनियरिंग कालेज गुडगांव में खुलना था उसे कब तक खोलने जा रहे हैं ?

उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट स्पीच में ला एण्ड आर्डर के बारे में पेज 17 पर खास तौर पर कहा गया है। इस बात को हम जरूर देख लेंगे अगर बी0एस0एफ0 को कोई आपत्ति होगी तो हम उसको ठीक कर सकते हैं। और यदि चन्द्र ोखर जी को कोई आपत्ति होगी तो उसको भी ठीक कर सकते हैं। बी0एस0एफ0 को इतने साल में जब कोई रूकावट नहीं आई तो मैं समझता हूं कि आगे भी नहीं आनी चाहिए। अगर फिर भी कोई ऐसी बात है तो उसको दिखा लेंगे।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर कई मुददे उठे। सबसे पहले मैं महम के बारे में जिकर करना चाहता हूं। जिन अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज हैं उनको सस्पैंड किया है। सस्पैंड ही नहीं उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भाुरू की है। चाहे वह भिवानी का इलैक ान कांड है, चाहे वह मेहम का कांड है, जिन अधिकारियों के खिलाफ किसी दफा के तहत केस दर्ज हुआ है, सबके खिलाफ पूरी जांच करके कानूनी कार्यवाही की जायेगी, उन सबके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्यवाही होगी। किसी को माफ करने का कोई सवाल ही नहीं। जहां तक सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की बात है वह तो करेंगे ही लेकिन सियासी आदमियों को यदि छोड देंगे तो यह बात कोई अच्छी बात नहीं होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि किन किन के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज हैं। ये एफ0आई0आर0 हमारे समय की नहीं, इनके समय की हैं। भिवानी में एफ0आई0आर0 दर्ज हुई, डी0आई0जी0 खान के खिलाफ। मुकदमा नं0 147 दिनांक 22—11—89 — 307 आई0पी0सी0। इसमें धर्मवीर के खिलाफ भी है। लाला के खिलाफ भी है। एस0ए0 खान के खिलाफ भी है। (विघ्न) दूसरा मुकदमा नं0 492 है। यह दिनांक 22—11—89 का है। इसमें धर्मवीर है, उसका भाई राजवीर है और डी0आई0जी0 खान है। एक मुकदमा नं0 493 है। दिनांक 22—11—89 का 302 का है। यह धारा 148, 149 का है। इसमें चौधरी बंसी लाल जी और सुरेन्द्र सिंह जी हैं। मुकदमा नं0 108—48 दिनांक 12—11—89। इसमें चौधरी बंसी लाल जी, महेन्द्र सिंह और सुरेन्द्र सिंह जी का

नाम हैं। इसके अलावा मेहम कांड में मुकदमा नं0 75 दिनांक 1–3–90 है धारा 436, 342, 148, 149 और 427 आई0पी0सी0। इसमें दोशी हैं महेन्द्र सिंह लाठर, सम्पत सिंह, जयप्रका ा और श्री सुखदेव राज डी0एस0पी0। जिनके नाम एफ0आई0आर0 में दर्ज हैं। ये एफ0आई0आर0 उस समय की है जब ये गृह मंत्री थे। मेरे टाईम की नहीं है। फिर मुकदमा नं0 76 दिनांक 3–1–90 है जो जेरे दफा 302, 307, 149 और 148 है। इसमें अभय सिंह पुत्र ओम प्रका ा चौटाला, भाम ोर सिंह, डी0आई0जी0, सुखदेव राज डी0एस0पी0। मुकदमा नं0 164 दिनांक 8–7–90 जेरे दफा 302, 307 और 120बी के तहत है। इसमें ओम प्रका ा चौटाला, वाई0एस0नकई, करतार सिंह तोमर, जिले सिंह, बीर सिंह डी0एस0पी0 और ओम प्रका ा इन्सपैक्टर तथा प्रेम सिंह सब इन्सपैक्टर हैं। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों के खिलाफ मुकदमें दर्ज हैं। अध्यक्ष महोदय, हम सरकारी औफिसर को तो एक मिनट में सस्पैंड कर दें और उनके खिलाफ कार्यवाही कर दें और सियासी आदमियों को यदि छोड दें क्योंकि वह सियासी आदमी हैं तो ठीक नहीं है। जहां तक कानून इजाजत देगा हम उनके खिलाफ भी कार्यवाही करेंगे और बदले की भावना से कोई काम नहीं करेंगे लेकिन जो लोग कानून की गिरफत में आएंगे चाहे वह कितना ही बडा व्यक्ति हो उसको माफ करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि 22 तारीख को जो मुकदमा दर्ज हुआ है वहां पर ग्रीन ब्रिगेड वालों की गोलियों से लोग मरे थे और घायल हुए थे। वह भी इन मुकदमों के साथ

भाामिल करने की कृपा करें। उसमें सम्पत सिंह, जयप्रका ा और श्री तोमर भाामिल हैं। पुलिस ने हमारी रिपिटिड रिक्वैस्ट के बाद भी वहां के एस0पी0, श्री तोमर ने इन सबके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने से इंकार कर दिया था और उल्टा मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही है इस बारे में मैंने सुना तो है क्योंकि हिसार मेरा अपना जिला है। वहां पर गोलियां चलने से आदमी मारे गए। उसके बारे में भी हम जरूर दुबारा जांच करवाएंगे और जो भी दोशी होगा उसके खिलाफ पूरी कार्यवाही सरकार करेगी।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर सुप्रिया कांड का भी जिक्र आया है। यह एक ऐसा कांड है जो इंसान का दिल दहलाता है। एक पुत्रवधु की जबकि स्टेट के चीफ मिनिस्टर चौधरी देवी लाल खुद हों और वे मौके पर भी हाजिर हों यदि हत्या हो जाये तो उसके बारे में क्या कहा जा सकता है ? मैं आपको बताता हूं कि जब चौधरी देवी लाल जी अबूब भाहर में काला तीतर में ठहरे हुए थे तो उनको इस घटना की जानकारी दी गई। जहां पर वे ठहरे हुए थे वहीं पर उनको बताया गया कि आपके पोते ने आपकी बहू को मार दिया है तो वहां से चौधरी देवी लाल जी काफी गुस्से में चले और जब वे कार से उतरे तो 20 आदमी मौके पर खडे थे और कहने लगे कि कडै है वह हरामजादा अभय सिंह, उसने हमारी बहू ने मार दियो बोल्यो (जिसने अपनी बहु को मार दिया है)। उस समय उनको पकड कर दूसरे आदमी अन्दर ले गए कि

बाहर आदमी सुन रहे हैं, घर का मामला है, मु कल हो जाएगी इसको पर्दे में रखो। फिर लोग अन्दर गए और जिन लोगों ने वहां देखा उन्होंने कहा कि साहब एक नहीं तीन तीन गोलियां चली हैं। एक गोली भी ी में लगी है दूसरी गोली कुछ उसको लगी और कुछ चारपाई में लगी। तीसरी गोली उसको लगी। फिर कहते हैं कि खुदक ी कर ली। मरने वाला कभी भी 3–3 गोलियां नहीं चला सकता। एक गोली माथे में मारेगा और उसके साथ ही उसका काम पूरा हो जायेगा। वहां पर तीन तीन गोलियां चली हैं और फिर कहते हैं कि पोस्ट मार्टम हमने करवाया है। उसके मां बाप को रात के तीन बजे लाया गया और फिर सुबह 7.00 बजे ही दाह संस्कार कर दिया। उसका पोस्ट मौर्टम कतई नहीं हुआ। मैं उसी के जनदीक इलाके का रहने वाला हूं। मेरी सैकडों रि तेदारी उस इलाके में है। जगदी ा नेहरा जी वहां से आते हैं। एक मेरे भाई लछमन दास अरोडा जी भी वहां के रहने वाले हैं पोस्ट मौर्टम हुआ नहीं। हम इनसे पूछना चाहते हैं कि क्या उस केस में कुछ हुआ। मैं बताना चाहूंगा कि खुदक ी अगर कोई करता है तो उसके खिलाफ भी एफ0आई0आर0 दर्ज की जाती है और जांच की जाती है कि किन हालात में खुदक ी हुई है और इसमें कौन दोशी है। ये उसकी जांच करवाते और बताते कि उसका कोई दोश था या नहीं। जब किसी का दोश नहीं पाया जाता तो एफ0आई0आर0 कैंसिल भी हो सकती है। एफ0आई0आर0 भी दर्ज न करें और पोस्टमौर्टम भी न करें और फिर बूढे मां बाप को बुला करके और उनको डरा धमका करके

अपनी बात मनवा लें। अभय सिंह का ससुर जो 80 साल का है, वह क्या करता ? उसने कहा कि कोई बात नहीं जो परमात्मा की होनी थी वह हो गई। वह देहाती आदमी है उसने कहा कि ठीक है। फिर इन्होंने कहा कि हमारी इज्जत बचाने के लिए अपनी दूसरी बेटी भी दे, नहीं तो लोग कहेंगे कि जरूर मार दी ? दूसरी बेटी के साथ भी इन्होंने रि ता कर लिया। लडकी की मां अभी तक कहती है कि मेरी बेटी पर बडा जुल्म हुआ है। एक आदमी के पास इसका टेप है। मैं दावे के साथ तो इस सदन में नहीं कह सकता। उस आदमी ने मुझे बताया कि उसने इसे टेप करने की कोि ा ा की। अभय सिंह की सास ने कहा कि मैं तो इस घर में डांगर भी कोना बैचूं। यह हमारी मारवाडी भाशा है। इसका मतलब यह है कि मैं तो इसके घर में प ाी भी नहीं बेचूं बेटी देने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। इस घर में तो मेरी बेटी की इस तरह से हत्या हुई है। स्पीकर सर, अगर ये बेईमान नहीं थे या बिल्कुल दूध के धोये थे तो इन्हौंने जांच क्यों नहीं करवाई। इनका फर्ज बनता था कि सी0बी0आई0 से जांच करवाते। इन्हें अहसास होना चाहिए था कि ''मैं प्रदे ा का चीफ मिनिस्टर हूं, कल को लोग मेरे ऊपर उंगली उठाएंगे इसलिए इसकी जांच सी0बी0आई0 से करवाई जाए।'' मेरे खिलाफ लोगों ने मेंमोरेन्डम दिया। मैंने खुद प्रधान मंत्री जी से कहा कि मेरे खिलाफ कमी ान बिठाईये ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए नहीं तो लोग भाोर मचाते रहेंगे। मैंने खुद कह कर कमी ान बिठवाया था और कमी ान ने मुझे निर्दोश ठहराया। अगर इनमें हिम्मत थी तो ये

कमी ान बिठाते तथा इस बात को लोगों में साबित करके दिखाते कि चौधरी देवी लाल बिल्कुल बेकसूर हैं और हम भी मान जाते। कमी ान न बिठाते, सी0बी0आई0 से ही इन्कवायरी करवा लेते फिर भी हम इन्हें निर्दोश मान लेते। इनके खिलाफ करप् ान के और कई दूसरे सीरियस चार्जिज हैं क्या इन्होंने कहा है कि ''मेरे खिलाफ कमी ान बिठाईये।'' अगर आज भी ये कमी ान बिठाना मान लें तो फिर भी हम मान लेंगे कि ये बडे ईमानदार हैं। स्पीकर साहब, हम साबित करके दिखाएंगे इन्होंने अपने 4 साल के भाासन में किस तरह से और किस प्रकार के अन्याय और जुल्म लोगों के साथ किये हैं और किस तरीके से इन्हों ने नाजायज सम्पत्ति बनाई है। सारे प्रदे ा के लोग जानते हैं कि किस तरह का माहौल और किस तरह के हालात इन लोगों ने प्रदे ा में पैदा किये। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ किस तरह से इन के छोटे बेटे जगदी ा ने खेत में रहने वाले एक गरीब आदमी की बीबी के साथ बलात्कार किया। इस बात को सारा दे ा जानता है। अध्यक्ष महोदय, इस समय सारा सदन बैठा हुआ है, जगदी ा के बारे में पता करवा लें कि वह 24 घण्टे भाराब के न ो में रहता है। रात को पीकर सोता है और सवेरे बची हुई बोतल से ना ता करता है। यह बात मैं आप को औन औथ कहता हूं क्योंकि वह मेरे पडौस में रहता है। सवेरे ना ता भाराब से करता है, फिर दोपहर को पी लेता है और भााम से फिर पीना भाुरू हो जाता है। उसने उस गरीब औरत के साथ बलात्कार किया, उनको घर से नहीं निकलने दिया और फिर पुलिस वहां बैठी रही। बडी मु कल से

रात को छुप कर वह वहां से निकला और जगदी ा नेहरा उसको साथ लेकर मेरे पास दिल्ली आए। उस गरीब आदमी ने मुझे बताया कि उसके साथ यह बुरा हाल हुआ है। हम लोग राश्ट्रपति से मिले। राश्ट्रपति जी को हमने पूरा ज्ञापन बना कर भी दिया। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि राश्ट्रपति की कितनी मर्यादा होती है और कहां तक वह किसी मामले में कार्यवाही कर सकते हैं। उन्होंने मामला नीचे गवर्नमैंट को भेजा और गवर्नमैंट ने उठा कर उसे ठण्डे बस्ते में डाल दिया या फाड कर फैंक दिया होगा।

अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिला चौधरी देवी लाल का खुद का जिला है लेकिन सिरसा के कितने ही पत्रकारों के खिलाफ झूठे मुकदमें दर्ज किए गए और अनेक पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया। ये इन लोगों के कारनामें हैं जो कहा करते थे "सारे पत्रकारों ने ही दे ा आजाद करायो है" आज ये कैसी भाशा का इस्तेमाल करते हैं। पत्रकारों का तो सम्मान होना चाहिए लेकिन इन लोगों ने पत्रकारों का यह सम्मान किया कि उनके खिलाफ झूठे मुकदमें बना कर उन्हें जेलों में बन्द किया। गलत जगह ये टकरा गये थे। गुप्ता जी ने कहा कि यह दीया अब नहीं जलेगा। ऐसी बात नहीं है। मैं उनको बतला देना चाहता हूं कि यह दीया सदा जलता रहेगाऔर इसकी ली ओर भी दिन प्रति दिन तेज होती जाएगी। (तालियां)

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस विशय में कुछ कहना चाहूंगा। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से मुख्य मंत्री महोदय से एक बात कहना चाहता हूं और प्रार्थना करूंगा कि वे हरियाणा साहित्य अकादमी को एक सिफारि ा लिख कर भेजें कि जब कभी भी कहानी राइटर्ज को इनाम देना हो तो ..... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गलत कहानी गढने वाली बात रिकार्ड न की जाए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः दूसरी बात मैं उन्हें ये रिक्वैस्ट करूंगा कि वे गृह मंत्री महोदय की तरह इररैलेवैंट न बोलें।

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, कल और आज दो दिनों से बहस चल रही है। हमारे विरोधी दल के साथी बोलैं और उन्होंने कहा कि हरियाणा की सी0आई0डी0 के दो आदमी राजीव गांधी जी घर पर सी0आई0डी0 करते हुए पकडे गए और गुप्ता जी ने सुझाव दिया कि मैं गृह मंत्री की तरह इररैलेवैन्ट न बोलूं। मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि मैं कही भी किसी भी भाान के खिलाफ एक लफज भी नहीं बोलूंगा ओर अगर मैंने किसी की भी भाान के खिलाफ कोई एक लफज भी बोला तो मैं काफी मांगने के लिए तैयार हूं। वे बता दें। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि मैंने गुप्ता जी को दल बदलू कहा है। मैंने गुप्ता जी को कोई दल बदलू नहीं कहा। यह रिकार्ड की बात है। गुप्ता जी ने राम मनोहर

लोहिया जी की बात की, श्री जय प्रका ा नारायण जी की बात भी की और साथ ही समाजवादिता की बात भी कह दी कि अगर मैं उनका अनुयायी रहा हूं तो मुझे त्याग पत्र दे देन चाहिये। मैंने उनके बारे में यह कहा था कि गुप्ता जी कई पार्टियों में रहे। कभी वे कांग्रेस में थे, कभी सो ालिस्ट पार्टी में और अब वे जनता पार्टी में हैं लेकिन मैंने उनको दल बदलू कभी भी नहीं कहा बल्कि गुप्ता जी ने स्वयं इस सरकार के बारे में यह कहा कि इस सरकार के कोई सिद्धान्त नहीं हैं। तभी इन्होंने कांग्रेस पार्टी की स्पोर्ट ली है। स्पीकर साहब, मैंने सब कुछ उनसे ही सीखा है। आज भी मैं उनकी कद्र करता हूं जैसे पहले करता था। अगर मैंने कोई गलती की होगी, उनकी भाान के खिलाफ कोई लफज कहा होगा तो मुझे वह मानने में कोई हर्ज नहीं है। कोई भार्म नहीं है। मैं माफी मांगने के लिए उनके घर तक जाऊंगा। गुप्ता जी सिद्धान्तवाद की बात करते हैं और मैं तो उनके सिखाये हुए सिद्धान्तों की ही बात करता हूं। स्पीकर साहब, कल डिप्टी स्पीकर महोदय का इलैक ान हुआ तो इन भाईयौं ने कांग्रेस पार्टी की स्पोर्ट ली। गुप्ता जी बता दें कि कांग्रेस की स्पोर्ट लेना उनका कौन सा सिद्धान्ता था और अपने आप को सिद्धान्तवादी कहना कहां तक उचित है ? स्पीकर साहब, कल से काफी कुछ गलत बातें मेरे खिलाफ कही गई, हम चुप चाप बैठे सुनते रहे, हमने किसी को कुछ नहीं कहा। मैं इस असैम्बली में बता रहा हूं कि मैंने सारी जिन्दगी गालियां खाई हैं लेकिन भडका नहीं। किसी ने और गालियां देंनी हों तो दे लें। ये कहते हैं कि हम इस्तीफा दे

दें, इस बारे में सारी कहानी होम मिनिस्टर साहब ने बता दी है। (ाोर) स्पीकर साहब, मैंने कल भी सदन में कहा था कि हरियाणा सरकार ने किसी भी आदमी की डियूटी नहीं लगाई और न ही किसी उच्च पुलिस अधिकारी ने लगाई। यह ाडयन्त्र कांग्रेस के लोगों ने रचा ताकि दिल्ली की सरकार टूट जाए। खैर, चन्द्र ोखर जी ने इस्तीफा दे दिया। जब मेरे को इस बात का पता लगा तो मैंने उनसे कहा था कि आप पार्लियामैंट के मैंबरों की एक कमेटी बनाकर जांच करवा लें या सुप्रीम कोर्ट के जज से जांच करवा लें। अगर हमारे खिलाफ कुछ साबित हो गया तो मैं एक मिनट में इस्तीफा दे दूंगा। लेकिन इस्तीफा गुप्ता जी के कहने से नहीं दूंगा। मेरी पार्टी के लीडर कहें तो एक मिनट नहीं लगाऊंगा। (नहीं नहीं की आवाजें) स्पीकर साहब, इस कुर्सी पर अनेक आदमी आए और अनेक चले गए, यह किसी की जागीर नहीं है। और भी बातें मेरे खिलाफ कहीं गई। हीरा नन्द जी ने तो यह कह दिया कि इनको भार्म नहीं और ये भोले हैं। ठीक है, मैं बुरा नहीं मानता। वीरेन्द्र सिंह जी ने, आर्य जी ने, राम विलास जी ने जो कुछ कहा मैं उसका स्वागत करता हूं, इनकी बात का मैं बुरा नहीं मानतेा लेकिन जो महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने कहा है वह बात चुभती हैं मैंने कल यह कहा था कि मेरे खिलाफ अगर कोई व्यक्तिगत आलोचना हो तो जरूर करें मैं उसका स्वागत करूंगा। स्पीकर साहब, जहां तक भार्म की बात है किसी को भार्म थोडी होती है और किसी को ज्यादा। भार्म बराबर नहीं होती। हीरा नन्द आर्य जी की भार्म कम है और मेरी ज्यादा है क्योंकि मैंने एक दिन

में दो तीन दल नहीं बदले। जहां तक सी0आई0डी0 की बात है, मेरे पीछे भी सी0आई0डी0 लगी रहती थी। यह कोई गलत बात नहीं है। मैं तो उनको कहा करता था कि आप लोग मेरे घर आ जाया करें। तो सी0आई0डी0 से क्या तकलीफ है। स्पीकर साहब, गुप्ता जी ने कल कहा कि इस कांड से दे ा हिल गया है, तबाही मच गई है। स्पीकर साहब, बात गुप्ता जी जो कहते हैं, वह ठीक कहते हैं। 1976 में इन्होंने मुझे पकडवा कर जेल में ठोक दिया था। मैं हाऊस में यह बात ईमानदारी के साथ कहता हूं कि गुप्ता जी के आदे ा से मेरे घर में भी दो सिपाही सी0आई0डी0 के बैठे रहते थे। मेरे किसी वर्कर को मेरे घर में नहीं आने दिया जाता था। मेरे किसी मिलने वाले को भी मुझ से मिलने नहीं दिया जाता था। मेरे मजदूरों को मेरे खेत में नहीं जाने दिया जाता था। हमारे एक हरिजन लीडर श्री चन्द्र सिंह थे, वह बेचारे भगवान को प्यारे हो गए। वह मुझे हिसार जेल में मिलने के लिए चले गए। गुप्ता जी ने आदे ा दिया कि उसको पकड कर जेल में ठोक दो, वह वहां क्यों गया। अध्यक्ष महोदय, उसको पकड कर गुप्ता जी के आदे ा से 32 किलो भार की बेडी डाल दी गई। उसका पे ााब बन्द हो गया। मुझे रोना आता है। जब गुप्ता जी दे ा हिलने की बात कहते हैं। स्पीकर साहब, यह ठीक है कि गुप्ता जी फ्रीडम फाइटर रहे हैं। दे ा की आजादी के लिए इन्होंने लडाइयां लडी हैं। स्पीकर साहब हरियाणा का एक भी राजनीतिक आदमी नहीं छोडा था जिसके पीदे इन्होंने सी0आई0डी0 न लगाई हो। सूरज भान जी और वीरेन्द्र सिंह जी इल्जाम लगाएं तो लगाएं लेकिन

गुप्ता जी जैसे आदमी अगर इल्जाम लगाएं, जिन्होंने प्रजातंत्र का गला ही नहीं घोटा बल्कि उसकी हत्या ही कर दी हो, तो ठीक नहीं। इन्होंने अपने समय में हरियाण के अन्दर ऐसा कोई राजनीतिक आदमी नहीं छोडा जिसके पीछे सी0आई0डी0 न लगाई हो। आज कहते हैं कि दे ा हिल गया। उस समय यह यहां पर जमा बैठा था। मैंने प्रधान मंत्री जी को कह दिया कि इस बारे में जांच करवाएं और इस बारे में जांच की रिपोर्ट यदि हमारे खिलाफ जाए तो मैं एक मिनट नहीं लगाऊंगा, अपना इस्तीफा दे दूंगा। श्री राम बिलास भार्मा जी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी बडे भोले हैं, बावले हैं। मुख्य मंत्री जी को तो यह भी पता नहीं है कि उनके पास कौन कौन से महकमे हैं। कोई बात नहीं हम तो बावले हैं, जो सयाने थे वह उधर चले गए, जो इस कुर्सी के भूखे थे। जितने लोग हम बावले थे वह आज इधर बैठे हैं। गुप्ता जी मैंने जो बातें कहीं हैं, अगर वे आपको चुभी हों तो माफ करना। मैंने तो जो सच्चाई थी, वह कही है। कोई गलत बात नहीं कही। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यदि आपकी इजाजत हो तो मैं इनको उन बातों का जवाब दे दूं या बाद में दूं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कोई जरूरत नहीं जवाब देने की। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह तो मेरे साथ ज्यादती है। (ाोर) आप मुझे बाद में टाईम दे देना। मैं इनको सारी बातों का जवाब दे दूंगा। (ाोर)

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, ये बाद में कह लें जो कहना हो। स्पीकर साहब, गुप्ता जी ने हरियाणा के अंदर ऐसा कोई राजनीतिक आदमी नहीं छोडा जिसको जेल में न ठोका हो। मैं यह बात सदन के सामने कहता हूं कि गुप्ता जी ने उस समय जेल में हमारे घर वालों को भी हमसे मिलने तक की इजाजत नहीं दी। आज कहते हैं दे ा हिल गया। इन्होंनें अपने समय में लोगों पर बडे जुल्म ढाये और उनके साथ बडा अत्याचार किया। आज कहते हैं दे ा हिल गया। गुप्ता जी हम तो प्रजातंत्र के रखवाले हैं आपकी तरह हम प्रजातंत्र की हत्या नहीं करते। मैं हाउस को यह वि वास दिलाता हूं कि यदि इस बारे में कोई जांच हुई और उस जांच की रिपोर्ट हमारे खिलाफ गई तो मैं एक मिनट नहीं लगाऊंगा, अपना इस्तीफा उसी वक्त दे दूंगा। आपको कहने की जरूरत नहीं पडेगी कि आप इस्तीफा दो। लेकिन मैं गुप्ता जी के कहने से इस्तीफा नहीं दूंगा। आखिर में मैं यही कहूंगा कि अगर किसी साथी को मेरी कोई बात बुरी लगी हो या चुभी हो तो मैं उसके लिए माफी चाहता हूं।

Mr. Speaker: This item is over. I will now take up next item.

वाक आउटस

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरे बारे में सी0एम0 साहब ने कहा है इसलिए मुझे बोलने का मौका दिया जाये। (ाोर)

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, इन साथियों ने कल भी हाउस को चलने नहीं दिया था और आज भी इनका यही विचार लगता है। इसलिए आप कृपया हाउस के आज के बिजनैस को भाुरू करवायें। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरे खिलाफ सी0एम0 साहब ने आरोप लगाए हैं इसलिए आप मुझे अपनी बात स्पश्ट करने का मौका दें। (ाोर)

Mr. Speaker: Gupta ji, I would not permit you. (Interruptions). I will not permit any body. Please take your seats.

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, यह तो मेरे साथ ज्यादती होगी क्योंकि आप मुझे अपनी बात कहने का मौका नहीं देना चाहते। (ाोर)

Mr. Speaker: Gupta ji, you please take your seat. (Interruptions)

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, जिन बातों का जिकर इन्होंने किया है वह मेरे से ताल्लुक रखती हैं। यदि आप

मुझे अपनी बात स्पश्ट करने का मौका नहीं देते तो वह मेरे साथ ज्यादती होगी। (ाोर)

Mr. Speaker: Everybody should listen please. I am not going to hear anybody in this respect now. (Interruptions). Nothing is to be recorded which is said without my permition.

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, ...

...

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरी आपसे गुजारि ा है अभी मुख्य मंत्री महोदय ने बोलते हुए स्वयं यह कहा है कि अगर बी0डी0 गुप्ता जी इस बारे में अपना जवाब देना चाहें तो बाद में दे सकते हैं। (ाोर)

Mr. Speaker: No, I am not going to hear anybody now. (Interruptions).

श्री वीरेन्द्र सिंह : मेरी आपसे यही रिक्वैस्ट है कि इन्हें बोलने का मौका दिया ही जाना चाहिए। (ाोर)

Mr. Speaker: No further discussion on this matter now. (Interruptions).

Sh. Ram Bilas Sharma: Mr. Speaker, Sir .....

Mr. Speaker: Please take your seat and let me hear Ch. Verender Singh.

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, यदि आप हमें अपनी बात स्पश्ट करने का मौका नहीं देते और बी0डी0 गुप्ता जी को अपनी बात स्पश्ट करने का मौका नहीं देते तो हम विरोध स्वरूप वाक आउट करते हैं।

(इस समय जनता दल के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, सी0आई0डी0 करते हुए जो दो कर्मचारी पकडे गए हैं और जिस पर इतनी देर तक बहस हुई है, उस पर सरकार की ओर से जो जवाब आया है, वह एक झूठी कहानी पर आधारित है। हम इस जवाब से सन्तुश्ट नहीं हैं। (ाोर)

Mr. Speaker: Ch. Mohinder Pratap Ji. This is not the way. (Interrutptions). You please take your seat.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : सरकार की तरफ से सही जवाब नहीं आया है इसलिए हम सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय कांग्रेस (आई) पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

श्री राम विलास भार्माः स्पीकर साहब, आप हमारी बात को भी सुनिए। (ाोर)

Mr. Speaker: Ram Bilas Ji, No further discussion on this subject now. (Interruptions)

श्री राम विलास भार्मा: स्पीकर साहब, मुझे अपनी बात कहने का मौका दें।

Mr. Speaker: Ram Bilas Ji, this is not the way. I will not give you time. Please take your seat.

श्री राम विलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, हम यह कहना चाह रहे हैं कि सरकार ने इस मामले पर जो जवाब दिया है, वह एक झूठी कहानी है। (ाोर) सरकार द्वारा ठीक जवाब न दिए जाने के विरोध में हम सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय भारतीय जनता पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

वक्तव्य–

खाद्य एवं पूर्ति मंत्री द्वारा राज्य में डीजल और पैट्रोल आदि की कमी सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज सर्वश्री रतन लाल कटारिया और हीरा नन्द आर्य एम0एल0एज0 की 4 तारीख को ऐडमिट की गई काल अटैं ान मो ांज नं0 6 और 9 क्रम ाः जो कि राज्य में भाार्टेज आफ डीजल और पैट्रोल के बारे में थी, पर कल दिनांक 6.3.1991 को फूड एण्ड सप्लाई मिनिस्टर ने स्टेटमैंट देनी थी लेकिन हाउस के ऐडजर्न होने की वजह से नहीं दे सके थे। वे अब अपनी स्टेटमैंट दें।

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्री नर सिंह ढांडा): जनवरी, 1991 में खाड़ी युद्ध के फलस्वरूप जनता में अचानक थोडे समय के लिए अवि वास पैदा हो गया था कि कहीं आव यक वस्तुओं का अभाव न उत्पन्न हो जाये। इस सन्देह के कारण कुछ लोगों ने गेहूं, डीजल आदि का भण्डार उनकी सामान्य आव यकताओं से अधिक मात्रा में करना भुरू कर दिया। यह अस्थाई रूप में कुछ अवधि के लिए कमी का कारण बना। फिर भी इस स्थिति पर नियन्त्रण करने के लिए जन वितरण प्रणाली को सुचारू रूप से चलाया गया। जन वितरण प्रणाली के तहत 6532 उचित मूल्य की दुकानें जिसमें से 2087 भाहरी क्षेत्र में तथा 4445 ग्रामीण क्षेत्र में आव यक वस्तुओं को जनता में पहुंचाने हेतू खोली हुई हैं। ये उचित मूल्य की दुकानें चीनी, गेहूं, चावल, खाद्यान्न तेल, मिटटी का तेल नि चत दरों पर बांटती हैं। डीजल तथा पैट्रोल राज्य में स्थित पम्पों द्वारा बांटा जाता है। स्थिति से निपटने के लिए जन वितरण प्रणाली को सुदृढ एवं गति ील बनाया गया। जन वितरण प्रणाली के तहत एवं खुले बाजार में गेहूं की उपलब्धि को सुनि चत किया गया है। राज्य की मासिक सामान्य गेहूं की एलोके ान 10000 टन है, परन्तु मास जनवरी तथा फरवरी 1991 में जन वितरण प्रणाली के तहत 50000 टन गेहूं जारी की गई। इसके अतिरिक्त 30000 टन गेहूं मास मार्च 1991 में जन वितरण प्रणाली के तहत वितरण करने हेतू ऐलोके ान की गई है।

यह सुनि चित करने के लिए गेहूं तथा आटे की कीमतें असामान्य रूप में न बढें, राज्य सरकार ने हरियाणा राज्य से गेहूं तथा आटा बाहर भेजने बारे प्रतिबन्ध लगा दिया है। जमाखोरी को रोकने के लिए थोक तथा खुदरा विक्रेताओं के भण्डारण पर राज्य सरकार ने 250 क्विंटल गेहूं एवं चावल तथा 50 क्विंटल गेहूं एवं चावल की क्रम ाः भण्डार सीमा निर्धारित की है। गेहूं की सप्लाई को बढाने के लिए मास जनवरी तथा फरवरी 1991 में 43000 टन गेहूं राज्य में स्थित फलोर मिल्ज, चक्कीज तथा व्यापारियों को जारी की गई। डीजल तथा पेट्रोल की सप्लाई भी बढाई गईं यद्यपि आरम्भ में भारत सरकार ने हाई स्पीड डीजल पर 20 प्रति ात की कटौती लगाई थी परन्तु तुरन्त ही इस मामले को भारत सरकार से उठाया गया और सप्लाई की पुनः बहाल करा लिया गया। इसके अतिरिक्त 2298 किलो लीटर हाई स्पीड डीजल कृशि क्षेत्र के लिए भारत सरकार से प्राप्त किया गया है। उपरोक्त के अतिरिक्त कृशि, औद्योगिक क्षेत्रों तथा जनता को नियमित तथा बिना बाधा डीजल तथा पैट्रोल की सप्लाई जारी रखने हेतू सामयिक कदम उठाये गए। जिला प्र ाासन को आव यक वस्तुएं अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत जारी भिन्न–2 नियन्त्रण आदे ाों को सख्ती से लागू करने के लिए कडी हिदायतें जारी की गई ताकि आव यक वस्तुओं की उपलब्धि सुगमता से बनी रहे। हिदायतों की उल्लंघना करने वालों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जा रही है।

उपरोक्त उठाए गए कदमों के फलस्वरूप राज्य में डीजल तथा पैट्रोल की कोई कमी नहीं है। अन्य आव यक वस्तुएं भी उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर आसानी से उपलब्ध हो रही हैं।

श्री रतन लाल कटारिया: स्पीकर साहब, माननीय मन्त्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि खाडी युद्ध के कारण कुछ लोगों ने गैर कानूनी तौर पर डीजल और पैट्रोल का भण्डार कर रखा है। मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि पैट्रोल/डीजल के गैर कानूनी भण्डार के लिए क्या किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्यवाही की गई है या किसी ने अगेन्स्ट केस दर्ज किया गया है ? यदि हां, तो कितने लोगों के खिलाफ कार्यवाही की गई या केस दर्ज किए गए हैं ?

श्री नर सिंह ढांडा: अध्यक्ष महोदय, ये सिर्फ डीजल और पैट्रोल की ही बात कर रहे हैं। मैं इनको थोडा सा ब्यौरे से बता देता हूं जिसमें दूसरे खाद्यान्नों के वितरण के बारे में जिक्र है।

श्री अध्यक्ष: आप इन्हें इतना ही बताईये कि कोई केस दर्ज किया है या नीं किया है ?

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, पैट्रोल और डीजल के लिए हरियाणा में लम्बी लम्बी लाईनें लगती हैं। किसानों को ट्रैक्टर तथा टयूबवैल्ज चलाने के लिए डीजल नहीं मिलता। कुछ

स्टाकिस्टस ब्लैक मार्किटिंग करने के लिए गैर कानूनी ढंग से इनका स्टाक करके लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आर्य जी, आप सवाल कीजिए डिटेल मत दीजिए।

श्री हीरा नन्द आर्यः इस स्टाक की वजह से डीजल और पैट्रोल की दिक्कत हो गई है। दूसरी ओर गैर कानूनी तौर पर फोर व्हीलरों और ट्रकों को राजनैतिक जलसौं में इस्तेमाल करके हजारों लिटर पैट्रोल ओर डीजल नश्ट किया जा रहा है।

श्री अध्यक्षः आर्य जी, आपने सवाल पूछा ही नहीं। आपका सवाल कया है ?

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मेरा सवाल यह है कि जलसे करने पर जो हजारों लीटर और पैट्रोल इस्तेमाल किया जा रहा है, ऐसे कामों को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठाने जा रही है ?

श्री नर सिंह ढांडाः अध्यक्ष महोदय, हीरा नन्द आर्य जी ने यह सवाल उठाया है कि तेल की कमी है, इसके लिए क्या स्टैप्स सरकार ने लिये हैं। अध्यक्ष महोदय, जब भी कोई तेल लेने के लिये जाता है, तो उसको यह पता चलता है कि इसके ऊपर कोई पाबन्दी नहीं है। थोडी सी किल्लत जरूर है इसीलिये हमने थोडा सा इसके लिये क्राइटेरिया फिक्स किया हुआ है कि किसान के ट्रैक्टर को कितना डीजल मिलेगा, ट्रक वाले को कितना मिलेगा

और फोर व्हीलर्ज वालों को कितना मिलेगा। इसके लिये कोई रिस्ट्रिक ान नहीं है कि कोई आदमी कितना तेल ले सकता है इसके लिये कोई रूकावट नहीं है, कोई कितना भी तेल ले सकता है।

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मैंने भी एक ध्यानाकश्रण प्रस्ताव आपके सामने रखा था कि गेहुं की सप्लाई में दिक्कत आ रही है और इसी वजह से महंगाई बढ रही है।

श्री राम बिलास भार्माः मेरा भी इसी विशय पर एक प्रस्ताव था, उसका क्या किया है ?

श्री अध्यक्षः आप दोनों के कालिंग अटैं ान मो ान्ज नं0 1 और 19 इसी मो ान के साथ अटैच कर दिये हैं आप भी एक एक सवाल क्लैरिफिके ान लेने के लिए पूछ सकते हैं और मंत्री जी आपको जवाब दे देंगे।

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, पहली तो बात मैं यह कहना चाहता हूं कि इन्हौंने जो यह कहा है कि 50000 टन गेहूं जनवरी और फरवरी मास के लिये दी गयी है, यह ठीक नहीं है। जनवरी के लिये 10000 फरवरी के लिये 20000 और मार्च के लिये 30000 टन गेहूं जारी किया गया है। इतना गेहूं साढे छः हजार उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से यानि जन वितरण प्रणाली के माध्यम से देने के लिये है। दूसरी बात यह है कि हरियाणा की आबादी डेढ करोड की है। जनवरी मास में एक किलो एक महीने

की गेहूं बनती है, फरवरी मास में दो किलो और मार्च के महीने में तीन किलो बनती है। यह इनकी सप्लाई की पोजी ान है, अगर इनकी सप्लाई की पोजी ान ठीक थी तो मसला अपने आप हल हो जाना चाहिये था लेकिन 5 रूपये किलो आटा बिका है। क्या 5 रूपये किलो आटा लेने वाले लोग पागल हैं या कोई और कारण हैं ? यह बात हरियाणा सरकार बता दे। क्या इनके आटे में जहर है जो लोग 5 रूपये किलो वाला आटा खाते हैं।

श्री नर सिंह ढांडा: स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को यह जानकारी देना चाहता हूं कि लोग कोई पागल नहीं हैं जिनहोंने हमको और तुमकों यहां पर चुनकर भेजा है। जहां तक गेहूं की एलोके ान की बात है, मैं महकमे की तरफ से यह बताना चाहता हूं कि पिछले सारे साल में 2770 टन गेहूं की एलोके ान हुई है लेकिन हमारे लिये अब तीन महीनों के अन्दर ही 80000 टन गेहूं की एलोके ान हो चुकी है।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि हमारा हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। परन्तु आज गांव के अन्दर रा ान का गेहूं मिलता नहीं है। जगह जगह से ि ाकायतें आ रही हैं। क्या मंत्री महोदय फूड एंड सप्लाई विभाग को टोन अप करेंगे ? खास तौर पर रिवाडी, महेन्द्रगढ और गुडगांव जिलों की ि ाकायतें हैं। इस बारे में क्या मंत्री महोदय कुछ करैंगे ?

श्री नर सिंह ढांडा: स्पीकर साहब, जहां का यह जिक्र करते हैं, मैंने खुद वहां का दौरा किया है और वहां पर खुद डिपो होल्डर से बात की है। वहां पर उस समय यह पता चला था कि डिपो होल्डर कनक नहीं उठा रहा है। (विघ्न) यह पैंतावास की बात है। मैंने वहां पर खुद दौरा किया है और लोगों से पूछा है कि आप कनक क्यों नहीं ले रहे हो? यह दिसम्बर के महीने की बात है। उस समय बाजरे का भाव 220 रूपये बोरी का था और पी0डी0एस0 की गेहूं का भाव 250 रूपये था। उस वक्त उन्होंने लेने से इन्कार कर दिया। उसके बाद जनवरी में उन लोगों ने सौ बौरी कनक की मांग की। मैंने पूछा कि अब क्या बात है ? तो वे कहने लगे कि अब बाजार में बाजरे का भाव 280 रूपए पहुंच गया है। लेकिन पी0डी0एस0 के गेहुं का भाव 2650 रूपए है इसलिए हमें गेहूं चाहिए। स्पीकर साहब, जिन लोगों ने कनक की मांग की है, उस सब को कनक दिया गया है। यह हो सकता है कि सारी मांग पूरी न कर पाएं हो। कई बार ऐसा होता है कि कौनफैड या प्राईवेट डीलर पैसा जमा नहीं कराते इसलिए वहां कनक नहीं पहुंचती लेकिन मैं सदन को बताना चाहता हूं कि कनक की कोई कमी नहीं है जितनी मांग करेंगे, उतनी कनक हम देंगे। सरदार हरनाम सिंह तो दो दो किलो की मांग कर रहे हैं, अगर वह चाहें तो मैं अस्सी अस्सी किलो भी दिलवा सकता हूं।

बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट पे ा करना

श्री अध्यक्षः अब मैं वेरियस बिजनैस के बारे बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी द्वारा फिक्स किया गया टाइम टेबल रिपोर्ट करता हूं–

"The Committee met at 4.00 P.M. on Wednesday, the 6th March, 1991 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly, whilst in Session, shall meet on Monday, at 2.00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. and on Tuesday, Wednesday, Thursday and Friday at 9.30 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. without question being put.

The Committee after some discussion, also recommends that the business from 7th March to 8th March 1991 and from 11th March to 15th March, 1991, be transacted by the Sabha as follows :-

Thursday the 7th March, 1991 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Presentation and adoption of the Second Report of the Business Advisory Committe.
	3	Motion Under Rule 121
	4	Motion Under Rule 30
	5	Motion Under Rule 121 regarding suspension of Rules 228, 230, 230-B and 260-A.

	6	Discussion and voting on Supplementary Estimates for the years 1990-91.
Friday, the 8th March, 1991 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Presentation of Budget Estimates for the year 1991-92.
Saturday, the 9th March, 1991		Off day.
Sunday, the 10th March 1991.		Holiday
Monday, the 11th March 1991 (2.00 P.M.)	1	Question Hour.
	2	General Discussion on Budget Estimates for the year 1991-92.
Tuesday, the 12th March, 1991 (9.30 A.M.)	1	Question. Hour.
	2	Resumption of general discussion on Budget Estimates for the year 1991-92 and reply by the Finance Minister.
Wednesday, the 13th March, 1991 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	discussion and Voting on

		Demands for Grants on the Budget Estimates for the year 1991-92.
Thursday, the 14th March, 1991 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Presentation of Assembly Committees Reports.
	3	Non-official business.
Friday, the 15th March, 1991 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Motion under Rule 15 regarding non stop sitting.
	3	Motion under Rule 16 regarding adjournment of the Sabha sine-die.
	4	Presentation of Assembly Committees Reports.
	5	The Haryana Appropriation Bill in respect of Supplementary Estimates 1990-91.
	6	The Haryana Appropriation Bill 1991 in respect of the Budget Estimates for the year 1991-92.
	7	Legislative Business.

	8	Any other Business.

अब पार्लियामैंटरी अफयर्ज मिनिस्टर प्रस्ताव पे ा करेंगे कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता है।

गृहमन्त्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता है।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता है।

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव–

सरकारी कार्य को करने के लिए गेर सरकारी दिन को बदलने सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष: अब पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर रूल 121 के तहत रूल 30 को सस्पैंड करने के लिए मो ान मूव करेंगे।

Home Minister (Prof. Sampat Singh): Sir I beg to move-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government Business on Thursday, the 7th March, 1991.

Sir, I also move-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transaction on Thursday, the 7th March, 1991.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government Business on Thursday, the 7th March, 1991.

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transaction on Thursday, the 7th March, 1991.

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): स्पीकर साहब, बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट 4 तारीख को पे ा हुई थी। उस समय मैंने कहा था कि मुझे खद ाा है कि नौन औफि ायल डे को ये औफि ायल डे में कन्वर्ट करैंगे और आपने मजाकिया तौर पर कुछ कहा जैसा कि आप कहते हैं। लेकिन मैंने तब भी अर्ज किया था कि नौन औफि ायल डे को औफि ायल डे में कन्वर्ट करने से जो मैम्बर्ज अपना कोई प्राईवेट रैजोल्यू ान मूव करना चाहते हैं या कुछ और करना चाहते हैं उनके हकूक पर बडा भारी असर पडता है। स्पीकर साहब, बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक 15 तारीख तक सै ान चलना है और अगर इस बिजनैस के लिए या किसी और बिजनैस के लिए दो दिन और सै ान बढा दिया जाए तो इसमें क्या अन्तर आ जाएगा। केवल इसलिए आज का दिन औफि ाल डे में बदला जा रहा है कि सै ान पन्द्रह तारीख तक जरूर खत्म करना है। मैजोरिटी इनके पास है, इसमें कोई दो राय नहीं है और इस मो ान को ये यहां पेर पास भी करा जाएंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन कम से कम हम आपसे यह ऐक्सपैक्ट तो करते हैं कि आप गवर्नमैंट को कहें, मुख्य मंत्री को कहें और मिनिस्टर आफ पार्लियामैंटरी अफेयर्ज को कहें कि वे अपनी मैजोरिटी का दुरूपयोग न करें। जो नौन औफि ायल बिजनैस होना था उसको ट्रांजैक्ट होने दें, यही मेरी प्रार्थना है।

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ): अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने जो कुछ कहा है मैं उससे सहमति प्रकट करता हूं। जो प्राईवेट मैम्बर्ज डे को सरकारी दिन में बदला जा रहा है, यह ठीक नहीं है। स्पीकर साहब, आप के पास पांच प्रस्ताव आए हैं। मेरा कहना यह है कि ऐसी कोई प्राथा न डाली जाए जिससे आगे जाकर गलत असर पडे। एक तरफ तो यह कहा जा रहा है कि बिजनैस कम है और दूसरी तरफ नौन औफिि ायल डे को औफिि ायल डे में बदला जा रहा है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इसको कन्वर्ट न करें। यह गलत रिवाज पड जाएगा। प्राईवेट मैम्बर्ज के जो पांच प्रस्ताव हैं, उनमें से जिसको आप ठीक समझें, एक को ले लें।

13.00 बजे।

कैप्टन अजय सिंह (रिवाड़ी): स्पीकर साहब, अभी राम बिलास भार्मा जी ने बोलते हुए जो कहा वह सही है कि नान आफिि ायल डे को आफिि ायल डे में कन्वर्ट नहीं किया जाना चाहिये। उनकी बात को मैं सही मानता हूं क्योंकि अगर नान आफिि ायल डे को आफिि ायल डे में कन्वर्ट कर दिया जाएगा तो हमारे हक जिसके तहत मैम्बर साहब अपने इलाके की बातें रखना चाहते हैं, उनसे वंचित रह जाएंगे। हम अपने इलाके की बातों को फिर कहां कहेंगे ? स्पीकर साहब, माननीय सदस्यों ने अलग अलग विशयों पर पांच रेजोल्यू ान दे रखे हैं इसलिये मैं आपके द्वारा सरकार से रिकवैस्ट करूंगा कि आज अगर हमें अपने

मुददों पर बोलने कापूरा समय न दिया गया तो हम अपने हकों को यूज नहीं कर पाएंगे। जिस काम के लिए हमें जनता ने यहां हाऊस में चुनकर भेजा है वह काम हम पूरा नहीं कर पाएंगे और हम इसके लिये जनता के साथ अन्याय ही करेंगे। इसलिये आज नान आफि ियल डे को आफि ियल डे में बदल कर सरकार ने हमारे साथ न्याय नहीं किया है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि आप इस मसले पर दोबारा विचार करें। बस इतना ही कहता हुआ मैं सरकार के इस मो ान का विरोध करता हूं।

श्री हीरानन्द आर्य (लोहारू): स्पीकर साहब, यह जो प्रस्ताव गैर सरकारी दिन को सरकारी दिन के रूप में बदलने के लिये आज यहां पर रखा गया है, मैं उसका विरोध करने के लिये खडा हुआ हूं। वैसे तो यह यह कोई नई बात नहीं है लेकिन जब जब भी इस सदन में ऐसी बात आई है, हमने सदा ही इसका विरोध किया है और अपने मन की बात को हमे ाा ही आप तक पहुंचाने का पूरा पूरा प्रयास किया है। आपका ध्यान हर हर वक्त दिलाते रहे कि गैर सरकार प्रस्ताव को सरकारी प्रस्ताव में नहीं बदला जाना चाहिये। उस वक्त तो हमें इस बात का पूरा पूरा वचन दिया जाता रहा है कि ऐसा नहीं होगा लेकिन आज जो काफी महत्वपूर्ण प्रस्ताव सदस्यों की ओर से आए और उनमें मैंने भी दो दिये हैं। एक प्रस्ताव तो जिसका हमने अपने चुनावी घोशणा पत्र में कहा था कि लोकायुक्त की नियुक्ति होनी चाहिये उससे संबंधित है क्योंकि आज भ्रश्टाचार दिन प्रतिदिन बढता ही

जा रहा है। अगर इस बात को स्पश्ट करने के लिये हमें यहां बोलने का पूरा मौका दिया जाता तो अच्छा था लेकिन ऐसा नहीं किया गया और हमारे साथ अन्याय किया गया है।

वित्त मंत्री (श्री तैयब हुसैन): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि किसी का प्रस्ताव भी विद इन टाइम नहीं आया है। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: यदि यह बात है तो स्पीकर सर, you have the authority to relax the time for admitting the resolution.

श्री हीरानन्द आर्य: स्पीकर साहब, समय में है या समय से बाहर है, यह फैसला तो आपने ही करना है। (ाोर)

Mr. Speaker: I am not discussing that matter now.

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, यह वित्त मंत्री साहब जी के इखतयारात की बात नहीं है और न ही बी0ए0सी0 की मीटिंग में ही ऐसा कोई प्रस्ताव था कि आज नान आफि ियल डे की जगह आफि ियल डे होगा। हमारी समझ में न मैं था और न ही मेरी पार्टी का कोई मैम्बर ही था। मेरी जानकारी के अनुसार अपोजी ान के लीडर ने इसका विरोध किया था। इसलिए मैं भी इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

डा0 हरनाम सिंह (ाहबाद): स्पीकर साहब, चार तारीख को बी0ए0सी0 की रिपोर्ट इस हाउस में पे ा की गयी थी परन्तु उसमें यह था कि आज का दिन गैर सरकारी प्रस्ताव के लिये ही रखा गया है लेकिन अब यह प्रस्ताव कैसे आ गया ? मेरी समझ में यह नहीं आ रहा कि यह कैसे हो गया ? मैजोरिटी इनके साथ है और ये जैसा चाहेंगे करवा भी लेंगे लेकिन बात केवल सिद्धान्तों की है। डैमोक्रेसी में यह कोि ा ा होती है कि मिल कर सारे काम किये जाएं। कहीं हरियाणा के हितों और सिद्धान्तों की अगर बात आ जाए तो और बात है लेकिन यहां पर सिद्धान्तों की कोई बात रही नहीं। यह तो डैमोक्रेसी के साथ प्रकार का धक्का है। मेरी रिकवैस्ट है और सुझाव भी है कि अगर इन दूसरे कामों के लिये इस असैम्बली सत्र को दो दिनों के लिये और बढा दिया जाए तो क्या हर्ज है। बेहतर रहेगा कि अगर सै ान बढा दिया जाए और जो काम सरकार आज करवाना चाहती है वह उन बढाये हुए दिनों के लिये निि चत कर दिया जाए। इस दिन को गैर सरकार प्रस्तावों के लिये ही रहने दिया जाये। इन भाब्दों के साथ मैं इस मो ान का विरोध करता हूं।

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, सभी माननीय सदस्यों ने बोलते हुए यह कहा कि इस गैर सरकारी दिन को सरकारी दिन में कन्वर्ट नहीं करना चाहिये। मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी के भाई मुहम्मद असलम खां जी वहां पर मौजूद थे और उन्होंने यह माना था। यह दूसरी बात है

कि इनके आपस में डिफरैन्सिज होंगे। इसको मुझे पता नहीं। कल जो बजट पे ा होना है उससे पहले सप्लीमैंन्ट्रीज पास होनी जरूरी है। एक दिन की ही तो बात थी। कल स्पीकर साहब, हम भी यही कोि ा ा करते थे कि कल का दिन जाया न किया जाये। स्पीकर साहब, आपने भी बहुत कोि ा ा की परन्तु यह लोग नहीं माने और भाोर भाराबा करते रहे। अब यह कहें कि मैजोरिटी इस बात के लिए तुली हुई है ऐसी बात नहीं है। यह लोग तो चाहते थे कि कल का दिन भाोर भाराबे के कारण यूं ही फिलूल बातों में ही खराब हो जाए और इस सदन का कुछ काम न हो सके। जान बूझ कर कल इनहोंने ऐसा वातावरण पैदा किया। (ाोर) इसलिये मैं चाहूंगा कि यदि इस गैर सरकारी दिन को सरकारी दिन में बदल दिया जाए तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

Mr. Speaker: Question is-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended in its application to the motion regarding the transaction of Government Business on Thursday, the 7th March, 1991.

&

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transaction on Thursday, the 7th March, 1991.

The motion was carried.

वाक आउटस

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, इन्होंने मैजोरिटी का नाजायज फायदा उठा कर आज के नान आफिि ायल डे को आफिि ायल डे में कन्वर्ट करवाने की यह मो ान पास करवाई है। इसलिए हम वाक आउट करते हैं।

(इस समय विरोधी पक्ष के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव–

कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 121 regarding nomination of various Committees.

Home Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the-

(i) Committe on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertaking; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1991-92 be suspended.

Sir, I also move-

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1991-92, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the-

(i) Committe on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertaking; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1991-92 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid

Committees for the year 1991-92, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Question is-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the-

(i) Committe on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertaking; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1991-92 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1991-92, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

वर्श 1990–91 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस पर चर्चा तथा मतदान–

(1) राज्य के राजस्व पर प्रभारित व्यव के अनुमानों पर चर्चा

(2) अनुपूरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अब वर्श 1990–91 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस पर चर्चा होगी। जो आनरेवल मैम्बर्ज, चार्जड आइटम्ज को डिस्कस करना चाहे, वे कर सकते हैं तथा पहली प्रैक्टिस के मुताबिक हाउस का टाईम सेव करने के लिए आर्डर पेपर पर रखी गई सभी डिमाण्डज नं0 1, 3 से 7, 9 से 11, 14 व 15 और 20 से 24 पढी तथा मूव की गई समझी जाएंगी। आनरेबल मैम्बर्ज किसी भी डिमाण्ड पर डिस्क ान कर सकते हैं लेकिन डिस्क ान स्टार्ट करने से पहले वे उस डिमाण्ड का नम्बर बता दें जिसको वे डिस्कस करना चाहते हैं। डिस्क ान के बाद डिमाण्डज हाउस की वोट के लिए पुट की जाएंगी।

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 1427000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 1 – **Vidhan Sabha.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 1427000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 1 – **Vidhan Sabha.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 115739000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 3 – **Home.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 136778000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 4 – **Revenue.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 13004000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 5 – **Excise & Taxation.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 201054000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 6– **Finance.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 380462000** for revenue expenditure and **Rs. 1053000** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 7 – **Other Administrative Services.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 156288200** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 9 – **Education.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 51017400** for revenue expenditure be granted to the Governor

to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 10 – **Medical and Public Health.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 22940960** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 11 – **Urban Development.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 8467000** for revenue expenditure and **Rs. 490977000** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 14– **Food and Supplies.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 43714000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 15 – **Irrigation.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 20** for revenue expenditure and **Rs. 2000000** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 20– **Forest.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 62100680** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 21 – **Community Development.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 227460000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 22 – **Co-operation.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 115585000** for revenue expenditure and **Rs. 30861000** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 23– **Transport.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 3300000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 24 – **Tourism.**

श्री रतन लाल कटारिया (रादौर, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, अभी इस महान सदन के सामने 207 करोड 64 लाख रूपए की अनुपूरक मांगे हाउस की मंजूरी लेने के लिए पे । की गई हैं। इस बारे में मैं अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा जो कि राजस्व विभाग से संबंधित हैं। इस डिमाण्ड पर बोलते हुए मैं इस सरकार से यह मांग करना चाहता हूं कि मेरे जिले यमुनानगर के अन्दर एक ही सब डिवीजन है। मेरे जिले में रादौर एक ऐसा क्षेत्र है जिसके साथ जठलाना और मुस्तफाबाद के एरियाज को

मिला कर एक उप मण्डल बनाया जा सकता है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि रादौर के साथ जठलाना और मुस्तफाबाद के एरियाज को मिला कर रादौर को उप मण्डल बनाया जाए। जो बबैन का क्षेत्र है उसके चारों तरफ लगभग 100 गांव हैं इसलिए बबैन को उप तहसील का दर्जा दिया जाए। जहां पर सरकार ने प्रदे ा के विकास के लिए इतने पैसे खर्च किए हैं। अगर उसी तरह से पैसा खर्च करके इस क्षेत्र का विकास कर दिया जाए तो बहुत अच्छी बात होगी।

श्री अध्यक्षः कटारिया साहब, यह तो वह पैसा है जिसके लिए ऐस्टिमेटस कमेटी ने सक्रूटनी के बाद अपनी ऐप्रूवल और रिपोर्ट दे दी है।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, यह पैसा तो 31 मार्च तक खर्च होना है।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मैं मांग नम्बर 3 के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। यह डिमांड होम डिपार्टमैंट से संबंधित है। इस मांग में पुलिस विभाग पर खर्च किए गए पैसे के बारे में मंजूरी ली जा रही है। स्पीकर साहब, बबैन एक ऐसा क्षेत्र है जिसके 40 परसैंट गांव यमुनानगर जिले में चले गए हैं और 60 परसैंट कुरूक्षेत्र जिले में रह गए हैं जिसके कारण उन गांवों के लिए पुलिस स्टे ानों की अव्यवस्था हो गई है। यदि उन गांवों के लोगों को पुलिस स्टे ान में किसी काम के

लिए जाना पडे तो उनको बहुत परे ाानी होती है क्योंकि कई गांव ऐसे हैं जो यमुनानगर जिले में पडते हैं और यदि उनको पुलिस स्टे ान में जाना पडे तो वह कुरूक्षेत्र जिले में पडता है। इसी तरह से कुछ गांव ऐसे हैं जो कुरूक्षेत्र जिले में पडते हैं यदि उन गांवों के लोगों को पुलिस स्टे ान जाना पडे तो वे यमुनानगर में जाएंगे। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि बबैन में एक फुल फलैज्ड पुलिस स्टे ान बना दिया जाए ताकि उस एरिया के लोगों को कोई दिक्कत न हो। अब उन गांव वालों को 20–20 किलोमीटर का चक्कर काट कर जाना पडता है।

श्री अध्यक्षः कटारिया साहब, अब आप बैठिए। बाद में बजट पर बोल लेना।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, अगर आप बजट पर बोलने का मौका देने के लिए कहते हैं तो मैं बैठ जाता हूं।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी): अध्यक्ष महोदय, जो सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस आये हैं मैं उन पर बोलने के लिए खडा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, अखबारों में आया है कि जो एच0सी0एस0 के पेपर्ज हुए उनमें मास चीटिंग हुई है और इस तरह से इस साईड में जो पैसा खर्च किया गया है वह बेकार में ही खर्च किया गया है। जो सरकार अपने सिटिजन्ज की रक्षा नहीं कर सकती तो वह और क्या कर सकती है ?

स्पीकर साहब, अब मैं डिमांड नं0 4 पर अपने विचार व्यक्त करना चाहूंगा। इस डिमांड के तहत भी काफी पैसा खर्च किया गया है। इस बारे में मैं अपने हल्कै के बारे में सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि मेरे हल्के की भी ओलावृश्टि से काफी फसल खराब हुई है लेकिन आज तक किसानों को मुआवजा दिए जाने बारे मौके पर जाकर गिरदावरी नहीं हुई है। इसलिए इस बारे में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं डिमांड नं0 5 पर बोलना चाहता हूं। इस डिमांड के तहत भी काफी पैसा खर्च किया गया है। इसमें आफिसर्ज के टी0ए0/डी0ए0 पर भी बहुत अधिक पैसा खर्च किया हुआ दिखाया गया है। इन डिमांड के बारे में एक बात यह कहना चाहता हूं कि जो सेल्ज टैक्स बैरियर्ज हैं उन पर काफी लूट मच रही है इसको सरकार आज तक कन्ट्रोल नहीं कर पाई है। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि वहां जो लूट मचाई जा रही है उसको रोका जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं डिमांड नं0 3 पर बोलना चाहूंगा। इस डिमांड के तहत भी बहुत अधिक पैसा खर्च किया गया है। लेकिन सरकार का कानून और व्यवस्था की तरफ कोई ध्यान नहीं है। मेरे हल्के रिवाडी की हालत बहुत ही खराब है। वहां पर आए दिन डकैती और मर्डर हो रहे हैं लेकिन इस तरफ सरकार को कोई ध्यान नहीं है। वहां पर हालत यहां तक आ

पहुंची है कि हमारी महिलाएं आजादी से अपने खेतों में काम करने नहीं जा सकती। इस डिमांड के तहत जो पैसा मांगा जा रहा है वह फिजूल में ही मांगा जा रहा है। अगर इस पैसे का सही इस्तेमाल हो तो बात समझ में आने वाली है। जो समस्या मैंने इस बारे में अपने हल्के की बताई उसको ध्यान में रखते हुए मेरे हल्के की कानून व व्यवस्था की तरफ सरकार को वि ोश ध्यान देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं डिमांड नं0 8 के बारे में अपनी बात कहना चाहता हूं। मेरे हल्के के अंदर 1987–88 और 1988–89 में रिवाडी से रामगढ भगवानपुर नहर पर एक पुल बनाने का आ वासन दिया गया था। हाउस में इस बारे में दो बार आ वासन दिया जा चुका है लेकिन उस पर अभी तक काम भाुरू नहीं हुआ है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस तरफ ध्यान देते हुए इस पुल का निर्माण जल्दी से जल्दी किया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं एक ऐसी समस्या की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं जिस तरफ आज तक किसी ने नहीं दिलाया है। पानीपत से अम्बाला तक जो जी0टी0 रोड पर फोर लेनिंग का काम होना था वह अभी तक नहीं हुआ है। वहां पर आए दिन ऐक्सीडैंटस होते हं और काफी नुकसान होता है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि पानीपत से अम्बाला तक जी0टी0 रोड की फोर लेनिंग का काम जल्दी से जल्दी कम्पलीट किया जाये।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं डिमांड नं0 10 पर बोलना चाहता हूं। इस डिमांड के तहत मैंने सेन्टरी बोर्ड की प्रोसिडिंग्ज देखी है। उसकी रिपोर्ट को देखने से पता चलता है कि रिवाडी क्षेत्र और महेन्द्रगढ जिले के लिए बहुत कम पैसा दिया गया है।

स्पीकर साहब, मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि आने वाले बजट में हमारी जो 3.47 करोड रूपये की पानी की योजना है उसके लिए सरकार पैसा रखे ताकि हमारे इलाके के लोगों की पानी की समस्या दूर हो सके।

डिमांड नं0 14 फूड एण्ड सप्लाईज के बारे में है। इसमें ट्रेब्लिंग ऐक्सपैंसिज बहुत ज्यादा रखे गये हैं। गेहूं साढे पांच रूपये किलो के हिसाब से ब्लैक में बेचा जा रहा है और सरकार का इस पर कोई कन्ट्रोल नहीं है। बडे बडे डिपो होल्डर्ज गेहूं की ब्लैक कर रहे हैं लेकिन कोई भी अधिकारी या कर्मचारी चैक करने के लिए नहीं जाता। मैं चाहूंगा कि सरकार को इस ओर वि ोश ध्यान देना चाहिए।

अगली बात मैं सिंचाई मंत्री जी से कहना चाहता हूं। हमारे इलाके में जो डिस्ट्रीब्यूटरीज हैं उनमें पानी बहुत कम आता है। लाधुवास, बालावास और बालियर खुर्द के टेल पर होने के कारण उनमें पानी नहीं आता या बहुत कम पानी आता है। इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। कुछ माईनर्ज और डिस्ट्रीब्यूटरीज की लिस्ट बना कर मैंने माननीय इरीगे ान मन्त्री जी को भेजी है

लेकिन इरीगे ान मिनिस्टर की ओर से मुझे अभी तक कोई रिप्लाई नहीं मिला है कि वह लिस्ट उन्हें मिली या नहीं।

स्पीकर साहब, अब मैं डिमांड नं0 4 जो कि एक्साईज के बारे में है, पर अपने विचार रखना चाहता हूं। यह बडे ही भार्म की बात है कि आज महात्मा गांधी के दे ा में भाराब की बिक्री को बढाने पर जोर दिया जा रहा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, अब आप बैठें, आपने काफी टाईम ले लिया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, आपने जो बोलने के लिए मुझे समय दिया है उसके लिये मैं धन्यवाद करता हूं तथा अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री भगवान सहाय रावत (हथीन): अध्यक्ष महोदय, यह वि ोश प्रोविजन है कि जितना पैसा बजट में सैक ान होता है, उससे अगर एक्सट्रा खर्च हो जाता है तो उस खर्च की मीट विद करने के लिये हाउस में अनुपूरक अनुमान के रूप में पे ा किया जाता है। जो पैसा ज्यादा खर्च हो जाता है ऐसा प्रावधान है कि उस पर बाद में विचार विम र्ा करके उस खर्च को हाउस द्वारा पास किया जाता है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि यह खर्च तो हो चुका होता है इसलिए इस पर ज्यादा बोलना कोई लाभदायक नहीं है। इस मामले में लोक प्रतिनिधि अपनी समस्याओं को तो नहीं रख सकते लेकिन जो ज्यादा खर्च हुआ है, उसको

नोटिस में लाते हुए सरकार को अपने सुझाव दे सकते हैं। इस संबंध में मैं भी अपने 2–3 सुझाव देना चाहूंगा और माननीय मुख्य मंत्री जी तथा संबंधित मंत्री से अपेक्षा करूंगा कि वे इस ओर जरूर गौर करेंगे। सबसे पहले मैं मांग संख्या 2 पर बोलना चाहूंगा। इसमें टोटल 6 लाख 9 हजार रूपये का प्रावधान रखा गया है। लोक सेवा आयोग और हरियाणा सर्विसिज सलैक ान बोर्ड के लिए मैं समझता हूं कि और भी ज्यादा पैसा खर्च किया जा सकता है लेकिन इनकी इमेज लोगौं के बीच में ठीक रहनी चाहिए। पिछले कुछ वर्शों में हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान और हरियाणा सर्विस सिलेक ान बोर्ड में जो कमियां आई हैं उनको दूर किया जाना चाहिए। भर्ती के लिए जो एग्जाम्ज लिए जाते हैं उनमें नकल की प्रवृति में बढावा आया है, जिसे रोका जाना चाहिए। इस बारे में मैं ि ाक्षा मंत्री महोदय से यह कहना चाहता हूं कि जब 10वीं और 8वीं कक्षा के एग्जामज होते हैं तो एक बच्चा अगर एग्जाम देने वाला होता है तो 20 व्यक्ति उसकी सपोर्ट में वहां खडे होते हैं और अध्यापकों द्वारा भी नकल करवाने में मदद की जाती है। मैं यह निवेदन करना चाहूंगा कि नकल की जो प्रवृत्ति है, उसे रोका जाना चाहिए। 10वीं और 8वीं कक्षा में नकल करने की प्रवृत्ति आगे हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान और हरियाणा सबोर्डिनेट सर्विसिज सिलैक ान बोर्ड में भी बनी रहती है जिस कारण दे ा और प्रदे ा को बडा भारी नुकसान उठाना पडता है। मैं समझता हूं कि वहां पर क्षेत्रों के साथ भी और योग्यता के साथ भी किसी प्रकार का कोई क्राइटेरिया पूरा

नहीं करके इस तरह से नौकरी दिलवाने का प्रयास किया गया है। अगर सही पूछा जाए और अगर आप इजाजत देंगे तो दो दिन के बाद जब दोबारा सदन मिलेगा तो मैं हजारों एफीडैविट आपकी सेवा में दे सकता हूं जिससे यह पता चलेगा कि हजारों लाखों रूपये इस माध्यम से इकटठे किये गये हैं और इस तरह से उसकी मिटटी प्लीत की गयी है कि एस0एस0एस0 बोर्ड पर किसी का कोई यकीन ही नहीं रह गया है। अगर आज आपने हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान के माध्यम से भी वही सिफारि ाबाजी से और नकलबाजी से नौकरियां देनी हैं तो इसका क्या फायदा है। उसमें योग्यता के आधार पर बिल्कुल नौकरियां नहीं दी जाती बल्कि उनकी उपेक्षा कर दी गयी है। मैं यह समझता हूं कि यह हरियाणा प्रदे ा के लिये बडा ही दुर्भाग्य का विशय है। नि चत रूप से मुख्य मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं, उनको इस ओर ध्यान देना चाहिये। वहां पर एफीि ाएंसी का यहां तक हाल है कि आप देखें कि वहां पर आउट आफ कोर्स पेपर्ज आये हैं। बहुत से प्रभावी हमारे राजनीतिज्ञ हैं, उनके रिले ान्ज को योजनाबद्ध तरीके से नकल करायी गयी, मेरा कहना यह है कि नि चत रूप से हमें इसकी मर्यादाओं को मेनटेन करने का प्रयास करना चाहिये। अगर वह ऐसा कर सके तो उनका यह सबसे बडा योगदान होगा।

इससे आगे मैं मांग संख्या 3 के बारे में कहना चाहता हूं जो गृह विभाग के बारे में है। इसमें संबंधित मद सं0 2055

पुलिस की है। इसमें जिला पुलिस, रेलवे पुलिस, के खर्चाजात के बोर में मांग रखी गयी है। इसके बारे मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। मैं समझता हूं कि हाउस का अधिकां ा समय आजकल दे ा में जो गतिविधियां हो रही हैं, उनके बारे में और हरियाणा में कानून व्यवस्था बनाये रखने से सम्बंधित रहा है। मैं अपने गृह मंत्री और मुख्य मंत्री जी से यह जरूर कहना चाहूंगा कि हरियाणा पुलिस की भूमिका इस तरह से बननी चाहिये थी कि वह आम आदमी को सुरक्षा प्रदान कर सके लेकिन आज 40–45 साल की आजादी के बाद भी जनता पुलिस को रक्षक नहीं समझती है। वह यह नहीं समझती कि पुलिस हमें सुरक्षा प्रदान करेगी जबकि उनकी सुरक्षा का दायित्व पुलिस का है। मैं बहुत से माननीय सदस्यों से आयु में छोटा हूं लेकिन मैं यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि आज जिस प्रकार से जनता का इस पर से वि वास उठता जा रहा है, उसका परिणाम अराजकता के अलावा और कोई नहीं हो सकता। हमारे सत्ता पक्ष के लोगों को इस बात को बडी गम्भीरता के साथ लेना चाहिये। आज पुलिस का जिस तरह से दुरूपयोग हो रहा है, वह सर्वविदित है। जिस तरह से उसका राजनीतिकरण कर दिया गया है, वह भी सबको पता है। आज हमारे उच्चस्थ पुलिस अधिकारी बलात्कार के केसिज में उलझे हुए हैं। अखबारों में भी इस बारे में कई बार आया है। कोसली के अन्दर कांड हुआ है, कालका और पंचकूला के अंदर भी इस तरह के कांड हुए हैं। उनके ऊपर चर्चा करके मैं सदन का समय बरबाद नहीं करना चाहता हूं लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि हमें आधारभूत तौर पर

यह सोचना होगा कि इस तरह से जब पैसे लेकर पुलिस को भर्ती किया जायेगा और उसका राजनीतिकरण किया जायेगा तो उनसे हम अपेक्षाएं कैसे रख सकते हैं ? कल को यह फांसी का फंदा हमारे गले में भी पड सकता है।

Mr. Speaker: Rawat Ji. Please wind up now. (Interruptions)

श्री भगवान सहाय रावतः अभी तो मैं केवल दो मिनट ही बोला हूं।

श्री अध्यक्षः अगर आपके दो मिनट इतने लम्बे हैं तो घंटा कितना लम्बा होगा। (ाोर) Please wind up.

श्री भगवान सहाय रावतः अब मैं मांग सं0 4 के बारे में अपने विचार रखना चाहता हूं। स्पीकर साहब, इसमें प्राकृतिक आपदाओं के लिये कुछ प्रोवीजन किया गया है। इसमें कोई भाक नहीं है कि यह सरकार दे ा में और प्रदे ा में किसानों की सरकार होने का दावा भरती है, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि नि चत रूप से इस सरकार को इस और ज्यादा ध्यान देना चाहिये। अभी हमारे इलाके में जबरदस्त ओले पडे हैं, उसके लिये भी कुछ सोचना चाहिये। आप किसानों की सरकार होने का दावा करते हो। ओलों के कम्पनसे ान को 400 रूपये से बढाकर 500 रूपये कर दें तो ठीक होगा। (Noise & Interrruptions)

Mr. Speaker: Rawat Ji, you please take your seat now.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat: Speaker Sir .....

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded whatever Bhagwan Sahai Rawat now says as I am not going to give him any more time.

Now, Sh. Bhagmal will please speak.

श्री भाग मल (सढौरा, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, यह जो सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेटस सदन के सामने आये हैं, मैं इनके ऊपर कुछ बोलना चाहूंगा। मैं बिल्डिंग्ज एंड रोडज, ऐजुके ान, मैडीकल, पब्लिक हैल्थ और इरीगे ान के बारे में कुछ बोलना चाहूंगा। ये जो डिमांडज हमारे सामने आयी हैं, ये वैसे तो हमें पास करने में कोई दिक्कत नहीं है, यह तो पास करनी ही पडेगी क्योंकि यह पैसा तो खर्च हो चुका है, पास करना जरूरी भी है लेकिन मैं आपके माध्यम से अपने हल्के की एक दो बातें कहना चाहता हूं।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्ष: अगर हाउस की सहमति हो तो आधा घंटे का समय बढा दिया जाये।

श्री वीरेन्द्र सिंह: सर, आधे घंटे की जरूरत नहीं है, 10 मिनट में ही काम खत्म हो जायेगा।

श्री अध्यक्षः ऐसे है कि टाईम आधे घंटे के लिए ऐक्सटैंड कर लेते हैं अगर पहले काम खत्म हो गया तो पहले हो जायेगा।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम आधा घंटा बढाया जाता है।

वर्श 1990–91 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री भागमलः अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के की कुछ समस्याओं की तरफ होम मिनिस्टर साहब का ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं। बिलासपुर में मरवाखुर्द एक जगह है वहां पर उग्रवादी आए और उनके सथ मुठभेड में पिछली बार हमारे दो नौजवान हैड कांस्टेबल मारे गए। वे केयरलैसनेस की वजह से मारे गए, वरना वे न मारे जाते और उन उग्रवादियों को गिरफतार किया जा सकता था। बाद में पता चला कि उन अग्रवादियों में से एक मारा गया और दूसरा कहीं गिरफतार हो गया। स्पीकर साहब, अब बिलासपुर में यह स्थिति पैदा हो गई है कि वहां पन्द्रह दिन में दो डकैतियां पडी हैं। वहां पर जो एस0एच0ओ0 बैठा है, पता नहीं वह क्या करता है। लोग उसे पर्सनली मिले लेकिन डकैती का कोई कलू नहीं मिला है। वहां लोगों की जान व माल की कोई रक्षा नहीं हो रही है। मैं वहां रात को गया और आज ही सुबह

आया हूं। मुझे पता लगा है कि कोई चोरी का केसी वहां पकडा हे। चोर भी पकडे गए हैं और कुछ माल भी बरामद हुआ है लेकिन जिन लोगों से माल मिला है पुलिस उनको गिरफतार नहीं कर रही। अगर उनको गिरफतार कर लिया जाता तो उनसे कुछ पता लग सकता था। गवाह वे हो सकते थे लेकिन जिन लोगों से माल मिला है एस0एच0ओ0 ने उन लोगों को तो छोड दिया लेकिन दूसरे आदमियों को इस केस में इम्पलीकेट कर रहा है ताकि उनसे पैसा वसूल किया जाए। मेरा सीधा ऐलीगे ान है कि वहां के एस0एच0ओ0 ने पैसा लेने के लिए मार्किट बनाई हुई है। मुझे पता नहीं किसके इ ाारे से बनाई हुई है। उसको अगर कुछ कहा जाता है तो वह कहता है कि आप जो चाहें कर लें हमारे ऊपर कहने वाले बहुत बैठे हैं। स्पीकर साहब, डकैती का अभी कुछ भी माल नहीं मिला है। स्पीकर साहब, इससे पहले भी एक डकैती पडी थी। पुलिस कहती है कि वह डकैती नहीं थी। लेकिन कुछ आदमी यमुनानगर की पुलिस ने ट्रेन में चढते हुए पकड लिये थे। उनके नाम वैसे ही कुछ नहीं है और जो कुछ थोडा बहुत है अगर वह भी डकैती में चला जाए तो उनके पास कुछ भी नहीं रहता। हम पुलिस को हर हालत में सहयोग देते हैं लेकिन पुलिस सहयोग नहीं करती। सढौरा में भी एक वाक्या हुआ था। वहां का एस0एच0ओ0 ठीक था। जब वह इन्वैस्टिगे ान कर रहा था तो उसको बदल दिया गया। मैं कहना चाहता हूं कि जो अच्छे आदमी हैं उनको बार बार न बदला जाए। अगर कोई उसकी ि ाकायत होती है या हम ि ाकायत करते हैं तो बदल दें लेकिन वैसे अच्छे

आदमियों को न बदला जाए। अब मुझे पता लगा है कि पहले वाले एस0एच0ओ0 को वहां भेज दिया है। बार बार अच्छे आदमी को बदलने से लोगों को परे ाानी होती है। जो लोग खराब हैं उनके खिलाफ सख्त ऐक ान होना चाहिए और उनको सजा मिलनी चाहिए। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं–

श्री अध्यक्षः बस आप बैठिए।

श्री भागमलः स्पीकर साहब, मैं थोडा सा कुछ और कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः नहीं, नहीं बैठिए।

श्री भाग मलः बहुत अच्छा जी। आपका धन्यवाद।

डा0 हरनाम सिंह (ााहबाद): स्पीकर साहब, आपका बहुत धन्यवाद। स्पीकर साहब, मैं सप्लीमैंटरी ऐस्टीमैटस के बारे में कहना चाहता हूं। मैं सबसे पहले डिमाण्उ नं0 3 जो होम की है और जिसका हैड 2055 है के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। उस हैड में स्पै ाल पुलिस के लिए 6612000 रूपया रखा गया है। स्पीकर साहब, स्पै ाल पुलिस हरियाणा में है यह बात हमारे नोटिस में तो नहीं है। ऐक्सपलेनेटरी नोट में भी इसके बारे में कुछ नहीं ळें मैं कहना चाहता हूं कि पंजाब में जिस तरह के हालात हैं उनमें तो वहां पर पोलिटीकल लोगों के लिए स्पे ान पुलिस रखी हुई होगी लेकिन अगरे हरियाणा में भी ऐसा है तो इसका जिक्र ऐक्सप्लेनेटरी नोट में आना चाहिए था। स्पीकर साहब,

हमारी पुलिस के बारे में कई तरह की ि ाकायत है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक संगीन वाक्या की ओर होम मिनिस्टर का ध्यान दिलाना चाहता हूं। लाडवा में एक वाक्या हुआ और पुलिस ने उसको कोई नोटिस नहीं लिया। वहां पर हडताल हुई। वहां पर दो दिन तक थाने का घेराव किया गया। हम तीन एम0एल0एज0 वहां पहुंचे और उसके बाद फैसला हुआ।

स्पीकर साहब, माघी का दिन था। इस्माइलाबाद के गुरूद्वारे में हम सभी लोग इकटठे हुए। गुरूद्वारे के ग्रंथी को पुलिस पकड कर ले गई। उस ग्रंथी का घर गुरूद्वार में है। वहां की एक कमेटी पुलिस के पास गई और जैसा कि पुलिस करती है उस ग्रंथी की पिटाई की गई और पिटाई करके उसकी बुरी हालत की गई। वे लोग मेरे पास आए। मैंने एस0पी0 को लिखकर दिया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। मैंने होम मिनिस्टर को लिखा। होम मिनिस्टर ने कहा कि मैं टेलीफोन पर बात करूंगा। पता नहीं कि टैलीफोन हुआ है या नहीं हुआ। 4 तारीख तक तो कोई कार्य नहीं हुई थी। मैं कहना चाहता हूं कि बडी सीरियस बात है। पावर्ज का गलत इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

स्पीकर साहब, दूसरी बात डिमांड नं0 4 पर कहना चाहता हूं जिसमें नैचुरल क्लैमिटी रिलीफ फण्ड से सम्बधित कुछ रा ि ा मांगी गयी है। 12 करोड 75 लाख रूपये की रा ि ा की मांग है। इस फायनैं ि ायल इयर के समाप्त होने में केवल 24 दिन रहते हैं। ओला वृश्टि व दूसरे नुकसान को पूरा करने के लिये

केवल 67 लाख रूपया ही दिया और साथ कह दिया कि अगर कोई ऐसी घटना फिर और हो गई तो और पैसा दे देंगे। मैं यह नहीं कहता कि नैचुरल क्लेमिटी आने वाली है लेकिन इतना ही कहूंगा कि इसके लिये कोई पैसा रखा नहीं गया है।

इससे आगे डिमांड नं0 6 जो कि विडोज की पैं ान और ग्रेचुटी के बारे में है, इसके बारे में मैं केवल यही कहूंगा कि इसको विजोलाइज पहले ही कर लेना चाहिये था।

इसके बाद मैं डिमांड नं0 10 पर कुछ कहूंगा। सैंन्ट्रल ग्रांटस, वाटर सप्लाई एण्ड सेनीटे ान की स्कीम के लिये सरकार ने ग्रान्ट दी है और सरकार ने साथ कहा कि 31 दिसम्बर 1991 तक हम सभी गांवों में पानी दे देंगे। रूडकी गांव में लाडवा हल्के में एक सैनीमाजरा पंचायत है वहां पर पीने के पानी की बडी भारी किल्लत हैं इसी तरह से बहुत सी और पंचायतें भी हैं जहां पानी की बडी किल्लत है। पैसा अगर सरकार द्वारा लिया जाता है तो कम से कम उस पैसे को खर्च भी अव य किया जाना चाहिये ताकि लोगों को किसी प्रकार की दिक्कतें न हों। बस इतना ही कह कर अपना स्थान लेता हूं।

वित्त मंत्री (श्री तैयब हुसैन): मोहतरिम स्पीकर साहब, जो जो बातें यहां पर मैम्बर साहेबान ने कहीं हैं, वे सारी की सारी मैंने नोट कर ली हैं और जो अलग अलग महकमों के मुताल्लिक

जो जो ि ाकायतें हैं, वे हम उन्हीं महकमों को जरूरी कार्यवाही के लिये भेज देंगे।

ओला वृश्टि से हुए नुकसान के बारे में अजय सिंह जी ने कहा लेकिन उनको तो चौधरी देवी लाल जी का म ाकूर होना चाहिये कि यह स्कीम तो चौधरी देवी लाल जी ने ही बनायी थी। यह स्कीम चालू है और चालू रहेगी।

पब्लिक हैल्थ की बात भी स्पीकर साहब, रिवाडी के बारे में कही गयी। हमारी पूरी कोि ा ा होगी कि हम जल्द से जल्द सारी स्टेट के अंदर पानी का प्रोवीजन कर पाएं। स्टेट के अंदर जो जो इस तरह की दिक्कतें रही हैं हम उनके बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हैं और हमारी यही कोि ा ा होगी ताकि सारी स्टेट को जल्द से जल्द पानी मिल सके। फोर लेनिंग की बात भी यहां पर कही गयी। इस बारे में कई मैम्बर साहेबान ने अपने अपने विचार रखे। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस काम के लिये हरियाणा सरकार की ओर से कोई विलम्ब नहीं रही लेकिन राजमार्ग बनाने का काम ठेकेदारों के विवाद के कारण रूक गया है। इस विवाद को सुलझाने के प्रयास किये जो रहे हैं और भारत सरकार तथा वि व बैंक के अधिकारियेां से इस बारे में भीघ्र निर्णय लेने का अनुरोध किया जा रहा है। हरियाणा में बल्लभगढ से उत्तर प्रदे ा बार्डर तक राश्ट्रीय राजमार्ग का फौर लेन बनाने का कार्य ठेकेदारों को दे दिया गया है। यह परियोजना एि ायन

विकास बैंक की मदद से भुरू की जा रही है और इसे चार वर्शों से पूरा किया जाएगा।

फूड एण्ड सप्लाईज के बारे में ढांडा साहब ने पहले ही बडी तफसील के साथ बता दिया है। पुलिस के बारे में हाउस में सारी बातें होम मिनिस्टर साहब के द्वारा आ ही चुकी हैं लेकिन जिस तरीके से माननीय सदस्यों ने इस बारे में बातें कहीं हैं, वे सही नहीं हैं।

भागमल जी ने कहा कि डकैती का माल बरामद हो गया है। इसके लिए तो उनको खु ी होनी चाहिए क्योंकि सबसे ज्यादा मुि कल काम माल की रिकवरी करने का होता है और वह हो गया है। जहां तक एस0एच0ओ0 को लगाने की बात है यह तो जिले के एस0एस0पी0 का काम है, उसने फैसला करना है कि किसको कहां पर लगाना है। विधायक इस मामले से अपने आप को अलग रखें ताकि प्रान्त में ला एंड आर्डर ठीक रह सके।

रावत जी ने पब्लिक सर्विस कमी ान के बारे में कहा। मैं समझता हूं कि यह बात नहीं है। यह तो 27 फरवरी को चले गए थे और आज ही आए हैं। रावत जी पहले फैक्टस का मालूम करें। वह अच्छी तरह से काम कर रहा है, इसमें कोई ऐसी बात नहीं है। ओला वृश्टि के मामले में हमारे रैवेन्यु मिनिस्टर साहब ने बता ही दिया था। यह खर्चा तो वह है जो पहले ही खर्च हो चुका है और ऐस्टिमेटस कमेटी से पास हो चुका है। इसलिए इस बारे

में लम्बी चौडी बात कहने की जरूरत नहीं है। इसलिए मैं अर्ज करूंगा कि इन डिमांडज को पास कर दिया जाए।

Mr. Speaker: Question is-

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 1427000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 1 – **Vidhan Sabha.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 115739000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 3 – **Home.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 136778000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 4 – **Revenue.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 13004000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 5 – **Excise & Taxation.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 201054000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 6– **Finance.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 380462000** for revenue expenditure and **Rs. 1053000** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 7 – **Other Administrative Services.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 156288200** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 9 – **Education.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 51017400** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 10 – **Medical and Public Health.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 22940960** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 11 – **Urban Development.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 8467000** for revenue expenditure and **Rs. 490977000** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 14– **Food and Supplies.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 43714000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 15 – **Irrigation.**

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 20** for revenue expenditure and **Rs. 2000000** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 20– **Forest.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 62100680** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for

the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 21 – **Community Development.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 227460000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 22 – **Co-operation.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 115585000** for revenue expenditure and **Rs. 30861000** for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 23– **Transport.**

That a supplemenatary sum not exceeding **Rs. 3300000** for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1991 in respect of Demand No. 24 – **Tourism.**

The motion was carried.

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल सुबह 9.30 बजे तक ऐडजर्न किया जाता है।

***13.43 बजे।**

(तत्प चात सदन भाुक्रवार 8.3.91 प्रातः 9.30 बजे तक स्थगित हुआ।)